THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 29 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.13 2080 मंगलवार, 18 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

फैसला करना संसद का काम : केंद्र

कोर्ट इससे दूर रहे, इसे कानूनी मान्यता की मांग केवल एलीट क्लास की सोच

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सेम सेक्स मैरिज को वैध ठहराए जाने की डिमांड सिर्फ शहरी एलीट क्लास की है। इससे आम नागरिकों के हित प्रभावित होंगे। सरकार ने कहा कि इस पर फैसला करना संसद का काम है। कोर्ट को इस फैसले से दूर रहना चाहिए।

केंद्र ने सेम सेक्स मैरिज पर दूसरा हलफनामा पेश किया और इसके पक्ष में दायर याचिकाओं पर सवाल उठाया है। सरकार ने कहा कि यह केवल शहरी एलीट क्लास का नजरिया है और इन याचिकाओं का मकसद ऐसी शादी को सिर्फ सामाजिक स्वीकार्यता दिलाना है। सभी धर्मों में विवाह का एक सामाजिक महत्व है। हिन्दू में विवाह को संस्कार माना गया है, यहां तक की इस्लाम में भी। इसलिए इस याचिकाओं को खारिज कर देना चाहिए। कोर्ट में केंद्र ने कहा था कि समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने से गोद लेने, तलाक, भरण-पोषण, विरासत आदि से संबंधित मुद्दों में बहुत सारी जटिलताएं पैदा होंगी। इन मामलों से संबंधित सभी वैधानिक प्रावधान पुरुष और महिला के बीच विवाह पर आधारित हैं।

कौन हैं याचिकाकर्ता कपल :

समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से जुड़ी याचिकाओं में एक याचिका हैदराबाद के समलैंगिक कपल सुप्रियो और अभय की है। कपल ने अपनी याचिका में कहा है कि दोनों एक दूसरे को एक दशक से ज्यादा वक्त से जानते हैं और रिलेशनशिप में है। इसके बावजूद शादीशुदा लोगों को जो अधिकार मिले हैं, उन्हें उन अधिकारों से वंचित रखा गया।

जबकि सुप्रीम कोर्ट बार-बार यह दोहराता रहा है कि कोई भी वयस्क व्यक्ति अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने और जिंदगी जीने के लिए स्वतंत्र है।

केंद्र सरकार सेम सेक्स मैरिज कानून के विरोध में क्यों

केंद्र सरकार सेम सेक्स मैरिज की अनुमति देने के खिलाफ है। इस पर केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर सभी याचिकाओं को खारिज करने की मांग की है।

केंद्र सरकार ने कहा था, भले ही सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की धारा 377 को डीक्रिमिनलाइज कर दिया हो, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि याचिकाकर्ता सेम सेक्स मैरिज के लिए मौलिक अधिकार का दावा करें। केंद्र सरकार ने सेम सेक्स मैरिज को भारतीय परिवार की अवधारणा के खिलाफ बताया है। केंद्र ने कहा कि समलैंगिक विवाह की तुलना भारतीय परिवार के पति, पत्नी से पैदा हुए बच्चों की अवधारणा से नहीं की जा सकती। कानून के मुताबिक भी सेम सेक्स मैरिज को मान्यता नहीं दी जा सकती, क्योंकि उसमे पति और पत्नी की परिभाषा जैविक तौर पर दी गई है। उसी के मुताबिक दोनों के कानूनी अधिकार भी हैं। सेम सेक्स मैरिज में विवाद की स्थिति में पति और पत्नी को कैसे अलग-अलग माना जा सकेगा?

बासवन्ना के विचारों पर हमला कर रही भाजपा

राहुल ने उठाई ओबीसी आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग

बेंगलुरू, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने कर्नाटक के बीदर जिले के भालकी में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने अपने संबोधन में भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा और साथ ही बासवन्ना के सहारे लिंगायत वोटबैंक को साधने की भी कोशिश की।

राहुल गांधी ने ओबीसी जनगणना के आंकड़े जारी करने की भी मांग की। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में अगर कोई पहली बार लोकतंत्र के लिए बोला और लोगों को राह दिखाई तो वो बासवन्ना जी थे। दुख की बात है कि आज आरएसएस और भाजपा के लोग लोकतंत्र पर हमला कर रहे हैं। बासवन्ना जी मानते थे कि सभी की सहभागिता हो, एक ऐसी जगह हो, जहां सभी मिलकर आगे बढ़ें लेकिन आज इस पर भाजपा और आरएसएस द्वारा हमला किया जा रहा है। वह नफरत और हिंसा फैला रहे हैं। बता दें कि कर्नाटक में लिंगायत मतदाता करीब 18 प्रतिशत हैं। बासवन्ना, लिंगायतों के सबसे बड़े गुरु माने जाते हैं। बीएस येदियुरप्पा इसी वर्ग से आते हैं और लिंगायत समुदाय के बड़े नेता माने जाते हैं। यही वजह है कि कर्नाटक में लिंगायत वोटबैंक पारंपरिक तौर पर भाजपा समर्थक माना जाता है। अब राहुल गांधी ने जिस तरह से अपने संबोधन में बासवन्ना की तारीफ की है, उससे माना जा रहा है कि कांग्रेस, लिंगायत वोटबैंक में सेंध लगाना चाहती है। जगदीश शेट्टार भी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं और वह भी लिंगायत वर्ग से आते हैं। ऐसे में लग रहा है कि कांग्रेस लिंगायत समुदाय को लुभाने की कोशिश कर रही है।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कसा तंज :

कर्नाटक में भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं और कांग्रेस ने इसे 40 प्रतिशत कमीशन सरकार बताया था। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि 40 प्रतिशत कमीशन सरकार का नारा मैंने नहीं दिया था ये कर्नाटक के लोगों ने दिया था। राहुल गांधी ने कहा कि अगर हम चाहते हैं कि इस देश में ओबीसी वर्ग आगे बढ़े और उन्हें अधिकार दिए जाएं तो इसके लिए पहला कदम है कि प्रधानमंत्री ओबीसी जनगणना के आंकड़े जारी करे।

ममता के भतीजे के खिलाफ सीबीआई-ईडी जांच पर रोक

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी से ईडी और सीबीआई की पूछताछ पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को करेगी और तब तक जांच एजेंसियां अभिषेक से पूछताछ नहीं कर सकेंगी।

13 अप्रैल को कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने आदेश दिया था कि जरूरत पड़ने पर ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियां अभिषेक से पूछताछ कर सकती हैं। और यह जांच जल्द की जाए। हाईकोर्ट ने बंगाल पुलिस को यह भी निर्देश दिया था कि मामले की जांच कर रहे सीबीआई और ईडी अफसरों पर कोई एफआईआर ना दर्ज की जाए। अभिषेक बनर्जी ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने सोमवार को दोनों आदेशों पर रोक लगा दी है। 29 मार्च को अभिषेक बनर्जी ने कहा था कि एजेंसियों की कस्टडी में लोगों पर दबाव बनाया जा रहा है कि वो घोटाले में मेरा नाम ले लें। इस केस में एक अन्य आरोपी कुंतल घोष ने भी आरोप लगाया था कि उन पर अभिषेक बनर्जी का नाम लेने के लिए प्रेशर बनाया जा रहा है।

घोष को ईडी ने गिरफ्तार किया था और उसे उनकी कस्टडी दी गई थी। इसके बाद 20 फरवरी से 23 फरवरी तक सीबीआई की कस्टडी में भेजा गया था।

शराब नीति केस : कोर्ट ने फिर बढ़ाई सिसोदिया की कस्टडी

27 तक सीबीआई और 29 अप्रैल तक ईडी की हिरासत में रहेंगे मनीष

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। शराब नीति केस में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की कस्टडी कोर्ट ने फिर एक बार बढ़ा दी है। मनीष अब 27 अप्रैल तक ईडी और 29 अप्रैल तक सीबीआई की हिरासत में रहेंगे। बता दें कि शराब नीति मामले में ईडी जहां मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच कर रही है। वहीं सीबीआई अनियमितता के मामले को इन्वेस्टिगेट कर रही है। दोनों मामलों में सिसोदिया की कस्टडी आज खत्म हो रही थी। 3 अप्रैल को कोर्ट ने सीबीआई को सिसोदिया की 17 अप्रैल तक कस्टडी दी थी। इसके दो दिन बाद 5 अप्रैल को कोर्ट ने ईडी को भी उनकी 17 अप्रैल तक की कस्टडी दे दी थी। सिसोदिया की जमानत याचिका पर कोर्ट 18 अप्रैल को सुनवाई करेगी।

बता दें कि दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी की हिरासत में हैं। उन्हें 26 फरवरी को सीबीआई ने 8 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। 7 दिन की सीबीआई रिमांड के बाद कोर्ट ने 6 मार्च को सिसोदिया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजा था। यहां ईडी ने दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम से शराब नीति केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ की थी, जेल से ही एजेंसी ने सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईडी की टीम इस मामले में गिरफ्तार दो अन्य आरोपियों के साथ तिहाड़ पहुंची थी। ईडी ने बताया था कि नई शराब नीति बनाने में साउथ दिल्ली के व्यापारियों से 100 करोड़ की रिश्वत ली गई थी। इस मामले में ईडी ने 6 मार्च को हैदराबाद के बिजनेसमैन अरुण रामचंद्र पिल्लई और अमनदीप ढल को गिरफ्तार किया था। इस मामले में तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी के. कविता का नाम भी आया था। एजेंसी इस केस में कविता से भी पूछताछ कर चुकी है। दिल्ली शराब नीति केस में अनियमितता को लेकर सीबीआई ने 17 अगस्त 2022 को केस दर्ज किया था। इस मामले में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को पहले सीबीआई ने और फिर ईडी ने अरेस्ट किया था।

सीईसी की नियुक्ति याचिका पर सुनवाई से बेंच ने खुद को अलग किया

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय की पीठ ने सोमवार को अरुण गोयल की चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया।

जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना ने सुनवाई शुरू होने के बाद पहले तो चुनौती देने वाले एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) से सवाल किया कि किन नियमों का उल्लंघन किया गया है। फिर सुनवाई से हटने की घोषणा की। इसके बाद मामले को दूसरी बेंच में भेजने का निर्देश दिया।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने चुनाव आयुक्त के रूप में अरुण गोयल की नियुक्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। गैर सरकारी संगठन ने दावा किया कि उनकी नियुक्ति मनमाने तरीके से की गई है और चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता और स्वतंत्रता का उल्लंघन किया गया है।

दिल्ली विधानसभा सत्र-मुख्यमंत्री केजरीवाल ने केंद्र पर किया परोक्ष हमला

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सोमवार को दिल्ली विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया। इस विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर परोक्ष रूप से कई हमले किए। उन्होंने नोटबंदी और किसानों के लिए बनाए गए और फिर वापस लिए गए कानूनों का जिक्र किया। केजरीवाल ने एक कहानी के माध्यम से केंद्र पर तीखे हमले किए और इसी कहानी के माध्यम से अपनी और अपनी सरकार की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा के अंदर सुनाई गई अपनी कहानी में बताया कि नोटबंदी से कोई लाभ नहीं हुआ, उल्टे इससे देशवासियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा रातो-रात अचानक नोटबंदी कर दी गई इससे व्यवसायियों को नुकसान हुआ, लोग सड़कों पर आ गए। इससे लोगों को लंबी-लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा, देशभर में उद्योग धंधे प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने इसके अलावा 3 किसान कानूनों का भी जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन किसान कानूनों के विरोध में हजारों किसानों ने प्रदर्शन किया और इस दौरान सैकड़ों किसानों की जान चली गई।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भाषण से पहले आम आदमी पार्टी के सदस्यों ने कहा है कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना के विधानसभा सत्र बुलाए जाने पर आपत्ति जताने को सदन का अपमान बताया। विधानसभा उपाध्यक्ष राखी बिड़लान ने कहा कि यह सदन की प्रतिष्ठा और शक्ति कम करने का प्रयास है। उन्होंने इस विषय को दिल्ली विधानसभा विशेषाधिकार समिति के पास भेजने का निर्णय लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई मेट्रो पर लगाया 10 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना आरे जंगल में तय सीमा से ज्यादा पेड़ काटने पर लगाया गया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि दो हफ्ते के भीतर मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड को जुर्माने की राशि का भुगतान करना होगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पार्दीवाला की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड का तय सीमा से ज्यादा पेड़ काटने के लिए पेड़ प्राधिकरण के पास जाना गलत था। कोर्ट ने कहा कि एमएमआरसीएल को जुर्माने की राशि दो हफ्ते में जंगल के संरक्षक के पास जमा करानी होगी ताकि संरक्षक यह सुनिश्चित कर सके कि वनरोपण का काम ठीक से हो सके।

65 घंटों की पूछताछ के बाद टीएमसी विधायक जीवन कृष्ण गिरफ्तार

कोलकाता, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले में सोमवार सुबह सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के तीसरे विधायक जीवन कृष्ण साहा को भी सीबीआई ने 65 घंटे की तलाशी और पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक सोमवार सुबह 5:30 बजे के करीब जीवन कृष्ण को गिरफ्तार किया।

केंद्रीय विधायक को कड़ी सुरक्षा में कोलकाता के निजाम पैलेस स्थित केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय में लाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आज ही विधायक को कोर्ट में पेश किया जाएगा। भ्रष्टाचार की जांच में सहयोग नहीं करने और साक्ष्य को नष्ट करने की कोशिश के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों पर विश्वास करें तो विधायक पर शिक्षक भर्ती घोटाला में 400 से 500 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप है। अब पूरे मामले में विपक्ष हमलावर हो गया है, जबकि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने चुप्पी साध रखी है। बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में जीवन साहा सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के तीसरे विधायक हैं, जिन्हें सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के विधायक और पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को पिछले वर्ष सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। यह पहली गिरफ्तारी थी।

वे अभी जेल में बंद हैं। उसके बाद नदिया जिले के पलाशिपाड़ा से तृणमूल कांग्रेस के विधायक व प्राथमिक शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य को इस मामले में गिरफ्तार किया था, जो जेल में बंद हैं। अब मुर्शिदाबाद के बरन्या से विधायक जीवन कृष्णा साहा तीसरे जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें इस मामले में केंद्रीय एजेंसी ने गिरफ्तार किया है। सूत्रों के मुताबिक प्रति नियुक्ति के लिए 5 से 7 लाख रुपये तक रेट भी फिक्स किए गए थे।

पिछले 65 घंटों में लगातार हुई पूछताछ, मोबाइल तालाब में फेंका

सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार दोपहर विधायक जीवन कृष्ण साहा के बरन्या के ओंदी में स्थित घर पर छापेमारी की गई। उसके बाद उनसे पूछताछ शुरू हुई। बताया जा रहा है कि शाम के समय उन्होंने शौचालय जाने का बहाना बनाकर उन्होंने रोशनदान से अपने दो मोबाइल फोन, पेन ड्राइव और एक हार्ड डिस्क घर के पीछे तालाब में फेंक दिया था। जैसे ही मोबाइल फेंकने की जानकारी जांच एजेंसी के अधिकारियों को मिली, रात को ही पंप मंगवा कर तालाब का पानी खाली करवाया गया। करीब 32 घंटों की तलाशी के बाद उनका केवल एक ही मोबाइल फोन रविवार को बरामद हुआ। जांच एजेंसी ने जेसीबी मंगवाकर मिट्टी उठाने का काम शुरू कर दिया है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि उन्होंने भागने की भी कोशिश की, हालांकि इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। अभी भी एक मोबाइल, पेन ड्राइव और हार्ड डिस्क की खोज जारी है।

हेट-स्पीच के लिए भाजपा नेताओं पर एफआईआर की मांग

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया सीपीआई (एम) के नेता बृंदा करात और केएम तिवारी की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। जिसमें केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और भाजपा नेता प्रवेश वर्मा के खिलाफ 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान कथित हेट स्पीच के लिए एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की पीठ ने दिल्ली पुलिस से तीन हफ्ते में जवाब मांगा है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया, मजिस्ट्रेट का यह कहना कि मामले में एफआईआर दर्ज करने के लिए किसी की मंजूरी की चाहिए यह गलत है। सीपीआई(एम) नेताओं की इस याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में 13 जून, 2022 को सुनवाई हुई थी। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था जिसमें कहा गया था कि कानून के तहत मौजूदा तथ्यों में एफआईआर दर्ज करने के लिए हायर अथॉरिटी से मंजूरी लेना जरूरी है।

अतीक और अशरफ की हत्या के बाद सिब्बल ने उठाए कई सवाल

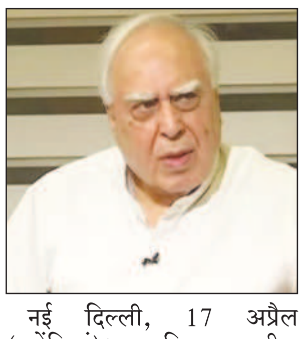

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद और अशरफ अहमद की हत्या के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने ट्वीट कर सारे सवाल पूछे हैं। सिब्बल ने सोमवार को कई सवाल उठाते हुए पूछा कि जब कोई आपात स्थिति नहीं थी तो पुलिस ने रात 10 बजे उन्हें चिकित्सा जांच के लिए क्यों लेकर गई थी?

बता दें कि शनिवार की रात अतीक और उसके भाई अशरफ को जब पुलिस चिकित्सा जांच के लिए प्रयागराज के एक मेडिकल कॉलेज ले जा रही थी, उसी वक्त पत्रकार बनकर आए तीन लोगों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस हत्या की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया है।

हमलावरों ने कैमरे के सामने अतीक और उसके भाई को गोली मारी थी। इस हमले के तुरंत बाद ही तीनों अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। हत्या के दूसरे दिन तीनों बांदा के लवलेश तिवारी (22), हमीरपुर के मोहित उर्फ सनी (23) और कासगंज के अरुण मौर्य (18) को जिला अदालत में पेश किया गया था। फिलहाल तीनों ही हमलावर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में हैं।

पुलिस ने बताया कि हमलावर पत्रकारों के एक समूह में शामिल हो गया था। उन लोगों ने अचानक ही अपने कैमरे गिरा दिए और बंदुके निकाल ली थी। हमलावरों ने बताया कि अपराध की दुनिया में कदम रखने के लिए उन्होंने अतीक और उसके भाई की हत्या की थी।

विपक्ष भी दे रहा कड़ी प्रतिक्रिया

अतीक-अशरफ की पुलिस हिरासत में मौत की हो सीबीआई जांच

यूपी के पूर्व आईपीएस ने सुप्रीम कोर्ट में दी याचिका

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के प्रयागराज में पुलिस हिरासत में हुई माफिया-नेता अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट से हत्या के मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की है।

असल में, अतीक और अशरफ की मौत के बाद सवाल उठते जा रहे हैं। कहा जा रहा कि अतीक को इनामी बमबाज गुड्डू मुस्लिम से जुड़े राज का खुलासा तो इस हत्याकांड की वजह नहीं बना। इसलिए क्योंकि मौत के घाट उतारे जाने से ठीक पहले अशरफ ने गुड्डू मुस्लिम का नाम लिया था। इससे पहले भी अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में रविवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी।

याचिका में इस हत्याकांड की जांच के लिए शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति के गठन का अनुरोध किया गया। अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका में 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश में हुई 183 मुठभेड़ों की भी जांच की मांग की गई है। बता दें, चकिया निवासी गुड्डू मुस्लिम कुख्यात बदमाश है और पांच लाख का इनामी भी है। उमेश पाल हत्याकांड में जहां पांच शूटर दनादन गोलिया बरसाते नजर आए थे।

आधार से जोड़ने की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को संबंधित मंत्रालयों को निर्देश दिया कि वे चल और अचल संपत्ति के दस्तावेजों को आधार नंबर से जोड़ने की मांग वाली याचिका पर अपना जवाब दाखिल करें। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की खंडपीठ भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा वर्ष 2019 में दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए), ग्रामीण विकास मंत्रालय और कानून मंत्रालय से जवाब मांगा। सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा कि रजिस्ट्री ने उपाध्याय के आवेदन में कुछ दोषों की ओर इशारा किया है और फिर उसे ठीक करने का निर्देश दिया है।

पंजाब-हरियाणा, बिहार समेत 6 राज्यों में लू का अलर्ट

बंगाल में स्कूल बंद, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में अगले दो दिन बारिश के आसार

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मौसम विभाग (आईएमडी) ने इस सप्ताह के मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक, अगले 4-5 दिनों के दौरान बिहार, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तटीय आंध्र प्रदेश में लू की स्थिति बनी रहेगी। विभाग ने पांचों राज्यों में लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

विभाग के मुताबिक, पंजाब और हरियाणा में सोमवार और मंगलवार को भीषण लू का प्रकोप रहेगा। बिहार, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में अगले चार-पांच दिन गर्मी झुलसाएगी। इसके अलावा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के सारे स्कूल-कॉलेज शनिवार तक बंद रखने का निर्देश दिया है। इसके अलावा आईएमडी ने पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और आसपास के मैदानी इलाकों में ताजा बारिश की भविष्यवाणी की है। जम्मू कश्मीर, लद्दाख में मंगलवार और हिमाचल प्रदेश में 18 और 19 अप्रैल को बारिश की आशंका जताई है। उत्तराखंड में 19 अप्रैल को बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, फिलहाल मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 39 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच है। उत्तर पश्चिम भारत में अगले 48 घंटों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे करीब 1-2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। उसके बाद 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है। दक्षिण भारत के राज्यों में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा। बाद में इसमें 2-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान में 17-19 अप्रैल को बारिश हो सकती है। वहीं 16-19 अप्रैल के दौरान ओडिशा, मध्य प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में आंधी और भारी हवाओं के साथ हल्की बारिश की संभावना है। साथ ही तेलंगाना में 17 अप्रैल तक और नॉर्थ इंटीरियर कर्नाटक में 19 अप्रैल तक बारिश हो सकती है।

आंध्र प्रदेश में 116 मंडलों के लिए लू की चेतावनी :

आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सोमवार को राज्य के 116 मंडलों में लू के पूर्वानुमान की जानकारी दी है। साथ ही लोगों से आवश्यक सावधानी बरतने को कहा है। 116 मंडलों में से अल्लूरी सीताराम राजू जिले के नेल्लीपाका और चिंटूर में सोमवार को तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

बठिंडा में 4 जवानों पर गोलियां साथी ने चलाईं

गार्ड रूम से राइफल चुराई थी, कहा-शारीरिक शोषण करते थे इसलिए उन्हें मारा

बठिंडा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में 12 अप्रैल को 4 जवानों पर फायरिंग साथी गनर ने ही की थी। पुलिस ने सोमवार को आरोपी गनर देसाई मोहन को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि जिन जवानों पर उसने गोलियां चलाईं, वह उसका शारीरिक शोषण करते थे।

फायरिंग के दौरान सागर बन्ने, कमलेश आर, योगेश कुमार जे, संतोष कुमार नागराल मारे गए थे। इस घटना के बाद देसाई ने अफसरों को गुमराह भी किया था। देसाई ने कहा था कि उसने कुछ संदिग्ध लोग देखे हैं, जो जंगल की तरफ भाग गए। उसके बयानों के आधार पर जब जांच की गई तो इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। बठिंडा एसएसपी गुलनीत सिंह ने बताया कि आरोपी ने एलएमजी राइफल के 8 कारतूस, इंसास राइफल, और एक 20 कारतूस वाली मैगजीन चोरी की। वारदात में इस्तेमाल हथियार बरामद कर लिया गया है। आरोपी के मोबाइल की फोरेंसिक जांच हो रही है। उन्होंने कहा कि आरोपी जवान अनमैरिड है। जिन जवानों की हत्या की गई, वह भी अनमैरिड थे। देसाई मोहन ने फायरिंग के बारे में 80 मीडियम रेजिमेंट के मेजर आशुतोष शुक्ला को सबसे पहले जानकारी दी थी। उसने कहा था, ₹सुबह 4.30 बजे मेस की बैरक में फायरिंग हुई है। वहां 2 अज्ञात व्यक्ति आए। जिन्होंने सफेद रंग के कुर्ते-पायजामे पहने हुए थे। उनके मुंह-सिर कपड़े से ढके हुए थे।

यह दोनों फायरिंग के बाद अफसर मेस में गनर के सोने वाली जगह से बाहर आ रहे थे। इनमें से एक के हाथ में इंसास राइफल और दूसरे के हाथ में कुल्हाड़ी थी। वह मुझे देख जंगल की तरफ भाग निकले।

कुल्हाड़ी से चोट के निशान नहीं थे पुलिस सूत्रों के मुताबिक गनर देसाई ने कहा कि संदिग्धों में एक के हाथ में राइफल और दूसरे के हाथ में कुल्हाड़ी थी। हालांकि, मरने वाले चारों जवानों के शरीर पर कुल्हाड़ी से चोट का कोई निशान नहीं था। सिर्फ राइफल से गोलियां मारी गई थीं, जिसकी वजह से पुलिस को देसाई पर शक हुआ।

सीसीटीवी में कोई संदिग्ध नजर नहीं आया

देसाई ने दावा किया कि 2 हत्यारे सादे कपड़ों में आए थे। हालांकि आर्मी कैंट के भीतर या बाहर से ऐसा कोई संदिग्ध नहीं नजर आया। सीसीटीवी कैमरों में भी संदिग्धों का पता नहीं चला था।

सर्च ऑपरेशन में देसाई की बात झूठी निकली

देसाई ने संदिग्धों के जंगल की तरफ भागने का दावा किया था। आर्मी ने सर्च ऑपरेशन भी चलाया, लेकिन इसके बावजूद कोई संदिग्ध नहीं मिला, जिससे देसाई का दावा सही साबित हो सके।

केवल राइफल की गोलियों के निशान बॉडी पर मिले

अफसर जब फायरिंग वाली जगह पर गए तो पहले कमरे में गनर सागर बन्ने व योगेश कुमार और दूसरे कमरे में संतोष व कमलेश की बॉडी पड़ी थी। इनके शरीर पर गोलियों के निशान थे। पास ही गोलियों के बहुत सारे खोखे बिखरे थे। यूनिट के लांस नायक हरीश के नाम पर अलॉट हुई एक इंसास राइफल 9 अप्रैल को गुम हो गई थी। जांच में पता चला कि इसी इंसास राइफल से जवानों पर गोलियां चलाई गईं।

‘कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार’

डीएमके के 500 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग पर अन्नामलाई का पलटवार

चेन्नई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के भाजपा नेता अन्नामलाई ने डीएमके के 500 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के लिए माफी मांगने पर पलटवार किया है। उन्होंने सोमवार को इतनी ही राशि की मांग की और कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी ने उनके खिलाफ निराधार आरोप लगाए हैं।

सीबीआई को देंगे सबूत

राज्य के भाजपा अध्यक्ष ने ट्वीट कर कानूनी कार्रवाई करने की जानकारी दी। मैं कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार हूं। साथ ही डीएमके शसन में हुए मेट्रो रेल परियोजना में किए कथित भ्रष्टाचार के सबूत होने की बात कही। इन सबूतों को सीबीआई को सौंप दिया जाएगा। कानूनी नोटिस जारी करने वाले डीएमके संगठन सचिव आरएस भारती पर कटाक्ष करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि जब तक आपकी पार्टी के अध्यक्ष और मामले में शामिल अन्य लोगों को (सीबीआई) समन जारी नहीं किया जाता तब तक शांति रखें।

सभी आरोप निराधार

अन्नामलाई ने सभी आरोप को झूठे, निराधार, मानहानि, काल्पनिक और निंदनीय बताया है। उन्होंने नोटिस मिलने के 48 घंटे के भीतर पूर्व आईपीएस अधिकारी से बिना शर्त, सार्वजनिक माफी की मांग करते हुए कहा था कि डीएमके अध्यक्ष को अपने 56 साल के सार्वजनिक जीवन में किसी भी व्यक्ति से एक पैसा भी नहीं मिला है।

पार्टी ने भाजपा नेता से हर्जाने के तौर पर 500 करोड़ रुपये की मांग भी की थी। अन्नामलाई ने कहा कि सार्वजनिक रूप से मेरे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ निराधार आरोप लगाने के लिए मैं हर्जाने के रूप में 500 करोड़ रुपये की मांग करता हूं।

रोचक खबरें

जान बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ा जिससे डरकर भागा वो पीछे आ धमका

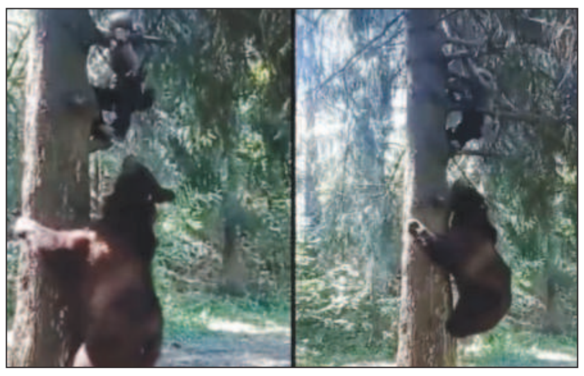

जब भी जंगल घूमने के शौकीन अपनी यात्रा के दौरान एडवेंचर के चक्कर में हादसे का सामना भी कर बैठते हैं. कई बार कुछ सोच के विपरीत होता है. कुछ लोग समझते हैं कि जंगल की ट्रैकिंग बेहद आसान और बेहतरीन होगी. लेकिन जब सामना किसी जंगली और खूंखार जानवर से हो जाए तो, एड्वेंचर की बैंड बजते देर नहीं लगती. ऐसे में समझना मुश्किल हो जाता है कि बचकर जाएं तो जाएं कहाँ. क्योंकि जानवर आपका पीछा आसानी से नहीं छोड़ते. इसका ताजा उदाहरण एक वायरल वीडियो में देखने को मिला.

इंस्टाग्राम अकाउंट @OTerrifying पर शेयर एक वीडियो में भालू के डर से पेड़ पर चढ़ा शख्स नजर आया दरअसल ये शख्स जंगल में ट्रैकिंग के लिए पहुंचा था. लेकिन तभी जंगली भालू से आमना सामना हो गया उससे बचने के लिए शख्स ने पेड़ का सहारा लिया लेकिन भालू उस पर भी चढ़ने लगा तो उसकी सांसें फूलने लगी. वीडियो को 44 लाख से ज्यादा व्यूज मिले हैं.

जंगल में भालू से शख्स का आमना-सामना

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल वीडियो में एक शख्स जंगल के पेड़ में ऊपर चढ़ता दिखाई दिया और उसका पीछा करता एक विशाल भालू भी शख्स के पीछे पेड़ पर चढ़ गया. भालू पेड़ पर चढ़ते-चढ़ते ऊपर मौजूद शख्स की टांग भी खींच रहा था. वायरल वीडियो में पेड़ पर चढ़ा शख्स कई बार पैर से मारकर भालू से खुद को छुड़ाता और उसे भगाने की कोशिश करता. लेकिन भालू उसका पीछा छोड़ने को तैयार नहीं था. लिहाजा वो भी पेड़ पर चढ़ ही गया. लेकिन गनीमत रही कि भारी भरकम शरीर लेकर वो कुछ ही देर में जमीन पर वापस गिर पड़ा.

हर महीने युवाओं को 40 हजार रु देगी सरकार, पार्टी पर करने होंगे खर्च

बोरिंग होते लोगों को देख उठाया कदम

युवा किसी भी देश की स्ट्रेंथ होते हैं. अगर देश के युवा स्ट्रांग हैं, तो देश की तरक्की तय है. लेकिन अगर युवा ही भटक जाते हैं तो देश को अंधेरे में जाने से कोई भी नहीं रोक सकता. इसी वजह से कोशिश की जाती है कि देश के युवा स्ट्रांग रहे. इसके लिए हर देश की सरकार कई कदम उठाती रहती है. कई बार युवाओं को रोजगार देने से लेकर बेरोजगारी भत्ता तक देने के प्लान्स बनाए जाते हैं. इन सबके पीछे मकसद होता है युवाओं को मोटिवेट करने का. लेकिन इन दिनों साउथ कोरिया की सरकार के सामने एक अलग तरह की ही समस्या आ रही है. साउथ कोरियन सरकार ने घोषणा की है कि वो जल्द ही देश के हर युवा को हर महीने करीब चालीस हजार रुपए देगी. लेकिन इन पैसों का इस्तेमाल उन्हें सिर्फ और सिर्फ पार्टी पर खर्च करने के लिए करना होगा. जी हां, देश के युवाओं को पार्टी करवाने के लिए सरकार महीने के चालीस हजार रुपए देगी. ये कदम देश के मिनिस्ट्री ऑफ़ जेंडर इक्वलिटी एंड फैमिली की तरफ से उठाया गया है. देश के युवाओं के लिए और भी कई प्लान्स बनाए गए हैं.

डिप्रेशन में जा रहे युवा

द गार्जियन की खबर के मुताबिक़, देश के ज्यादातर युवा डिप्रेशन में है. कोरिया इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ एंड सोशल अफेयर द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक़, 19 से 39 साल के साढ़े तीन लाख लोग साउथ कोरिया में अकेले हैं या अकेलेपन से जूझ रहे हैं. इस नए प्लान के तहत इन युवाओं को घर से बाहर निकलने के लिए मोटिवेट करने की कोशिश की गई है. युवा इसी बहाने घर से बाहर निकलेंगे और पार्टी कर अपना मूड फ्रेश करेंगे. वैसे तो ये प्लान पिछले साल नवंबर में ही बना था. अब जाकर युवाओं को इसका पैसा दिया जाएगा.

छोटी-छोटी मछलियां पकड़ने गया मछुआरा, हाथ लगी 10 साल के बच्चे जितनी बड़ी मछली

पानी की दुनिया बहुत गहरी है. इसके अंदर इतनी अलग-अलग प्रजातियां रहती हैं कि उनमें से आधे से अधिक के बारे में इंसान जानता भी नहीं है. कई बार गलती से ये जीव इंसान के सामने आ जाते हैं. कई बार अपने समुद्र से ऐसे जीवों के पकड़े जाने की खबरें सुनी होगी, जो इस दुनिया के तो लगते ही नहीं हैं. ऐसी ही एक स्टोरी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. जहां ब्रिटेन के एक शख्स के जाल में ऐसी मछली फंसी कि सब अचंभित हो गए. इस मछली को देखने के बाद यकीन करना मुश्किल है कि ये रियल फिश है.

ये घटना हुई फ़्रांस के ब्लूवॉटर लेक्स में. ब्रिटेन से छुट्टियां मनाने गए ब्रिटेन के एक शख्स के साथ. ये शख्स सिर्फ मौज-मस्ती के लिए झील में मछली पकड़ने के इरादे से गया था. लेकिन अचानक उसे ऐसा लगा जैसे उसके जाल में कुछ बेहद भारी चीज फंस गई है. उसे जाल को खींचने में ही पच्चीस मिनट का समय लग गया. जैसे ही जाल बाहर आया, शख्स के अलावा वहां मौजूद सभी लोग उसके जाल में करीब दस साल के बच्चे जितनी बड़ी मछली फंस गई थी.

ब्रिट्रेन के एंडी ने बताया कि उसे मछली पकड़ते हुए बीस साल हो गए हैं. उसने कहा कि वैसे तो उसे मछलियां पकड़ने का काफी अनुभव है लेकिन इस बार उसने ऐसी कोई उम्मीद नहीं की थी. जब जाल खींचने में उसे दिक्कत हुई, तो वो समझ गया था कि जाल में कोई बड़ी मछली फंसी है लेकिन वो इतनी बड़ी होगी, इसकी उसने उम्मीद नहीं की थी. ये सिर्फ किस्मत की बात है. झील के फिशरी मैनेजर ने इस शिकार के लिए एंडी को मुबारकबाद दी.

'आप' ने फिर शैली ओबेरॉय पर जताया भरोसा

मेयर के लिए बनाया प्रत्याशी, नामांकन किया दाखिल

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम के मेयर और डिप्टी मेयर के लिए होने जा रहे चुनाव में आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर शैली ओबेरॉय और आले मोहम्मद इकबाल को मैदान में उतारा है। आप मेयर शैली ओबेरॉय एक बार फिर मेयर प्रत्याशी होंगी।

वहीं, डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इकबाल को भी फिर से डिप्टी मेयर का प्रत्याशी बनाया गया है। शैली ओबेरॉय ने नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सोमवार सुबह प्रेस वार्ता कर कहा कि चुनाव में इस बार भी महापौर पद के लिए डॉ. शैली ओबेरॉय और उप महापौर पद के लिए आले मोहम्मद फिर से उम्मीदवार होंगे और आज ही यह दोनों अपना-अपना नामांकन भी करेंगे।

अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

1 जुलाई से 31 अगस्त तक चलेगी यात्रा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा के लिए सोमवार से रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। इस साल यात्रा 1 जुलाई से शुरू होगी, जो 31 अगस्त तक चलेगी। रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से किए जा रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अनंतनाग जिले में पहलगाम ट्रैक और गांदरबल जिले में बालटाल दोनों के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं।

542 बैंक ब्रांच में किया जा सकता रजिस्ट्रेशन

ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन पंजाब नेशनल बैंक की 316, एसबीआई बैंक की 99, जम्मू-कश्मीर की 90 और यस बैंक की 37 ब्रांच में किया जा सकता है। श्रद्धालु श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर यात्रा के लिए ऑनलाइन अप्लाई भी कर सकते हैं।

बीजेपी नेताओं पर दिया था अपमानजनक बयान, जमानत पर थे गोपाल इटालिया

गुजरात में आप नेता को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा

सूरत, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात में आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया को सूरत क्राइम ब्रान्च ने हिरासत में लिया है। इससे पहले सूरत पुलिस ने उनके विवादित बयानों को लेकर दर्ज केस में उन्हें अरेस्ट किया था, लेकिन जमानत पर रिहा कर दिया था। बता दें, पिछले साल सितंबर में इटालिया ने गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी और गुजरात बीजेपी चीफ सीआर पाटिल को लेकर कथित तौर पर अपमानजनक बातें कहीं थीं। इसके बाद उमरा पुलिस ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया था।

इटालिया ने एक वायरल वीडियो में गृहराज्य मंत्री हर्ष सांघवी को 'ड्रग्स सांघवी' और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल को 'पूर्व शराब तस्कर' कहा था। एक बीजेपी कार्यकर्ता प्रताप चोडवाडिया ने इटालिया के खिलाफ केस दर्ज कराया था। बाद में इस के स को क्राइम ब्रान्च को सौंप दिया गया था।

विस चुनावों के दौरान विवादों में रहे थे

पिछले साल हुए वि धा न स भा चुनाव के दौरान गोपाल इटालिया अपने पुराने बयानों को लेकर भी विवादों में रहे थे। पीएम मोदी और उनकी मां को लेकर विवादित बातें कहते हुए भी उनके वीडियो सामने आए थे। इसको लेकर दिल्ली में पुलिस ने उनसे पूछताछ की थी। भाजपा ने चुनाव के दौरान गढ़वी के बयानों को लेकर 'आप' की घेराबंदी की थी। पहली बार सभी सीटों पर चुनाव लड़ने वाली केजरीवाल की पार्टी ने 5 सीटों पर जीत हासिल की थी।

बीजेपी कार्यकर्ताओं का सीएम केजरीवाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी कार्यकर्ता ने दिल्ली आबकारी नीति मामले को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आपको बता दे की दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रविवार को अपनी पूछताछ में उनसे आबकारी नीति के संबंध में 56 सवाल पूछे।

केजरीवाल सुबह 11.05 बजे सीबीआई मुख्यालय में जांच में शामिल हुए और लगभग 8.15 बजे समाप्त होने से पहले पूछताछ नौ घंटे तक चली, जिसके बाद वह सीबीआई मुख्यालय से अपने आवास के लिए निकल गए।

‘जमादार’ नहीं, अब मिला नया नाम

सीजेआई चंद्रचूड़ ने बदला सुप्रीम कोर्ट का 60 साल पुराना नियम

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में जमादार के तौर पर काम करने वाले कर्मचारियों के पद का नाम बदलकर सुपरवाइजर कर दिया गया है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के कर्मचारियों से जुड़े नियमों में बदलाव किया गया। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी वाई चंद्रचूड़ ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए नियम में बदलाव किए हैं। खास बात ये है कि फर्श और सफाईवाला श्रेणी में काम करने वाले कर्मचारियों पर यह नियम लागू होगा। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने संविधान के अनुच्छेद 146 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट के ऑफिसर्स एंड सर्वेंट (कंडिशंस ऑफ सर्विस एंड कंडक्ट) नियम 1961 को संशोधित किया।

शनिवार को इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई थी। जमादार एक औपनिवेशिक युग का शब्द है जिसका उपयोग आमतौर पर कार्यालय परिसर में झाड़ू लगाने वाले कर्मचारी के लिए किया जाता है।

'अमित शाह ने किया था बड़ा पद देने का वादा, पर...'

शेट्टार के कांग्रेस में जाने पर सीएम बोम्मई का बयान

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले ही हुबली-धारवाड़ मध्य खंड के विधायक जगदीश शेट्टार ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस फैसले के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें पार्टी से जुड़े रखने के लिए एक बड़ा पद देने का वादा किया। शेट्टार विधायक से पहले कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं।

शेट्टार को पार्टी से जुड़े रखने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बताया-₹जगदीश शेट्टार इस क्षेत्र के एक वरिष्ठ और महत्वपूर्ण नेता है। जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें दिल्ली में एक अहम पद देने का वादा कर चुके हैं। अगर पूर्व मुख्यमंत्री पार्टी में बने रहते हैं तो सब ठीक रहेगा। भाजपा का साथ छोड़ने के बाद शेट्टार ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव अगले महीने होने वाला है, इसके लिए पिछले एक हफ्ते में शेट्टार पार्टी बदलने के मामले में दूसरे प्रमुख नेताओं में से हैं। इससे पहले शेट्टार ने आरोप लगाया था कि भाजपा के कुछ नेता कर्नाटक में पार्टी को गलत तरीके से संभाल रहे हैं। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई शेट्टार से उनके हुबली निवास मिलने गए थे।

उन्होंने उनके परिवार वालों को टिकट देने के अलावा शेट्टार को अहम पद देने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन शेट्टार नहीं माने। भाजपा के सूत्रों के अनुसार धर्मेंद्र प्रधान और मुख्यमंत्री के बाद भाजपा के शीर्ष नेता भी शेट्टार से मिले और उन्हें केंद्र में गवर्नर या केंद्रीय मंत्री के पद की पेशकश की लेकिन शेट्टार ने उन्हें भी मना कर दिया। शेट्टार ने कहा-मैं केवल एक विधायक के तौर पर अपने क्षेत्र के लिए काम करना चाहता हूं। इसके अलावा मुझे किसी भी बड़े पद की इच्छा नहीं है। मैंने अब पार्टी से इस्तीफा देने का फैसला कर लिया है। वह मुझे टिकट देना भी चाहे तो मैं अपने फैसले को नहीं बदलूंगा।

जिंदा होकर भी मर चुकी है शाइस्ता !

न बेटे के चेहरे पर आखिरी बार हाथ फेर पाई, न पति के जनाजे पर आंसू बहा पाई !

प्रयागराज, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कहते हैं वक्त बदलते देर नहीं लगती और वक्त का पहिया घूमता ही रहता है। कुछ समय पहले अतीक के परिवार का एक वीडियो वायरल हो रहा था जिसमें वो अपने बेटे को फायरिंग करना सीखा रहा था। बस चंद सालों पुरानी बात होगी ये। तब शायद असद की उम्र 11 साल के आसपास थी।

जब अतीक अपने बेटे को एक शादी में फायरिंग करना सीखा रहा था तो उसका परिवार खुश हो रहा था। पत्नी शाइस्ता ने हर बुरे काम में पति का साथ दिया। यहां तक बच्चों की परवरिश भी उसी अंदाज में की गई जैसा अतीक ने चाहा। तब वो डॉन की बीवी बनकर खुश थी, वो खुश थी बच्चों के हाथों में किताबों की जगह बंदूक थमाकर, लेकिन उसे ये नहीं पता था कि उसके यही कर्म उसे एक दिन बर्बाद कर देंगे।

अतीक की पत्नी को मिली मौत से भी बदतर सजा

जरा सोचिए किसी महिला के लिए इससे बड़ी और क्या सजा हो सकती है कि तीन दिन के अंतराल में उसका बेटा और उसका पति दोनों मारे जा चुके हैं, लेकिन वो महिला पति और बेटे की मौत के बाद भी उन्हें आखिरी बार नहीं देख सकती। बेटे की कब्र खुद रही थी, लेकिन मां कही दूर छुपी हुई थी। वो चाहते हुए भी अपने बेटे के चेहरे को आखिरी बार नहीं निहार पाई। वो अपने बेटे के सिर पर आखिरी बार ममता का हाथ नहीं फेर पाई।

पति को नहीं दे पाई आखिरी विदाई

शाइस्ता और अतीक की शादी साल 1996 में हुई थी। वो हर अच्छे बुरे दौर में अपने पति के साथ खड़ी रही, लेकिन इस महिला के कर्मों का फल देखिए कि जब पति अतीक अहमद हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हुआ तो शाइस्ता उसकों आखिरी बार देख तक न पाई। अतीक के जेल में रहते हुए भी वो लगातार अपने पति से बात कर रही थी। अतीक के गैरमौजूदगी में गैंग को चलाने की पूरी जिम्मेदारी शाइस्ता ने ही ले रखी थी, लेकिन सिर्फ 3 दिन में बदल गई पूरी की पूरी तस्वीर।

बेटे असद की मौत पर भी नहीं आई मां शाइस्ता

अतीक और असद को तो मौत मिल गई, लेकिन शाइस्ता की जिंदगी तो जीते जी मौत से बदत्तर हो चुकी है। न सिर्फ बेटे और पति की मौत हुई बल्कि हर हाल में साथ देने वाला देवर भी मर चुका है। शाइस्ता को दो बेटे जेल में है जबकि दो बेटे बालसुधार गृह में। खुद शाइस्ता भगोड़ा अपराधी घोषित हो चुकी है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने उस पर भी 50 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया है। आज नहीं तो कल वो पुलिस की गिरफ्त में आ ही जाएगी, लेकिन नहीं लौटेंगे तो वो पल जो शाइस्ता अपने बुरे कामों की वजह से गवां चुकी है।

शाइस्ता को मिली उसके ही कर्मों की सजा?

अतीक अहमद अनपढ़ था। वो दसवीं फेल था, लेकिन शाइस्ता परवीन पढ़ी लिखी महिला है। पिता उत्तर प्रदेश पुलिस में थे। ग्रेजुएशन तक शाइस्ता ने पढ़ाई की, लेकिन अतीक से शादी होने के बाद वो भी उसी के काले कारोबार में रच-बस गई। न कोई सवाल किया, न ही पति को बुरे काम करने से रोका। उल्टा उसने भी पति अतीक अहमद की ही राह पकड़ ली। अपराध के दलदल में वो भी पति के साथ फंसती चली गई। यहां तक अपने बच्चों को भी उसी दलदल में खींच डाला। नतीजा वो हुआ जो बुरे काम का एक न एक दिन होता ही है। पति और बेटा कब्र में दफन हो चुके हैं, लेकिन शाइस्ता एक फूल भी उन कब्रों में नहीं चढ़ा सकती।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 18 अप्रैल, 2023 3

सुविचार

यदि आप सूर्य की तरह चमकना चाहते है, तो पहले सूर्य की तरह जलना सीखिए!

तेलंगाना को राष्ट्रपति से मिले 13 ग्राम पंचायत पुरस्कार

मंत्री येर्रबेल्ली ने सीएम केसीआर को दिया पुरस्कार प्राप्त करने का श्रेय

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को केंद्र सरकार से विभिन्न श्रेणियों में 13 राष्ट्रीय ग्राम पंचायत पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सोमवार को भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने सरपंचों, एमपीपी और जिला परिषद अध्यक्षों सहित तेलंगाना के ग्राम प्रतिनिधियों को पुरस्कार प्रदान किए।

पुरस्कार ग्रहण करने वाले ग्राम प्रतिनिधियों के समय पंचायतीराज मंत्री भी मौजूद थे। इस अवसर पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तेलंगाना राज्य को सबसे अधिक संख्या में पंचायत पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई दी और कहा कि राज्य को आने वाले दिनों में और अधिक पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपने प्रदर्शन को इसी भावना को जारी रखना चाहिए।

इस बीच, मंत्री येर्रबेल्ली दयाकर राव ने राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि सारा श्रेय मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके दिमाग की उपज पल्ले प्रगति कार्यक्रम को जाएगा, जिसने गांवों का उत्थान किया है।

इससे पहले, केंद्रीय पंचायतीराज और ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह और केंद्रीय पंचायतीराज राज्य मंत्री केएम पाटिल ने पुरस्कार विजेताओं के लिए हाई-टी की मेजबानी की।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री दयाकर राव और तेलंगाना पंचायत राज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सीएम ने ग्राम पंचायतों को मिले 13 राष्ट्रीय पुरस्कारों पर खुशी जताई

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने आज तेलंगाना ग्राम पंचायतों द्वारा भारत के माननीय राष्ट्रपति से प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त की, जो हरियाली और स्वच्छता सहित कई विकास विषयों में शीर्ष पर रहे।

सीएम केसीआर ने कहा कि यह सभी के लिए गर्व की बात है कि तेलंगाना राज्य ने केंद्र सरकार द्वारा घोषित 46 सर्वश्रेष्ठ पुरस्कारों में से 13 जीते हैं। यह आश्चर्यजनक है कि तेलंगाना ने दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कारों में नौ थीम आधारित श्रेणियों में से आठ श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त किए। इस अवसर पर, सीएम ने कहा कि देश भर में 2.5 लाख ग्राम पंचायतों ने इन पुरस्कारों के लिए प्रतिस्पर्धा की। जिनमें से केवल 46 गांवों को ही पुरस्कार मिला। इनमें से तेलंगाना ने 13 पुरस्कार जीते। इसका मतलब है कि घोषित कुल राष्ट्रीय पुरस्कारों का 30 प्रतिशत हिस्सा तेलंगाना राज्य द्वारा जीता गया है।

सीएम केसीआर ने प्रसन्नता व्यक्त की कि यह एक महान क्षण है कि तेलंगाना ने 13 में से पहले चार रैंक जीते हैं। सीएम केसीआर ने राज्य पंचायतीराज, ग्रामीण विकास और ग्रामीण जल आपूर्ति मंत्री येर्रबेली दयाकर राव, सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, आयुक्त हनुमंत राव, संबंधित गांवों के सरपंचों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये पुरस्कार ग्रामीण विकास गतिविधियों का प्रमाण हैं, जिसमें राज्य सरकार द्वारा लागू की गई पल्ले प्रगति और देश के लिए एक रोल मॉडल बनना शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेलंगाना राज्य पंचायतों के विकास में हर पहलू में शीर्ष स्थान पर है और देश भर में सभी ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सबसे अधिक पुरस्कार जीतने की भावना के साथ अपने प्रयासों को जारी रखे हुए है।

केसीआर सरकार ने एससीसीएल के निजीकरण की प्रक्रिया तेज की : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने राज्य में सभी बेरोजगारों को धोखा दिया है। रामगुंडम में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सीएलपी नेता ने आरोप लगाया कि आरएफसीएल में एक नौकरी घोटाला हुआ और कहा कि आरएफसीएल में नौकरी का वादा करके बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपये एकत्र किए गए। स्थानीय रामागुंडम विधायक चंद्रैया पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक अपने क्षेत्र के विकास को लेकर गंभीर नहीं हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल से पूछताछ कर रहे लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर रही है. उन्होंने मांग की कि सीएम अंतरगांव और रामागुंडम मंडलों को पानी मुहैया कराएं। भट्टी ने आरोप लगाया कि सीएम ने सिंगरेनी कर्मचारियों की कुल संख्या 1.4 लाख से घटाकर 40,000 कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ओपन कास्ट माइंस खुलवाने के नाम पर सिंगरेनी कंपनी को बेच रहे हैं. उन्होंने यह भी मांग की कि राज्य सरकार बीपीएल पावर प्लांट के लिए किसानों से अधिग्रहित 1200 एकड़ जमीन वापस करे।

विजयवाड़ा से कुख्यात अंतर्राज्यीय चोर गिरफ्तार

नलगोंडा में 300 मुकदमे दर्ज करने वाला कुख्यात चोर गिरफ्तार

नलगोंडा, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय अपराध स्टेशन (सीसीएस) पुलिस और नलगोंडा टाउन-I पुलिस ने सोमवार को विजयवाड़ा से कुख्यात अंतर्राज्यीय चोर शीलमशेट्टी वेंकटरमण को गिरफ्तार किया, जिसके खिलाफ लगभग 300 मामले दर्ज है और उसके पास से उससे 21 लाख रुपये, 35 तोले सोने के गहने और 500 ग्राम चांदी जब्त की गई।

पुलिस अधीक्षक के. अपूर्व राव ने कहा कि पुलिस ने सोमवार तड़के नलगोंडा के बाहरी इलाके में इंदिरा गांधी चौरास्ता में वाहनों की जांच के दौरान वेंकटरमण को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया। पूछताछ में वेंकटरमण ने जिले के विभिन्न थानों की सीमा में चोरी की बात कबूल की। उसने नलगोंडा टाउन- II पुलिस स्टेशन की सीमा में आठ, नलगोंडा टाउन-I पुलिस स्टेशन की सीमा में तीन और नलगोंडा ग्रामीण पुलिस स्टेशन और सूर्यापेट शहर में एक-एक संपत्ति का अपराध किया था।

वेंकटरमण पहले जेल में था और उनके खिलाफ करीब 300 मामले दर्ज हैं। जमानत पर रिहा होने के बाद, उन्होंने आजीविका के लिए हैदराबादमें 2014 में एक टिफिन सेंटर स्थापित किया। हालांकि, सड़क चौड़ीकरण के तहत टिफिन सेंटर को 2019 में हटा दिया गया था। अपनी पत्नी के साथ, उन्हें जनगाँव में स्थानांतरित कर दिया गया और पेपर प्लेट का व्यवसाय शुरू किया। एसपी ने कहा कि व्यवसाय से पैसा पर्याप्त नहीं होने के कारण, वह अपराध में लौट आया। पुलिस ने कहा कि उसने पहले विजयवाड़ा में कुछ लोगों पर तेजाब से हमला किया था, इस संदेह के साथ कि वे पुलिस मुखबिर के रूप में काम कर रहे थे।

सोमवार को दोपहर नगर में हुई बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिली। अचानक हुई भारी वर्षा से कई क्षेत्र में जलमग्न सड़क तथा गिरे ओले के दृश्य।

अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने एचएमडीए को सौंप दिया पैगाह पैलेस

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट के चिरान फोर्ट लेन स्थित पैगाह पैलेस, जो अब तक हैदराबाद में अमेरिकी महावाणिज्यदूत का कार्यालय था, सोमवार को औपचारिक रूप से तेलंगाना सरकार को सौंप दिया गया है। इस आशय के लिए, हैदराबाद के अमेरिकी महावाणिज्यदूत, जेनिफर लार्सन ने सोमवार को विशेष मुख्य सचिव, एमए एंड यूडी, अरविंद कुमार की उपस्थिति में पैगाह पैलेस के पट्टे को औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया। आज हमने आधिकारिक रूप से पैगाह पैलेस के अपने पट्टे को समाप्त कर दिया। माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर जेनिफर लार्सन , ट्वीट किया कि 2007 से हमें यह अद्भुत इमारत उपलब्ध कराने के लिए हम तेलंगाना सरकार के आभारी हैं। पैगाह पैलेस के इतिहास का एक छोटा सा हिस्सा साझा करने पर गर्व है और हम इसे संभव बनाने के लिए तेलंगाना में अपने दोस्तों की सराहना करते हैं। इस मार्च के बाद से, अमेरिकी वाणिज्य दूतावास हैदराबाद ने पहले ही मार्च से नानकरामगुडा में अपने नए अत्याधुनिक दूतावास भवन से अपनी कांसुलर सेवाओं की पेशकश शुरू कर दी है। पैगाह पैलेस को एचएमडीए को सौंप दिया गया है, जो विरासत संरचना के रखरखाव के लिए जिम्मेदार होगा। अरविंद कुमार ने ट्विटर पर कहा, "चिरन फोर्ट लेन बेगमपेट में पैगाह पैलेस, जिसे अमेरिकी वाणिज्य दूतावास हैदराबाद के कार्यालय के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था, औपचारिक रूप से तेलंगाना सरकार को वापस सौंप दिया गया था।"

बीजेपी नेता नीरजा रेड्डी की सड़क हादसे में मौत

कुर्नूल, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कुर्नूल के अलुरु की पूर्व विधायक और बीजेपी प्रभारी नीरजा रेड्डी की रविवार को एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वह हैदराबाद से कुर्नूल आ रही थी जब तेलंगाना के बीचुपल्ली में एक टायर फटने के बाद उसकी कार पलट गई। रेड्डी ने श्री चक्र अस्पताल में दम तोड़ दिया। 2009 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) से विधायक के रूप में जीत हासिल करने के बाद, रेड्डी राज्य में एक प्रसिद्ध राजनीतिक हस्ती थी। हालांकि, उन्होंने 2011 में पार्टी से इस्तीफा दे दिया और खुद को राजनीति से दूर कर लिया। बाद में वह 2019 में वाईएसआरसीपी में शामिल हो गईं, लेकिन फिर, उन्होंने पार्टी छोड़ दी और बीजेपी में शामिल हो गईं।

बांदा चेरुवु, आरके पुरम चेरुवु में सफाई अभियान शुरू करेगा एमए एंड यूडी

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास (एमए एंड यूडी) विभाग आने वाले हफ्तों में मलकजगिरी में बंडा चेरुवु और आरके पुरम चेरुवु, अलवल में चिन्नारायणि चेरुवु, कोथा चेरुवु में सफाई गतिविधियों का शुभारंभ करेगा। सोमवार को, इन झीलों का निरीक्षण एमए एंड यूडी के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार के साथ मलकजगिरी के विधायक एम. हनुमंत राव और वरिष्ठ जीएचएमसी अधिकारियों ने किया, जिसमें जोनल कमिश्नर, कुकटपल्ली, वी ममता, जोनल कमिश्नर, सिकंदराबाद, श्रीनिवास रेड्डी और अन्य शामिल थे।

कुशाईगुड़ा अग्निकांड : पुलिस ने लकड़ी डिपो के मालिक को हिरासत में लिया

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कुशाईगुड़ा पुलिस ने लकड़ी डिपो के मालिक को कथित लापरवाही के लिए सोमवार को हिरासत में ले लिया, जिसके कारण आग लग गई, जिसमें रविवार सुबह एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। रविवार को आग लगने की घटना के दौरान सूर्यापेट जिले के निवासी नरेश (35) सुमा (28) और उनके बेटे जोशित उर्फ बाबू (5) की मौत हो गई थी। यह परिवार लकड़ी के डिपो से सटे एक भवन में रह रहा था, जहां आग लगी और वे बाहर नहीं निकल पाए, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना में तीन अन्य लोग झुलस गए।

इंदिरा पार्क पर दीक्षा की अनुमति के लिए शर्मिला पहुंची कोर्ट

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी ने सोमवार को हैदराबाद पुलिस द्वारा तेलंगाना बचाओ भूख हड़ताल की अनुमति न दिये जाने पर राज्य सरकार की आलोचना की। वाईएसआरटीपी के आधिकारिक प्रवक्ता गट्टू रामचंद्र राव ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कार्यकर्ताओं को अपने ही पार्टी कार्यालय में प्रवेश नहीं करने देना शर्मनाक है। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी ने आगे के रास्ते पर चर्चा के लिए सोमवार को अपनी राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक की। बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, गट्टू रामचंद्र राव ने कहा कि यह पूरी तरह से चौंकाने वाली और खेदजनक तस्वीर है जहां वाईएस शर्मिला को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि केसीआर अब तेलंगाना के प्रति उनकी लड़ाई और प्रतिबद्धता से डर गए हैं। हम बेरोजगारों के कारण और अधिकारों के लिए अथक संघर्ष कर रहे हैं। राज्य सरकार न केवल चुप और अहंकारी है, बल्कि हमें लड़ने और विरोध करने के हमारे अधिकार से भी वंचित कर रही है। रामचंद्र राव ने कहा कि तेलंगाना बचाओ को एक आम मंच के रूप में प्रस्तावित किया गया है और हमने इंदिरा पार्क के पास एक दिन के लिए भूख हड़ताल करने का फैसला किया था। इस दलील को सिटी पुलिस ने खारिज कर दिया। क्या यह उस पार्टी की ओर से उचित है जो सार्वजनिक आंदोलनों और लोगों के विरोधों के लिए अपने उद्भव और अस्तित्व का दावा करती है? क्या केसीआर ने पहले इंदिरा पार्क में कई विरोध प्रदर्शन नहीं किए? बीआरएस और अन्य के लिए नियम अलग कैसे हो सकते हैं? उन्होंने पूछा कि हमने अदालत का दरवाजा खटखटाने और अनुमति प्राप्त करने का फैसला किया है। हमारी दीक्षा को 39 सामाजिक संगठनों और विभिन्न राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त है।

किशन रेड्डी ने सीएम केसीआर पर जमकर निशाना साधा

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि राव की केवल विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता बरकरार रखने की इच्छा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास प्रधानमंत्री से मिलने का समय नहीं है, लेकिन महाराष्ट्र राज्य में जनसभा करने का समय है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री लोगों से झूठे वादे कर सत्ता बरकरार रखने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर कभी भी राज्य का विकास नहीं करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि सीएम के पास केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जा रही वित्तीय सहायता का लाभ उठाने की योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएम, जिनके पास भद्राचलम मंदिर में रेशमी कपड़े पेश करने का समय नहीं था, उनके पास इफ्तार पार्टियों में शामिल होने का समय है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

दक्षिण मध्य रेल्वे, निर्माण संगठन में सेवानिवृत्त रेलवे राजपत्रित अधिकारियों की नियुक्ति से संबंधित सांकेतिक सूचना

PUB/0386

रिक्ति सूचना सं.01/2023

सं. पी.कान. एससीआर/गजे./रि-एंगेजमेंट/एससीआर/सी/2023 दि.17/04/2023

सेवाओं की अनिवार्यताए नुसार, संविदात्मक आधार पर मुख्य प्रशासकीय अधिकारी/निर्माण/दक्षिण मध्य रेलवे/सिकंदराबाद के अंतर्गत सेवानिवृत्त रेलवे राजपत्रित अधिकारियों की नियुक्ति

पद--कंसल्टंट-सिविल इंजीनियरिंग(सी)एसएंडटी(सी) इलेक्ट्रिकल(सी) रिक्तियों की संख्या: 05 (पद)

विधिवत रुप से भरे हुए आवेदन पत्र को, एक लिफाफे में डालकर, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी/निर्माण के नाम पर, मुख्य प्रशासकीय अधिकारी(निर्माण) का कार्यालय, भू तल, रेल निर्माण निलयम से संलग्न, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद-500 071(तेलंगाना राज्य) को प्रेषित करना चाहिए।

तत्संबंधित लिफाफे के उपर कंसल्टंट - सिविल इंजीनियरिंग(सी)एसएंडटी(सी) इलेक्ट्रिकल(सी) पद के लिए आवेदन पत्र लिखा हुवा होना चाहिए।

पात्रता, आयु, पारिश्रामिक, भर्ती की अवधि, आवेदन पत्र का प्रारूप तथा अन्य विस्तृत नियम व शर्तों के लिए कृपया वेबसाइट:www.scr.indian-railways. gov.in देखें।

मुख्य प्रशासकीय अधिकारी /(निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

A0536

तीन पुलिसकर्मी पुरस्कृत

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन के एक डिटेक्टिव इंस्पेक्टर और दो अन्य स्टाफ अधिकारियों को शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद द्वारा वेंकटगिरी में अपराध की घटना के 20 मिनट के भीतर दो चेन स्नैचरों को पकड़ने में उनके असाधारण कौशल और समर्पण के लिए पुरस्कृत किया गया। तीनों अधिकारियों ने तेजी से अपराध स्थल, अन्य सुरागों का आकलन किया और संदिग्धों के भागने के रास्ते को बंद कर दिया और उन्हें पकड़ लिया और लगभग 10 ग्राम वजन की सोने की चेन बरामद की। बी श्रीनिवास, डी.आई., एन. नरसिंह राव, एसआई पी. सुरेश, एचजी ऐसे अधिकारी थे जिन्हें प्रशंसा प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

पांचवी पुण्यतिथि

श्री गुलारामजी परिहारियां

:सुपुत्र: स्व. श्री शोभारामजी परिहारिया

स्वर्गवास: 18-04-2018; मरुधर मे गाँव रामपुरा कलां

प्रेम आपका था हम पर, करते है नमन आपको।
श्रद्धा के सब-सुमन सम्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : नारायणलाल-कोयलीदेवी, अमराराम-मैनादेवी, गणपतलाल-सेमादेवी (पुत्र-वधु), जगाराम (पुत्र), शेषारामजी हाम्बड़ (जंवाई), रुकमाबाई-रामलालजी सैंणचा (पुत्री-जंवाई), सायरीबाई सानपुरा (पुत्री), माणिकचन्द, चेतन, अशोक, रोहित, (पौत्र), दिनेश-हीना (पौत्र-पौत्री वधु), मंजुबाई-ओमारामजी लेरचा (पौत्री-जंवाई), मनीषा (पौत्री), दक्ष, साराया (पड़पौत्र-पौत्री) एवं समस्त परिहारियां परिवार

P.Solankey

:फर्म: बालाजी गणेश ज्वैलर्स मैन रोड बालाजीनगर, कुकटपल्ली 9391007603 * बालाजी फैशन मेडिपल्ली - 9014528508

जेल में अतीक के बेटे ने खुद को किया घायल

धोखे से भाई, अब्बू और चाचा को मार दिया, तीनों शूटर्स की जेल बदली

प्रयागराज, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल की रात 10:35 बजे हत्या कर दी गई। शूटर्स अरुण मौर्य, सनी सिंह और लवलेश तिवारी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में नैनी सेंट्रल जेल भेजा गया था। नैनी जेल में अतीक का बेटा अली अहमद कैद है। ऐसे में गैंगवार के खतरे को देखते हुए अतीक-अशरफ के तीनों शूटर्स को प्रतापगढ़ जेल में शिफ्ट किया गया है।

जेल सूत्रों के मुताबिक अली पिछले दो दिनों से लगातार हंगामा कर रहा है। रविवार को वह पिता अतीक के जनाजे में जाने की भी जिद्द कर रहा था। लेकिन अनुमति नहीं मिली। सोमवार दोपहर में अली ने जोर-जोर से चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया। जब तक वार्डर उसके पास पहुंचे उसने अपना सिर बैरक के गेट पर मारा, जिससे उसके सिर में चोट आ गई है। जेल सूत्रों के अनुसार अली भाई असद के एनकाउंटर के बाद से ही परेशान है। पिछले तीन रातों से वह सोया भी नहीं है। जेल का खाना खाने से भी इनकार कर दिया है। वह बार-बार सिर्फ एक ही बात कह रहा है कि धोखे से हमारे भाई को मार दिया, अब्बू और चाचा को भी मार दिया।

मेरठ के बदमाश ने दी थी पिस्टल

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तीनों शूटर्स कॉन्ट्रैक्ट किलर हैं। शूटर्स को रिमांड पर लेने के लिए पुलिस ने कोर्ट में अर्जी लगाई है। कुछ देर में इस पर सुनवाई होनी है। रिमांड अर्जी मंजूर होने के बाद एसटीएफ तीनों शूटर्स से पूछताछ करेगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इससे पहले पूछताछ में हमलावरों के मेरठ कनेक्शन सामने आए हैं। जिस पिस्टल से हत्या की गई, उसे मेरठ के ही अपराधी ने सनी को रखने के लिए दी थी।

रिमांड अर्जी पर नहीं हो सकी थी सुनवाई

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या करने वाले तीनों शूटर अरुण मौर्य, सनी सिंह और लवलेश तिवारी को रविवार को प्रयागराज की अदालत में पेश किया गया था। पुलिस ने तीनों की कोर्ट से रिमांड मांगी थी, कोर्ट ने तीनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अतीक-अशरफ की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट

प्रयागराज, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद रविवार देर शाम दफना दिया गया। इससे पहले दोनों के शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया। करीब 3 घंटे पोस्टमॉर्टम चला। पांच डॉक्टरों के पैनल में 3 डॉक्टरों ने पोस्टमॉर्टम किया। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टरों के मुताबिक, अतीक को 9 गोली लगी थी। बाईं कनपटी में एक गोली, सीने, गर्दन और कमर में 9 गोलियां धंसी थीं। एक गोली कंधे को चीरते हुए निकल गई थी। वहीं, अशरफ की बॉडी से 5 गोलियां निकाली गईं। ये गोलियां अशरफ के गले, सीने और पेट में धंसी थीं।

अतीक और अशरफ की हत्या कॉल्विन हॉस्पिटल के परिसर में ही 15 अप्रैल की रात 10:35 बजे कैमरे के सामने हुई थी। मीडियाकर्मी बनकर आए तीन हमलावरों ने दोनों को गोलियों से भून डाला था। इसके बाद अतीक और अशरफ को कॉल्विन हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। कॉल्विन में ही अतीक और अशरफ को एक्स-रे किया गया।

तेजस्वी यादव : हमदर्दी नहीं, मगर यूपी में जनाजा अतीक का नहीं, कानून का निकला है

पटना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यूपी में अतीक अहमत और उसके भाई की हत्या को लेकर तेजस्वी यादव ने बयान देते हुए कहा जो लोग भी अपराधी हैं उससे हमलोगों को कोई सहानुभूति नहीं है। इस देश में कानून है और अपराध का खात्मा होना चाहिए तो उसके लिए कानून और संविधान कोर्ट है। इस देश में प्रधानमंत्री के हत्यारों पर ट्रायल चला। हत्यारों को सजा भी मिली लेकिन यूपी में जो हुआ, यह अतीक जी का जनाजा नहीं बल्कि कानून का जनाजा निकला है।

योगी राज पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस कस्टडी में अगर सबसे ज्यादा हत्या हुई है। यूपी में हुआ है और यह सस्ती लोकप्रियता को देखते हुए यह काम किया गया है। जातीय गणना को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि जातीय जनगणना की मांग की। तब सभी दलों को लिखा था और मांग किया था कि जाती जनगणना पूरे देश में होनी चाहिए। अगर बात उन्होंने रखी है तो अच्छी बात है लेकिन हर जगह होना चाहिए। दरअसल डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव सोमवार सुबह दिल्ली से लौट हैं। वह लैंड फोर जॉब केस को लेकर गए थे। पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करने हुए उन्होंने यह बयान दिया।

वरुण गांधी : मैं हिंदू हूं, वोट के लिए टोपी नहीं लगाता

जिस तरह से एक समाज को डराया जा रहा, वो गलत

पीलीभीत, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने कहा कि आज जिस तरीके से एक समाज को डराया जा रहा है, यह देश के लिए ठीक नहीं है। मैं डंके की चोट पर कह रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं किसी अपराधी की बात नहीं कर रहा। अतीक अहमद की बात नहीं कर रहा। आम इंसान की बात कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि हमारा देश तब मजबूत होगा। जब सबको समान अधिकार मिलेंगे। जब सबको नौकरी मिलेगी।

पीलीभीत दौरे के दूसरे दिन रविवार को सांसद वरुण गांधी ने बरखेड़ा ब्लॉक के ग्राम दियोहना, पैनिया रामकिशन तथा ज्यूराह कल्यानपुर में जनसंवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह उन नेताओं की तरह नहीं है, जो चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करते हैं और बाद में मुड़कर नहीं देखते। मैं हिंदू हूं, लेकिन वोट के लिए टोपी लगाकर दूसरे धर्मस्थल पर जाऊं ऐसा नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरीके से एक समाज को डराया जा रहा है, वो भी गलत है।

ऐसे भी नेता हैं, जिनकी कथनी करनी में फर्क

वरुण गांधी ने कहा कि उनकी राजनीति सच्चाई, ईमानदारी और देशभक्ति पर आधारित है। वह देश को खुशहाल और मजबूत बनाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। जबकि ऐसे नेता भी मौजूद हैं, जिनकी कथनी और करनी में बहुत बड़ा फर्क है। भाजपा सांसद ने कहा कि किसान और नौजवान परेशान हैं। आवारा पशुओं की समस्या खत्म होने की जगह बढ़ गई है। आवास, पेंशन आदि सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार व धांधली की शिकायतें लगातार मिल रहीं हैं। कहा कि देश की मजबूती के लिए सबको समान अधिकार मिलना जरूरी है, तभी घर-घर खुशहाली आएगी और सबके बच्चे फले फूलेंगे। महिलाओं की सुरक्षा होगी, लोग भेदभाव छोड़कर जाति-धर्म से ऊपर उठकर साथ मिलकर चलेंगे।

आजम खान की तबीयत बिगड़ी : आधी रात दिल्ली के अस्पताल में कराया गया भर्ती

हर्निया और गैंगरेन से हैं पीड़ित; अब हालत सामान्य

रामपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान रविवार शाम रोजा इफ्तार के समय हालत बिगड़ गई। आनन-फानन परिजनों ने आजम खान को दिल्ली के सर गंगा राम हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। आजम खान हर्निया और पैर में गैंगरेन जैसी बीमारी से जूझ रहे हैं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान की तबीयत अचानक बिगड़ गई। तबियत बिगड़ने के कारण आजम खान को दिल्ली स्तिथ सर गंगाराम हॉस्पिटल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। हालांकि अब उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। साथ ही डॉक्टरों की निगरानी में है।

आजम खान की तबियत फिलहाल ठीक

सूत्रों के मुताबिक आजम खान को बीती मध्य रात्रि दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आजम खान के साथ उनके परिजन भी दिल्ली पहुंचे हैं। परिजनों के मुताबिक बीती शाम रोजा इफ्तार के समय आजम खान की तबियत बिगड़ गई। हालांकि आजम खान की तबियत फिलहाल ठीक है और उन्हें डाक्टरों की निगरानी में रखा जा रहा है।

इससे पहले भी हो चुके हैं बीमार

इससे पहले भी आजम खां बीमार हुए थे। पिछले साल सितंबर में हार्ट अटैक के चलते सर गंगा राम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों ने आजम खां के दिल की एंजियोप्लास्टी) कर हार्ट में एक स्टंट डाला था। वहीं अब आजम खां हार्निया और पैर में गैंगरेन की बीमारी से पीड़ित हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बोले-प्रदेश में चरम पर थी गुंडागर्दी, भाजपा ने किया खत्म

सहारनपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि जनता की आवश्यकताएं और अपेक्षाएं केवल भाजपा सरकारें ही पूरी कर सकती हैं। सोमवार को भाजपा महापौर प्रत्याशी डॉक्टर अजय सिंह की नामांकन प्रक्रिया में शामिल होने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह सहारनपुर पहुंचे। उन्होंने अग्रवाल धर्मशाला में बैठक के दौरान कहा कि जनता की आवश्यकताएं और अपेक्षाएं केवल भाजपा पूरी कर सकती है और सरकार ने करके भी दिखाया है। जनसंघ के समय से चले आ रहे मुद्दों को पूरा किया और उनको आगे बढ़ाने का काम किया। भाजपा के संकल्प पत्र में जितने भी संकल्प थे, उत्तर प्रदेश की सरकार ने पिछले छह वर्ष में उनको पूरा करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि हमने भ्रष्टाचार मुक्त शासन दिया। प्रदेश में गुंडागर्दी और अपराध चरम पर था, उसको खत्म करने का काम किया। देश और प्रदेश की सड़कों के लिए बेहतर काम हुआ। बिजली, स्वच्छ पानी सहित अनेक विकास कार्य हुए। उन्होंने कहा कि संघीय ढांचे में नगर निकायों की अपनी भूमिका है। उनके माध्यम से बहुत से काम होते हैं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने स्वच्छता से जुड़े विषय पर बहुत अच्छा काम किया, लेकिन निकायों की अपनी भूमिका है। इस चुनाव में नगरों की सरकार चुनने के लिए मतदान करें। उन्हें पूरा विश्वास है कि जिस प्रकार पहले भी जनता ने भाजपा को स्नेह और सम्मान दिया, वह बरकरार रहेगा। उन्होंने कहा कि हमने महिलाओं को उनके तय आरक्षण से अधिक हिस्सेदारी दी है। प्रदेश अध्यक्ष के अलावा जिला प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसौदिया, प्रदेश मंत्री डॉ. चंद्रमोहन, बसंत त्यागी, विधायक राजीव गुंबर, पूर्व सांसद राघवलखन पाल शर्मा, पूर्व महापौर संजीव वालिया, भाजपा महानगर अध्यक्ष राकेश जैन, पूर्व विधायक लाजकृष्ण गांधी ने भी विचार रखे। संचालन महामंत्री किशोर शर्मा ने किया।

परीक्षा देकर लौट रही छात्रा की दिनदहाड़े हत्या

जालौन, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जालौन से बड़ी खबर है। यहां सोमवार दोपहर बीच चौराहे पर दिनदहाड़े बीए की छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। वह परीक्षा देकर घर लौट रही थी।

तभी पल्सर सवार 2 युवकों ने उसके सिर में सटाकर गोली मार दी। छात्रा की मौके पर मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी तमंचा फेंककर फरार हो गए। जहां यह घटना हुई, वहां से कोतवाली सिर्फ 200 मीटर दूर है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और जांच में जुट गई है।

मृतक छात्रा का नाम रोशनी अहिरवार (20) है। वह ऐंधा गांव की रहने वाली थी और राम लखन पटेल महाविद्यालय में बीए सेकेंड ईयर की छात्रा थी। आज कॉलेज में परीक्षा देने के बाद वह घर लौट रही थी। तभी करीब 11:40 बजे कोटरा तिराहे पर पल्सर बाइक पर सवार दो युवक पीछे से आए। बिना कुछ कहे पीछे बैठे युवक ने छात्रा के सिर पर गोली मार दी।

8वीं की छात्रा ने किया सुसाइड

गोरखपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। गोरखपुर में एक नाबालिग छात्रा ने सुसाइड कर लिया। उसे एक शोहदा काफी दिनों से परेशान कर रहा था। मोबाइल पर लगातार चैटिंग करने से छात्रा तंग आ चुकी थी। जिसकी वजह से उसने घर में ही फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी लाश छत के कुंडे से लटकती हुई मिली।

घटना पिपराइच इलाके के चकिया गांव की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा का शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हालांकि, पुलिस में कभी भी परिजनों ने शोहदे के बारे में शिकायत नहीं की थी।

वाराणसी में बीजेपी के अशोक, सपा के ओमप्रकाश समेत 8 उम्मीदवारों ने भरा मेयर पद का पर्चा

वाराणसी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी निकाय चुनाव में महापौर पद के लिए नामांकन के आखिरी दिन वाराणसी में सोमवार को कुल 8 उम्मीदवारों ने पर्चे भरे। कलक्ट्रेट स्थित नामांकन कक्ष में रिटर्निंग अधिकारी व एडीएम (वित्त एवं राजस्व) संजय कुमार को नामांकन पत्र सौंपे। सोमवार को पर्चा दाखिल करने वाले प्रमुख प्रत्याशियों में भाजपा से अशोक तिवारी, सपा से डॉ. ओमप्रकाश सिंह, बसपा से सुभाष चंद्र मांझी और आम आदमी पार्टी से शारदा टंडन समेत निर्दलीय ओमप्रकाश चौरसिया, दीपक लाल अस्थाना, वीरेंद्र कुमार गुप्ता और रामजी चौरसिया शामिल हैं।

वाराणसी में मेयर पद के लिए अब तक कुल 12 उम्मीदवारों ने पर्चे भरे हैं। वहीं, आखिरी दिन होने से नगर निगम के पांचों जोनल कार्यालयों पर नामांकन पत्र दाखिल करने वालों की भीड़ रही। उधर, पार्षद पद पर कई वार्डों में टिकट वितरण में अनियमितता का आरोप लगाते हुए कुछ सपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के बाहर हंगामा किया।

ज्ञानवापी से जुड़े सात मामलों की अब एक साथ होगी सुनवाई

जिला जज की अदालत ने दिया आदेश

वाराणसी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी के बहुचर्चित ज्ञानवापी-मां श्रृंगार गौरी से जुड़े सभी सात मामलों की सुनवाई अब एक साथ होगी। संबंधित प्रार्थना पत्र पर सोमवार को जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने आदेश सुनाया। मां श्रृंगार गौरी प्रकरण की चार वादिनी लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास और रेखा पाठक की ओर से कोर्ट में आवेदन दिया गया और कहा गया था कि किरन सिंह विसेन व अन्य की ओर से ज्ञानवापी-मां श्रृंगार गौरी के संबंध में दाखिल मुकदमों को जिला जज की कोर्ट में स्थानांतरित कर एक साथ सुना जाए। इस अर्जी पर सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद आदेश के लिए तिथि तय कर दी गई थी। लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास और रेखा पाठक के अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी, सुधीर त्रिपाठी ने मामलों की सुनवाई एक साथ किए जाने के पक्ष में अपनी बात रखी थी। अधिवक्ताओं ने कहा कि ज्ञानवापी के सभी मामले एक जैसे हैं। इनकी अलग-अलग सुनवाई नहीं होनी चाहिए।

बसपा ने 10 नगर निगमों के मेयर प्रत्याशी घोषित किए

लखनऊ से शाहीन बानों बनीं उम्मीदवार

लखनऊ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी ने सोमवार को प्रदेश के 10 नगर निगमों के लिए मेयर पद के उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने लखनऊ से शाहीन बानों को मेयर पद का उम्मीदवार बनाया है। बसपा ने आगरा, लखनऊ, मथुरा, फिरोजबाद, झांसी, सहारनपुर, वाराणसी, प्रयागराज, मुरादाबाद और गोरखपुर के मेयर प्रत्याशियों की घोषणा की है।

बसपा ने आगरा की मेयर प्रत्याशी लता, मथुरा के राजा मोहतासिम अहमद, फिरोजाबाद से रुखसाना बेगम, झांसी से भगवान दास फुले, सहारनपुर से खादिजा मसूद, वाराणसी से सुभाष चंद्र माझी, प्रयागराज से सईद अहमद, मुरादाबाद से मोहम्मद यामीन और गोरखपुर से नवल किशोर नाथानी को प्रत्याशी बनाया गया है।

शराब से मरने वालों के परिवार को भी मिलेंगे 4 लाख

सीएम नीतीश ने नए आधार पर की घोषणा

पटना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में अब जहरीली शराब पीकर मरने वालों के परिजन भी मुख्यमंत्री राहत कोष से चार लाख रुपये नीतीश कुमार सरकार देगी। मोतिहारी में लगभग तीन दर्जन मौतों की ताजा खबर के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि सारण, सीवान, गोपालगंज समेत जहां भी जहरीली शराब से मौत हुई है, सभी के परिजनों को एक शपथपत्र देने के बाद आवेदन पर यह राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि 2016 के बाद से जहां भी जहरीली शराब से मौत हुई है, उन सब के परिवार को चार लाख रुपये की मदद दी जाएगी।

क्या लिखकर देना होगा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वह शराबबंदी के बावजूद इन खबरों से परेशान हैं। परेशानी की वजह वह परिवार भी हैं, जिनके लोगों ने जहरीली शराब कांड में जान गंवाई।

शराबबंदी लागू किए जाने के बाद से अबतक जो लोग भी जहरीली शराब के कारण मरे हैं, उनके परिजनों को सिर्फ एक पेपर पर यह घोषणा करनी होगी कि वह शराब के खिलाफ और शराबबंदी के पक्ष में हैं, इसे बुरा मानते हैं और परिवार के फलां सदस्य के शराब पीकर मरने के बाद परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को यह घोषणा की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वह शराबबंदी के खिलाफ हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह शराब रोकने के लिए हर तरीके का प्रयास कर रहे हैं लेकिन फिर भी लोग पी रहे हैं और जहरीली शराब से लोग मर भी रहे हैं। इसलिए, जहरीली शराब पीकर मरने वालों के परिवारों के लिए सरकार ने यह फैसला लिया है।

मुख्यमंत्री राहत कोष से 4 लाख की मदद

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि महिलाओं की मांग पर हमने 2016 बिहार में शराबबंदी की घोषणा की थी। इसके बाद लगातार शराब के खिलाफ अभियान भी चलाया गया। इसके बाद कई लोग शराब छोड़ते गए। इधर, कुछ दिन पहले और 2021 में, 2022 में और फिर 2 दिन पहले मोतिहारी घटना हुई कि जहरीली शराब से कई लोगों की मौत हुई। यह बहुत दुखद है। मैं लगातार कहता था कि शराब नहीं पीना चाहिए। अच्छी चीज नहीं है। इधर, दो दिन पहले जो मैं देखा तो मुझे बहुत दुख हुआ। इसके बाद अधिकारियों के साथ बैठक की। विचार-विमर्श किया। इसके बाद फैसला किया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से पीड़ित परिवार को 4 लाख का मुआवजा दिया जाए। इसके लिए पीड़ित परिवार को कागज पर लिखकर देना होगा कि परिवार के सदस्य की मौत जहरीली शराब हो गई। हमलोग शराबबंदी के पक्ष में हैं। हमलोगों सभी को शराब छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे, ऐसा लिखकर देने के बाद बिहार सरकार उसे मदद करेगी।

पत्नी बनी हैवान : तीन लड़कों से थे संबंध सभी से फोन पर करती थी बात

आड़े आया पति तो कहा-खेत पर है निपटा दो...

झांसी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। झांसी के रक्सा थाना इलाके में चार दिन पहले हुई युवक की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। युवक की हत्या पत्नी के इशारे पर उसके तीन प्रेमियों ने की थी। पुलिस ने पत्नी समेत पांच हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से हत्या में प्रयुक्त की गई कुल्हाड़ी व डंडे भी बरामद कर लिए गए हैं।

लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी से उतारा था मौत के घाट

रक्सा के ग्राम खैरा निवासी बृजलाल के पुत्र शिवा (28) की 12 अप्रैल की रात लाठी-डंडे व कुल्हाड़ी से हमलाकर हत्या कर दी गई दी गई थी। मृतक के भाई विनोद की शिकायत पर पुलिस ने उसके दोस्त जयहिंद समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। रविवार को पुलिस ने इस घटना का पर्दाफाश कर दिया।

वीडियो कॉल के दौरान पति के दोस्त से बढ़ीं नजदीकियां

पुलिस के मुताबिक, शिवा और जयहिंद मुंबई में एक कपड़ा फैक्टरी में काम करते थे। शिवा कीपैड वाला मोबाइल चलाता था, जबकि जयहिंद के पास एंड्रायड मोबाइल फोन था। जयहिंद अपने मोबाइल से शिवा और उसकी पत्नी माधुरी की वीडियो कॉल पर बात कराता था। इसी बीच जयहिंद की भी माधुरी से बातचीत होने लगी और दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं।

कुलदीप नाम के दूसरे प्रेमी से करना चाहती थी शादी

इसके बाद जयहिंद के माध्यम से माधुरी की गांव के कुलदीप चतुर्वेदी उर्फ गोलू से भी जान-पहचान हो गई थी। नजदीकियां बढ़ने पर कुलदीप और माधुरी शादी करने की योजना बनाने लगे। लेकिन, पति शिवा उनके आड़े आ रहा था। नौ अप्रैल को शिवा और जयहिंद मुंबई से घर लौट आए।

पति की पिटाई से और भड़क उठी थी महिला

आरोप है कि अगले दिन शिवा ने माधुरी से मारपीट की, इस पर माधुरी ने कुलदीप को फोन कर शिवा की हत्या करने के लिए कहा था। 12 अप्रैल को माधुरी के फोन करने पर जयहिंद घर आया था और शिवा को अपने साथ खेत पर ले गया था। वहां शराब पार्टी की। इधर, माधुरी ने कुलदीप को फोन कर कहा कि शिवा खेत पर गया है, उसे निपटा दो। कुलदीप अपने करीबी दोस्त छोटू परिहार उर्फ सरपंच और दीनदयाल को लेकर खेत पर पहुंचा। तीनों ने डंडे से उसे बुरी तरह पीटा। बाद में जयहिंद ने कुल्हाड़ी मारकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद चारों फरार हो गए थे।

घटना का खुलासा करते हुए एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शिवा के भाई विनोद ने जयहिंद समेत आठ के खिलाफ नामजद और चार अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शनिवार को मुखबिर की सूचना पर रक्सा थानाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने अपनी टीम के साथ आरोपी जयहिंद को इमलिया तिराहे से गिरफ्तार किया।

पत्नी से विवाद के बाद शख्स ने कचहरी परिसर में किया आत्मदाह का प्रयास

वाराणसी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी के कचहरी परिसर में सोमवार दोपहर उस वक्त अफरातफरी मच गई जब एक शख्स ने आत्मदाह के लिए अपने शरीर पर केरोसिन छिड़क लिया। आसपास के लोगों के शोर मचाने पर पुलिस ने दौड़कर उसके हाथ से माचिस छीन ली और उसे थाने ले गई। कचहरी परिसर में अचानक हुए इस घटनाक्रम से अफरातफरी मच गई। नामांकन के आखिरी दिन होने के कारण कचहरी परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पेशे से मजदूर चौबेपुर गांव निवासी कक्कू सोनकर का पत्नी बेबी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसी को लेकर आत्मदाह करने का फैसला किया। वह कचहरी परिसर में अधिवक्ता के चैंबर के समीप पहुंचा और शरीर पर केरोसिन छिड़क लिया। शोर मचाने पर पहुंची पुलिस ने पकड़ लिया।

गोल्डन टेंपल में तिरंगे पर विवाद

मुंह पर झंडा बनाकर गई हरियाणा की लड़की को एसजीपीसी कर्मचारी ने रोका

'यह पंजाब है इंडिया नहीं'

जालंधर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर स्थित श्री हरिमंदिर साहिब (गोल्डन टेंपल) में राष्ट्रीय ध्वज को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। मुंह पर तिरंगा बनाकर पहुंची हरियाणा की लड़की को एक पगड़ीधारी व्यक्ति ने माथा टेकने से रोक दिया। उसने लड़की को अंदर ही नहीं जाने दिया। बताया जा रहा है कि जिस व्यक्ति ने रोका वह शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का कर्मचारी है।

हरियाणा की लड़की को तिरंगा बनाने पर गोल्डन टेंपल के भीतर जाने से रोकने वाला एसजीपीसी का कर्मचारी है या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन लड़की और सिख व्यक्ति के बीच हुए विवाद की वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। लोग इस पर तरह-तरह के कमेंट भी कर रहे हैं।

यह इंडिया नहीं पंजाब है

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लड़की किसी व्यक्ति को साथ लेकर सिख व्यक्ति के पास पहुंचती है और कहती है कि इस व्यक्ति ने उसे रोका था। इस पर हरियाणवी बोल रहा व्यक्ति सिख व्यक्ति से पूछता है कि गुड़िया को जाने से क्यों रोका। इस पर सिख व्यक्ति कहता है कि इसने अपने चेहरे पर तिरंगा बना रखा है,

इसलिए रोका। इस पर हरियाणा का व्यक्ति पूछता है कि क्या यह इंडिया नहीं है तो सिख व्यक्ति कहता है कि यह इंडिया नहीं है। इसके बाद हरियाणवी व्यक्ति कहता है कि फिर यह क्या है। इस पर सिख व्यक्ति कहता है कि यह पंजाब है, इंडिया नहीं है। इस बात पर लड़की गुस्सा हो गई और दोनों में बहस हुई।

बात लड़की के साथ हाथापाई तक पहुंची

लड़की सरदार से बात करते हुए उसकी वीडियो भी बना रही थी। इस पर वह व्यक्ति चिढ़ जाता है। पहले कहता है वीडियो बना रही हो....बना लो। इसके बाद लड़की जब सुनती है कि यह इंडिया नहीं पंजाब है तो वह गुस्से में कह देती है कि यह क्या बकवास है। इस पर सिख व्यक्ति गुस्सा हो गया और कहा है कि बकवास किसे कहा। देखते ही देखते सिख व्यक्ति हाथापाई पर आ गया और लड़की के हाथ में पकड़े हुए मोबाइल पर झपट्टा मारा है। रिकार्डिंग होने पर उसने लड़की के हाथ से मोबाइल छीनने की कोशिश की।

एसजीपीसी ने जताया अफसोस

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने कहा कि गोल्डन टेंपल श्री गुरु रामदास जी का दरबार है। इसमें किसी भी जाति, धर्म, देश के व्यक्ति को आने से नहीं रोका जाता और न रोका जा सकता है। एसजीपीसी के महासचिव गुरचरण ग्रेवाल ने कहा कि उनके ध्यान में भी ऐसा मामला आया है। इसका उन्हें बेहद अफसोस है और दुख है। लेकिन उन्होंने साथ ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो पर भी कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि कमेंट कर रहे लोगों को यह भी याद रखना चाहिए कि इस तिरंगे के लिए इस देश की आजादी के लिए 100 में से 90 कुर्बानियां सिखों ने दी हैं। सिखों ने ही तिरंगे की शान को दुनिया में बढ़ाया है।

चोरों को पकड़ने ज्वैलर्स शॉप पहुंची पुलिस पर हमला

आरोपी दुकानदार ने अपनी दुकान के शीशे तोड़े

कपूरथला, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कपूरथला में रविवार की देर रात पुलिस सोने की चेन बेचने आए दो युवकों का पीछा करते हुए सराफा बाजार स्थित एक ज्वेलर की दुकान पर पहुंची। पुलिस कर्मियों ने दुकानदार को दुकान से बाहर आने को कहा तो दुकानदार ने बाहर आने के बजाय अपनी दुकान में लगे हुए शीशे तोड़ दिए।

थाना सिटी के एसएचओ पलविंदर सिंह ने बताया कि थाना सिटी की पुलिस टीम दो चोरों का पीछा करते हुए सराफा बाजार में सत्संगी ज्वेलर्स की दुकान पर पहुंचे। दुकानदार ने दोनों आरोपियों से सोने की चेन खरीद ली और चेन को जल्दी ही आग के सहारे पिघला कर सबूत खत्म करने की कोशिश की। पुलिस कर्मचारियों ने दुकानदार को दुकान से बाहर आने के लिए कहा तो दुकानदार बहस करते हुए अपनी ही दुकान में लगे हुए शीशे तोड़ने लगा।

इसमें दुकानदार घायल हो गया। दुकानदार ने पुलिस कर्मियों पर हमला कर उन्हें भी घायल कर दिया।

सीधी जिले में मुख्यमंत्री के बगल में बैठ चोर ने उड़ाई दावत

प्रशासन की हुई किरकिरी

सीधी/भोपाल, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश अजब है और गजब भी। इसका नमूना सीधी में देखने को मिला। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीधी में मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना के तहत 142 हितग्राहियों को पट्टे वितरित किए। इसके बाद उन्होंने हितग्राहियों के साथ बैठकर खाना भी खाया। इस दौरान उनके बगल में बैठे व्यक्ति का सच सामने आया है। दरअसल, 10 अप्रैल को ही वह लकड़ी चोरी के मामले में दो दिन जेल में रहकर बाहर निकला था। अब यह बात सामने आते ही प्रशासन की किरकिरी हो रही है। साथ ही घटना के फोटो-वीडियो वायरल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को धैहनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गोतरा में हितग्राहियों को पट्टे वितरित किए थे। उन्होंने हितग्राहियों के साथ बैठकर सहभोज भी किया था। इस दौरान जो तस्वीरें आई, उनमें उनके बगल में बैठा शख्स उनके साथ सेल्फी लेता दिखाई दिया। इस व्यक्ति का नाम अरविंद गुप्ता बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री को अंदाजा भी नहीं होगा कि वह जिसके साथ खाना खा रहे हैं, वह दो दिन जेल रहकर आया है। उन्होंने तो दो मिनट तक अरविंद से बातचीत भी की। उसकी पीठ भी थपथपाई। अब पीठ क्यों थपथपाई, इसका भी कारण सामने नहीं आया है। हालांकि, इस घटना को लेकर जिला प्रशासन की जरूर किरकिरी हो गई है। उन्होंने सीएम के साथ बैठकर भोज करने वालों का बैकग्राउंड चेक भी नहीं कराया।

आला अधिकारी भी रहे अंधेरे में

शिवराज के कार्यक्रम में जिला प्रशासन के तमाम बड़े अधिकारी मौके पर थे। कलेक्टर, एसपी, जिला पंचायत सीईओ से लेकर सभी थाना प्रभारी भी मौके पर थे। किसी ने इस पर ध्यान ही नहीं दिया कि मुख्यमंत्री के बगल में बैठकर कौन खाना खा रहा है? वीडियो और वायरल फोटो पर अब जिला प्रशासन के अफसर चुप हैं। कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं।

दो दिन जेल में रहा था अरविंद

मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी लेने वाले शख्स का नाम अरविंद गुप्ता है। 43 नग लकड़ी चोरी के आरोप में 10 अप्रैल को उसे जेल भेजा गया था। उस पर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 2, 26, 52 सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज है।

सिद्धू की कोठी में घुसा संदिग्ध शख्स

लुधियाना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू के पटियाला स्थित घर की छत पर संदिग्ध व्यक्ति दिखा है। नौकर ने जब उसे देखकर अलार्म बजाया तो वह भाग गया।

सिद्धू ने ट्वीट कर यह दावा किया है। 2 हफ्ते पहले पहले ही सिद्धू की सुरक्षा घटाई गई थी। जिस पर सिद्धू और उनकी पत्नी आप सरकार पर भड़के थे। पत्नी डॉ. नवजोत कौर ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को चेतावनी दी थी कि अगर उनके पति को कुछ होता है तो वह सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। मामला बीते दिन शाम को सामने आया। नवजोत सिंह सिद्धू ने ट्वीट कर लिखा कि मेरे घर की छत पर ग्रे कंबल में लिपटे एक अज्ञात संदिग्ध व्यक्ति को लगभग शाम 7 बजे देखा गया, जैसे ही मेरे नौकर ने अलार्म बजाया और मदद के लिए पुकारा तो वह तुरंत भाग गया। पंजाब पुलिस के डीजीपी से बात की है और एसएसपी पटियाला को भी सूचित कर दिया गया है। उन्होंने आगे लिखा कि यह सुरक्षा चूक मुझे पंजाब के लिए आवाज उठाने से नहीं रोक पाएगी।

सिद्धू ने बाहर आते ही मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पर निशाना साधा था और उन्हें एक कमजोर मुख्यमंत्री बताया है। सीएम भगवंत मान को अखबारी सीएम कहा था। सिद्धू ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार कानून-व्यवस्था के बहाने पंजाब में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहती है। सिद्धू ने कहा था कि भगवंत मान ने पंजाब में सपने और झूठ बेचा। पंजाबियों को मूर्ख बनाया। आज वह अखबारी मुख्यमंत्री बनकर बैठ गया है।

विदेशी नागरिक से जब्त की गई 2.4 किलोग्राम हेरोइन

कार्टन में छिपा कर ला रहा था ड्रग्स

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स ने एक विदेशी नागरिक से हेरोइन जब्त की। यह घटना 16 अप्रैल रविवार की है, जब एयरपोर्ट कस्टम्स ने युगांडा के एंतेबे से आए विदेशी नागरिक से करीब 2.4 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी। इस हेरोइन की कीमत करीब 16.80 करोड़ रुपये है। ड्रग्स को एक कार्टन में खांचा बनाकर छिपाया गया था। मुंबई कस्टम्स के अनुसार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

कास्ट पॉलिटिक्स में कांग्रेस भी कूदी

कमलनाथ बोले–सेन आयोग का गठन करेंगे बांधवगढ़ में सेन महाराज का स्मारक बनाएंगे

भोपाल, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मप्र की राजनीति यूपी की पूर्व सीएम और बसपा सुप्रीमो मायावती की तर्ज पर मुड़ती नजर आ रही है। जिस प्रकार मायावती उप्र में तमाम जातियों की भाईचारा कमेटियां बनाकर उनके आयोग, निगम, बोर्ड बनाकर राजनीति करती रही हैं, वैसी ही राजनीति अब मप्र में होती दिख रही है। शिवराज सरकार पिछले कुछ दिन से रजक समाज, साहू समाज, सोनी समाज, सिंधी समाज जैसे वर्गों के बोर्ड बना चुकी है। अब कांग्रेस भी इस कास्ट पॉलिटिक्स में कूदी है।

पीसीसी चीफ कमलनाथ ने आज भोपाल के पीएंडटी चौराहे पर आयोजित सेन महाराज की जयंती के मौके पर बड़ी घोषणाएं की। कमलनाथ ने कहा यदि मप्र में कांग्रेस की सरकार बनती है तो सेन आयोग का गठन किया जाएगा। पीसीसी चीफ ने आगे कहा कि सेन महाराज की जन्मस्थली बांधवगढ़ में भव्य स्मारक बनाया जाएगा। सेन समाज के लोगों को ज्यादा इंतजार करने की जरूरत नहीं। इन कामों की जल्द ही शुरुआत होगी। सेन समाज को मुख्यधारा से जोडने के लिए कांग्रेस की सरकार बनने पर जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

दिग्विजय भी हुए शामिल

पीएंडटी चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में पीसीसी चीफ कमलनाथ के साथ पूर्व सीएम

दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने सेन समाज के लोगों के साथ सेन महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

भोजपुरी समाज को जमीन देने का वादा

रविवार को कमलनाथ ने भोजपुरी समाज से भी एक वादा किया। कमलनाथ ने ट्वीट कर लिखा कि- मध्य प्रदेश के विकास में भोजपुरी समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही भोजपुरी समाज को उनकी माँग के अनुरूप सामाजिक कार्यों के लिये भूमि का आवंटन किया जायेगा। कांग्रेस सरकार ने ही प्रदेश में छठ महापर्व का ऐच्छिक अवकाश प्रारंभ किया था।

अग्रवाल समाज को जमीन देने का वादा

रविवार को भोपाल में आयोजित अग्रवाल समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन में कमलनाथ ने कहा हमारी संस्कृति के रक्षक होने के साथ समाज को जोड़े रखने में अग्रवाल समाज की अहम भूमिका है। यह समाज जागरूक होने के साथ सेवा भावी है। राजनीति में सक्रिय होकर समाज की सेवा करे और जिस तरह जबलपुर में हमारी सरकार अग्रवाल समाज को जमीन दी। उसी तरह भोपाल में मां महालक्ष्मी लोक, धाम,बनाने के लिए हमारी सरकार आने पर देंगे। अग्रसेन महाराज की जयंती पर अवकाश घोषित करेंगे। कांग्रेस और कमलनाथ का भले ही साथ मत दो लेकिन, सच्चाई का साथ देना होगा। समाज के लोगों ने कमलनाथ से कहा कि अग्रवाल समाज का राजनीति में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। साथ ही 230विधानसभा में 64 सीटें ऐसी हैं, जहा अग्रवाल समाज बड़ी संख्या में है। 40 सीटे ऐसी जहां चुनाव परिणाम परिवर्तित करने की ताकत रखते हैं। हमें राजनीति में उपेक्षित रखा गया है। प्रदेश में 50 लाख अग्रबंधु निवास करते है।

कोझिकोड ट्रेन अग्निकांड के आरोपी शाहरुख पर लगा यूएपीए एक्ट, हो सकती है उम्रकैद

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के कोझिकोड में हुए रेल अग्निकांड के आरोपी शाहरुख सैफी पर यूएपीए एक्ट लगाया गया है। शाहरुख सैफी को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि शाहरुख ने अलप्पुझा-कन्नूर के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगा दी थी, जिससे ट्रेन में सफर कर रहे चार लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में एक नवजात बच्चा भी शामिल था।

आतंकी एंगल से होगी जांच

शाहरुख सैफी पर यूएपीए एक्ट की धारा 16 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यूएपीए यानी गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम का मुख्य उद्देश्य आतंकी गतिविधियों की रोकथाम है। पुलिस और जांच एजेंसियां इस कानून के तहत ऐसे आतंकियों, अपराधियों को चिन्हित करती हैं, जो आतंकी गतिविधियों में शामिल होते हैं। आरोपी के खिलाफ यूएपीए एक्ट की धारा 16 के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें दोषी पाए जाने पर पांच साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। बीती दो अप्रैल की रात अलप्पुझा-कन्नूर एक्सप्रेस में शाहरुख सैफी ने यात्रियों पर पेट्रोल डालकर उन्हें आग के हवाले कर दिया था। इसमें नौ लोग झुलस गए थे, जिनमें से चार की मौत हो गई थी।

'जो कुछ नहीं कर पाते, वे भारत जोड़ने निकल पड़ते हैं'

बिना नाम लिए राहुल पर राजनाथ सिंह का तंज

अहमदाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में आज से 'सौराष्ट्र-तमिल संगमम' कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया। इस मौके पर अपने संबोधन में उन्होंने देश की सांस्कृतिक सुरक्षा पर बल दिया। यहां बोलते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि देश की पहचान को बनाए रखने के लिए ₹सांस्कृतिक सुरक्षा₹ भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि सुरक्षा के अन्य पहलू। इस दौरान राजनाथ सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' को लेकर भी बिना नाम लिए उनपर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग कुछ और करने में सक्षम नहीं हैं, वह भारत को जोड़ने के लिए निकल पड़ते हैं जो पहले ही 'एकजुट और अविनाशी' है।

सांस्कृतिक सुरक्षा भी महत्वपूर्ण

रक्षामंत्री ने अपने संबोधन में यहां यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सभ्यता, धर्म और संस्कृति को समर्पित गतिविधियों को देखते हुए कह सकते हैं कि सांस्कृतिक

पुनर्जागरण हम पर निर्भर करता है। उन्होंने आगे कहा कि आप सभी सीमा सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के बारे में जानते हैं। अब अंतरिक्ष और साइबर सुरक्षा जैसे नए आयाम भी जुड़ गए हैं। हाँ, सुरक्षा का एक और आयाम है जो उतना ही महत्वपूर्ण है और वह आयाम है हमारी संस्कृति का। इसे सांस्कृतिक सुरक्षा भी कहा जा सकता है। जिस तरह किसी राष्ट्र की पहचान को अक्षुण्ण रखने के लिए सीमाओं की सुरक्षा और अन्य चीजों की जरूरत होती है, उसी तरह देश की पहचान को बनाए रखने के लिए उसकी संस्कृति की सुरक्षा भी जरूरी है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा इतनी मजबूत है कि तेज आंधी भी इसे हिला नहीं सकती।

राहुल गांधी पर बिना नाम लिए साधा निशाना

अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि लेकिन कुछ लोगों को ऐसे अखंड और अद्वितीय भारत को जोड़ने का फैशन है। जो और कुछ नहीं कर पाते हैं वे भारत को जोड़ने निकल पड़ते हैं, लेकिन भारत कह रहा है कि 'मैं अखंड हूं, मैं टूटा नहीं हूं', बावजूद इसके वे कहते हैं कि नहीं, मैं आपको जोड़ता रहूंगा।' राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर तंज कसते हुए परोक्ष रूप से उन्होंने कहा कि आज नहीं, ये लंबे समय से भारत को जोड़ने का काम कर रहे हैं।

राममंदिर पर कही यह बात

'सौराष्ट्र-तमिल संगमम' के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन में उन्होंने आगे कहा कि इस समय भारत एक बड़े सांस्कृतिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। हम भाग्यशाली हैं कि हम न केवल साक्षी हैं बल्कि इस परिवर्तन के सहभागी भी हैं। इस दौरान उन्होंने अयोध्या में बन रहे राममंदिर का भी जिक्र किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि एक बार देश की जनता के दिलों में बसने वाले भगवान राम के लिए अयोध्या में जगह तलाशना मुश्किल हो गया था। कई पीढ़ियां तो यह सोचते हुए ही खत्म हो गईं कि राम मंदिर का निर्माण हो भी पाएगा या नहीं। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने आगे कहा कि लोगों ने हमारा मजाक उड़ाया और इसके निर्माण की तारीख पूछी। अब पीएम मोदी के नेतृत्व में आखिरकार भव्य मंदिर का निर्माण किया जा रहा है।

अंधविश्वास का चौंका देने वाला मामला

राजकोट में पति-पत्नी ने सिर काटकर दी हवनकुंड में आहुति

राजकोट, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजकोट के वीछिंया तालुका में अंधविश्वास का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक तांत्रिक क्रिया के बाद पेशे से मजूदर पति-पत्नी ने हवन कुंड में अपने सिर काटकर आहुति दे दी। पति-पत्नी ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें खुद ही जान देने की बात लिखी है।

सिर काटने खुद ही बनाया गिलोटिन जैसा हथियार

वीछिंया पुलिस थाने के सब इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह जडेजा ने बताया कि मृतक दंपति की पहचान 38 वर्षीय हेमूभाई मकवाना और 35 साल की हंसाबेन के रूप में हुई है। पति-पत्नी ने सिर काटने के लिए खुद ही गिलोटिन जैसा हथियार बनाया था। गिलोटिन इस तरह बनाई गई थी, जिससे दोनों के सिर कटकर हवन कुंड में ही गिरें।

सब इंस्पेक्टर जडेजा ने आगे बताया कि मौके के मुआयना करने पर साफ पता चलता है कि पति-पत्नी गिलोटिन की ब्लेट के नीचे लेट गए थे। उपर की ओर रस्सी जली हुई थी। इससे लगता है दोनों

ने ब्लेड के नीचे सिर रखने के बाद नीचे से रस्सी में आग लगा दी थी। जैसे ही आग ऊपर तक पहुंची तो रस्सी कट गई और भारी-भरकम गिलोटिन गर्दन पर आ गिरी।

पति का सिर नहीं गिरा हवन कुंड में

पुलिस ने पत्नी का जला हुआ सिर हवन कुंड से बरामद किया है, जबकि पति का सिर हवन कुंड में नहीं गिरा था। क्योंकि, उसका सिर हवनकुंड की बेदी के पास से बरामद किया गया है। मृतक हेमूभाई मकवाना के भाई ने बताया कि दोनों दो दिन पहले बेटे-बेटी को मामा के घर छोड़ आए थे। बच्चे अक्सर मामा के घर जाया करते थे। इसलिए यह कोई अनोखी बात नहीं थी। हां, यह सच है कि भैया-भाभी पिछले एक साल से हर दिन झोपड़ी में पूजा-पाठ कर रहे थे। लेकिन, इसका अंदाजा किसी को नहीं था कि दोनों ऐसा कुछ कर लेंगे।

क्या लिखा है सुसाइड नोट में

पति-पत्नी ने 50 रुपए के स्टांप पर सुसाइड नोट लिख छोड़ा था। सुसाइड नोट में लिखा था- जय भगवान, जय भोलेनाथ, हम दोनों स्वेच्छा से अपने हाथों से अपने प्राण त्याग रहे हैं। हमारे घरवाले बहुत अच्छे से रह रहे हैं। मेरे भाई भी हम लोगों को बहुत चाहते हैं। आज तक उनकी मेरी पत्नी से कोई गलत बात नहीं हुई। वे सभी हमारा बहुत ख्याल रखते हैं। इसलिए उनसे किसी तरह की पूछताछ न की जाए। हम अपनी मर्जी से अपने प्राण त्याग रहे हैं। इसलिए हमारे परिवार के किसी भी सदस्य को परेशान न किया जाए।

इसके अलावा सुसाइड नोट में भाईयों के लिए लिखा है कि हमारी बेटी का हमेशा ध्यान रखना। ठीक उसी तरह से, जिस तरह से तुम लोग माता-पिता का ध्यान रखते हो। यह सुसाइड नोट दीवार पर चिपकाया गया था। मृतक के परिवार से मिली जानकारी के अनुसार सुसाइड नोट की हैंड राइटिंग 38 वर्षीय हेमूभाई मकवाना की है।

हत्या-आत्महत्या दोनो एंगल से जांच कर रही पुलिस

मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि फिलहाल दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामला दर्ज करके जांच भी की जा रही है कि आखिर किसके कहने पर दोनों ने यह कदम उठाया। कहीं ये हत्या ही तो नहीं? पुलिस ऐसे सभी एंगल पर बारीकी से जांच कर रही है।

बाघ के आतंक को देखते हुए पौड़ी के कई गांवों में लगा कर्फ्यू, स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र रहेंगे बंद

देहरादून, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पौड़ी गढ़वाल जिला प्रशासन ने जिले में बाघ के आतंक को देखते हुए रिखणीखाल व धूमाकोट तहसील के दर्जनों गांवों में शाम सात बजे से सुबह छह बजे तक कर्फ्यू लगा दिया है। इसके अलावा 17 और 18 अप्रैल को इन दोनों तहसीलों के स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। डीएम पौड़ी आशीष चौहान ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

रिखणीखाल ब्लाक के ग्रामपंचायत मेलधार के डल्ला गांव में गत दो दिन पहले बाघ के हमले में हुए वृद्ध की मौत के बाद वन विभाग ने हमलावर गुलदार को पकड़ने के लिए गांव में पिंजरा लगा दिया है। रविवार को आसपास के क्षेत्र में ड्रोन उड़ाया गया, जिसमें पडियारपाणी गांव में भी एक बाघ की मूवमेंट कैमरे में कैद हुई है। ग्राम पंचायत मेलधार के प्रधान खुशेंद्र सिंह ने बताया कि बाघ के हमले में वृद्ध की मौत के बाद आसपास के गांवों में दहशत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि शाम ढलते ही लोग घरों में कैद हो जा रहे हैं। हालांकि वन विभाग के कर्मी बंदूकों के साथ लगातार गश्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से प्रभावित गांव के रास्तों में प्रकाश की व्यवस्था करने के लिए 10 स्ट्रीट लाइटें दी गई हैं। जो कि रविवार को जुई गांव पहुंच गई है। स्टीट लाइटों को प्रभावित गांव तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गांव में पिंजरा लगाया गया

उधर, गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध ने बताया कि हमलावर बाघ को पकड़ने के लिए गांव में पिंजरा लगा दिया गया है। रविवार को बाघों की मूवमेंट पर नजर रखने के लिए क्षेत्र में ड्रोन उड़ाया गया, जिसमें पडियार पाणी गांव में भी एक बाघ की मूवमेंट नजर आई है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 18 अप्रैल- 2023

सवालों के घेरे में हत्या

कैसी बिडंबना है कि प्रयागराज का कुख्यात डान अतीक अहमद चार बार का विधायक व एक बार सांसद रहते हुए भी अपराध की दुनिया से अपना पीछा नहीं छुडा सका। राजनैतिक संरक्षण मिलने की वजह से उल्टे वह और भी उत्पाती होता चला गया। ऐसा कोई जरायम नहीं जो उसने व उसके परिजनों ने न किया हो। किसी का भी मर्डर करवा देना उसके बाएं हाथ का खेल हुआ करता था। इसी तरह के केसों के चलते वह लंबे समय से जेल दर जेल का चक्कर काटता फिर रहा था। अंततः शनिवार को देर रात अतीक तथा उसके भाई अशरफ को तीन बदमाशों ने उस समय गोलियों से भून दिया जब पुलिस उसे चेकअप के लिए अस्पताल ले जा रही थी। पुलिस घेरे में हुई इस लोमहर्षक हत्या को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दो दिन पहले ही अतीक के बेटे और उसके एक साथी बदमाश को पुलिस ने झांसी में हुए मुठभेड़ में मार गिराया था। अतीक और उसके भाई को पत्रकार बन कर आए तीन बदमाशों ने विदेशी पिस्टल से दनादन गोलियां चलाईं और दोनों की हत्या कर दी। इसके साथ ही तीनों ने हाथ उठा कर आत्मसमर्पण भी कर दिया। यह सब इतना जल्दी हुआ कि वहां मौजूद पुलिस भी हक्की-बक्की रह गई। ऐसे में पहले से ही अतीक के बेटे की मुठभेड़ में हुई मौत को लेकर विपक्ष योगी सरकार पर निशाना साध रहा था, अतीक की हत्या के बाद तो उसका आक्रमण और भी तीखा हो गया है। ऐसे में यह समझना मुश्किल है कि जब उत्तर प्रदेश पुलिस बदमाशों के खिलाफ इतनी सख्ती बरत रही है, तब भी बदमाशों के हौसले इतने बुलंद कैसे हो गए हैं कि उन्हें पुलिस का भी खौफ नहीं रहा। क्या इससे यह जाहिर नहीं होता कि उत्तर प्रदेश पुलिस चुनिंदा अपराधियों के खिलाफ ही सख्ती बरत कर अपनी बहादुरी का भौंडा प्रदर्शन कर रही है। यह सब तब हुआ जब अतीक अहमद लगातार कहता आ रहा था कि यूपी पुलिस मुठभेड़ दिखा कर उसकी हत्या करना चाहती है। अपनी सुरक्षा की गुहार उसने सर्वोच्च न्यायालय में भी लगाई थी। तब सर्वोच्च न्यायालय ने पुलिस को उसे कैमरे की नजर में रखने और लाने-ले जाने का निर्देश दिया था। वैसे भी मुठभेड़ को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का स्पष्ट दिशा-निर्देश है, जिसमें मुठभेड़ में शामिल लोगों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज करानी पड़ती है। फिर जब अतीक ने सर्वोच्च न्यायालय में पहले ही अपनी हत्या की आशंका जाहिर कर दी थी, तो उत्तर प्रदेश पुलिस मुठभेड़ जैसी किसी भी स्थिति को लेकर सतर्क थी। ऐसे में विपक्षी दलों के इस आरोप को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि पुलिस ने चिकित्सीय जांच के लिए ले जाते वक्त जानबूझ कर लापरवाही बरती। क्या वजह है कि बदमाशों पर पुलिस की तरफ से एक भी गोली नहीं चलाई गई। पुलिस ने आखिर किस भरोसे मीडिया कर्मियों को अतीक और उसके भाई के बिल्कुल करीब तक जाने दिया। पुलिस शायद भूल गई थी कि अतीक गली छाप नहीं, बल्कि कुख्यात बदमाश है। ऐसे लोगों के बहुत सारे दुश्मन हो सकते हैं, जो ऐसे मौकों का लाभ उठा सकते हैं। दरअसल, अतीक और उसके भाई की हत्या के बाद इसलिए भी उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला हो रहा है कि खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कई मौकों पर कह चुके हैं कि जो भी अपराध करेगा, उसे 'ठोक' दिया जाएगा। अब तक योगी के शासन काल में पांच हजार से अधिक मुठभेड़ हो चुकी हैं, जिनमें एक सौ अस्सी से अधिक 'बदमाशों' को मार गिराया गया है। इस तरह बहुत सारे मामलों में न्यायालयों से बाहर उत्तर प्रदेश पुलिस खुद 'इंसाफ' कर चुकी है। पुलिस की कुशलता इस बात में मानी जाती है कि वह अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराने के बजाय उन्हें पकड़ कर न्यायालय के समक्ष पेश करे। अगर ऐसा नहीं होता, तो इससे एक तरह से हाथ के बदले हाथ और आंख के बदले आंख वाली तालिबानी प्रवृत्ति को ही बढ़ावा मिलता रहेगा।

सूट-बूट में झूठ

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वातानुकूलित कमरे में बैठकर कश्मीर, हवादार खिड़कियों वाले कमरे में बैठकर हवामहल और चूल्हे की आग को देखकर चुरू के बारे में लिखने वाले एक महाशय को उनके यूट्यूब कार्यक्रम मुसाफिर हूँ यारों के लिए सदी का श्रेष्ठ यायावर लेखक पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्राकृतिक यायावरी करने वालों के बीच आर्टिफिशियल यायावरों का बड़ा बोलबाला है। ग्रीन पर्दे के आगे बैठकर दुनिया जहान की बातें करेंगे और थोड़ी देर में ग्रीन क्रोम को स्वैप क्रोम करते हुए पलक झपकते ही आपको सुंदर वादियों में ले चलेंगे। पुरस्कार प्राप्त होने पर मैंने महाशय से पूछा - मैंने कभी आपको घर से बाहर जाते हुए नहीं देखा। जब देखो तब दो-तीन छोटे-बड़े झरोखे वाली बनियाइन और धारीदार लुंगी में पड़े-पड़े खटिया तोड़ते हुए देखा है। आपको यायावरी का पुरस्कार प्राप्त होना मेरे लिए किसी आठवें अजूबे से कम नहीं है। दुनिया में सभी सवाल-जवाब नहीं होते। सवालों के नाम पर शक भी होते हैं। शक की गहराई अपमानित करने का बड़ा प्लाट होती है। वे मेरे आशय को समझ गए। उन्होंने कहा - यायावरी को पहले बड़ी चुनौती वाला काम समझता था। लेकिन यायावरी से पहले मैंने जो नौकरियाँ की हैं उसका खासा अनुभव मेरे काम आया। पहले मैं रियल इस्टेट में काम करता था। शहर से दूर जहाँ कोई आता जाता नहीं था उस जमीन को ग्राफिक्स के नाम पर थ्रीडी पिक्चर्स में ढालना, मक्खी निगलने वाले झूठ जैसे यहाँ से आठ लाइन सड़क का जाना, स्विमिंग पुल, अम्युजमेंट पार्क, जिम आदि के झूठे-झूठे चित्र बनाकर ग्राहकों को फांसना हमारे लिए बाएँ हाथ का खेल था।

लेकिन इसमें मेरा फायदा कम मालिक का ज्यादा था। सो मैंने निर्णय किया कि अब से झूठ के बीज, झूठ की खेती और झूठ की फसल के जरिए सची-मुची वाला पैसा कमाऊँगा। मैंने कई यूट्युबरों को देखा है कि वे घर बैठे झूठ की कोठी उठा रहे हैं। एक में पाँच जोड़ना, अफवाहें फैलाना, बंगाली फकीरों-बाबाओं के धंधे खोलकर आम जिंदगी में विष घोलना और उसी के दम पर पैसे की उगाही करना मुझे भा गया। और तो और समाचार चैनलों के एंकरों ने जिस तरह से स्टूडियो में कुर्सियाँ तोड़ी हैं, उससे भी मैं बहुत प्रेरित हूँ। बेशक मैं बगल वाली गली के बारे में कुछ नहीं जानता, लेकिन स्विटजरलैंड की गलियों में घूमता नजर आता हूँ। दुनिया सच की नहीं ग्राफिक्स की दीवानी है। मैं तो कहता हूँ झूठ चाहे जितना बड़ा हो उसे प्रस्तुत करने की कला आ जाए तो लोग उसे सच मान जायेंगे। अब झूठ सूट-बूट पहनकर राज कर रहा है और सच नंगा-कंगाल होकर दर-दर की ठोकरें खा रहा है। लोगों को समझाने की नहीं बेवकूफ बनाने की जरूरत है। उनकी बेवकूफी में अपना फायदा हमेशा रहता है।

चुनाव बाद मुख्यमंत्री की घोषणा के पीछे मोदी की रणनीति

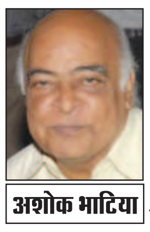

अशोक भाटिया

आगामी लोकसभा चुनाव से पहले इस साल और अगले साल 2023 में होने वाले किसी भी राज्य के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार पेश नहीं कर रही है । सभी चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और चेहरे पर ही लड़े जा रहे है । वैसे यह कोई नई बात नहीं है क्योंकि भाजपा में नरेंद्र मोदी और अमित शाह का युग शुरू होने के बाद पिछले आठ साल में पार्टी ने लगभग सभी विधानसभा चुनाव मोदी के चेहरे पर ही लड़े हैं और जीतने के बाद शीर्ष नेतृत्व की पसंद को मुख्यमंत्री बनाया है। अलबत्ता उत्तर प्रदेश और राजस्थान के पिछले चुनाव तथा 2015 में दिल्ली विधानसभा के चुनाव को जरूर अपवाद कहा जा सकता है। उत्तर प्रदेश में पार्टी ने योगी आदित्यनाथ और राजस्थान में वसुंधरा राजे के चेहरे पर चुनाव लड़ा था जबकि दिल्ली में उसने किरण बेदी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था। बताया जाता है कि चुनाव वाले राज्यों में भारी गुटबाजी, मुख्यमंत्रियों के खिलाफ एंटी इन्कमबैंसी, प्रतिकूल हो रहे सामाजिक समीकरण और कुछ क्षत्रपों को ठिकाने लगाने की शीर्ष नेतृत्व की योजना के तहत पार्टी बिना कोई चेहरा पेश किए चुनाव लड़ेगी। यह भी कहा जा रहा है कि चुनाव से पहले कराए जा रहे अंदरुनी सर्वेक्षणों में कई मुख्यमंत्रियों के बारे में नकारात्मक फीडबैक मिला है। इसलिए भी मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ने का फैसला हुआ है। यह स्थिति बताती है कि पार्टी में राज्य स्तर पर नेतृत्व विकसित करने की जो प्रक्रिया भाजपा में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के दौर में जारी थी, उसे अब लगभग खत्म कर दिया गया है। पार्टी में अब सब कुछ सिर्फ दो लोगों (मोदी और शाह) की मर्जी से होता है। 7 महीने बाद राजस्थान में विधानसभा चुनाव हैं। भाजपा में सबसे बड़ा सवाल मुख्यमंत्री फेस को लेकर है। भाजपा में हाल ही में कई बड़े परिवर्तन किए गए। सीपी जोशी को प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया। राजेंद्र राठौड़ को नेता प्रतिपक्ष और सतीश पूनिया को उपनेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।इन बदलावों के बाद राजनीति के गलियारों में एक कयास ये भी लगाया जा रहा है कि क्या भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को मुख्यमंत्री फेस के रूप में प्रोजेक्ट कर सकती है या जीतने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी जा सकती है ?पर वर्ष 2003 और 2013 में राजस्थान में वसुंधरा राजे को प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया था और उन्हें ही मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर चुनाव लड़े गए। चुनाव जीतने पर उन्हें मुख्यमंत्री भी बनाया गया। जानने की कोशिश करते है कि भाजपा सत्ता हासिल करने के बाद मुख्यमंत्री कैसे चुनती है ?अध्ययन में सामने आया कि 2016-2017 के बाद भाजपा ने किसी भी राज्य में प्रदेशाध्यक्ष को मुख्यमंत्री नहीं बनाया। हां, उससे पहले जरूर पार्टी ने प्रदेशाध्यक्ष को मुख्यमंत्री बनाया था। मोदी-शाह ने अपनी चुनाव रणनीति में यह बदलाव देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश का चुनाव जीतने के बाद किया। तब से लेकर अब तक पार्टी ने 10-12 राज्यों में सरकार बनाई लेकिन कहीं भी प्रदेशाध्यक्ष को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। उत्तराखंड में तो एक हारे हुए नेता को मुख्यमंत्री बना दिया। यह मोदी और शाह की नीति रही कि उत्तरप्रदेश में 2017 और 2022 में भाजपा ने लगातार दो बार सरकार बनाई। देश के सबसे बड़े राज्य में 2017 में केशव प्रसाद मौर्य और 2022 में स्वतंत्र देव सिंह प्रदेशाध्यक्ष थे लेकिन मुख्यमंत्री बनाया गया योगी आदित्यनाथ को। असम राज्य में भाभेश कलिता प्रदेशाध्यक्ष हैं। उनके इस पद पर रहते 2021 में भाजपा की सरकार बनी लेकिन मुख्यमंत्री बनाया गया हेमंत बिश्वा सरमा को।पार्टी ने हरियाणा में 2014 और 2019 में लगातार दो बार सत्ता हासिल की है। इस दौरान रामबिलास शर्मा, सुभाष बराला और ओ.पी. धनखड़ प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। वर्तमान में धनखड़ प्रदेशाध्यक्ष हैं लेकिन दोनों बार मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को बनाया गया। आर्थिक रूप से देश के सबसे समृद्ध राज्य महाराष्ट्र में 2015 के बाद दो बार भाजपा सत्ता में आ चुकी है। इस दौरान वहां तीन प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं... चंद्रशेखर बावनकुले, राव साहब दानवे और चंद्रकांत पाटिल। भाजपा ने 2014 और 2019 में मुख्यमंत्री बनाया देवेन्द्र फड़नवीस को। फड़नवीस को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद से तो सप्ताह भर में ही इस्तीफा देना पड़ा था। अब साल भर पहले वहां एनसीपी-शिवसेना-कांग्रेस की सरकार गिर गई तो भाजपा फिर से सत्ता में आई है, लेकिन फड़नवीस को ही उप उप मुख्यमंत्री बनाया गया है किसी प्रदेशाध्यक्ष को नहीं। भाजपा के अभेद्य गढ़ बन चुके गुजरात में 2017 में जीतू वाघानी प्रदेशाध्यक्ष थे, लेकिन मुख्यमंत्री बनाया था विजय रुपाणी को। इसके बाद हाल ही ही में भाजपा ने अब तक की सबसे बड़ी जीत 2022 में हासिल की। भाजपा की इस जीत में प्रदेशाध्यक्ष सीआर पाटिल का महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। पार्टी ने 182 में 156 सीटें हासिल की हैं, लेकिन मुख्यमंत्री बनाया गया है भूपेंद्र पटेल को। पार्टी ने दक्षिण भारत के अपने प्रवेश द्वार कर्नाटक में इन दिनों नलिन कुमार कतील को प्रदेशाध्यक्ष बनाया हुआ है। कतील अगस्त-2019 से लगातार इस पद पर हैं। इस दौरान पार्टी ने पहले बी। एस। येद्दीयुरप्पा को और बाद में बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया। वर्तमान में बोम्मई मुख्यमंत्री हैं। इस चुनाव में कौन बनेगा यह केवल भगवान जनता है यह यां मोदी और शाह । देश का दिल कहे जाने वाले मध्यप्रदेश में पार्टी 2003 से लगातार 2018 तक सत्ता में रही। 2018 में पार्टी चुनाव हारी लेकिन मार्च-2020 में फिर से सत्ता में आ गई। इस दौरान नरेंद्र पाल सिंह तोमर और राकेश सिंह प्रदेशाध्यक्ष रहे लेकिन मुख्यमंत्री बनाया गया शिवराज सिंह चौहान को। पहाड़ी राज्य ऊतराखंड में भाजपा 2017 और 2022 में लगातार दो बार चुनाव जीतकर सत्ता में आई है। वर्ष 2017 में प्रदेशाध्यक्ष थे अजय भट्ट, लेकिन मुख्यमंत्री बनाया गया त्रिवेंद्र सिंह रावत को। फरवरी 2022 में प्रदेशाध्यक्ष थे मदन कौशिक लेकिन मुख्यमंत्री बनाया गया पुष्कर सिंह धामी को, जबकि धामी खुद चुनाव भी हार गए थे। गोवा राज्य में वर्ष 2012 से लेकर अभी तक विनय दीनू तेंदुलकर और सदानंद शेठ लगातार प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। वर्ष 2017 और 2022 में लगातार पार्टी ने चुनाव जीते। वर्ष 2017 में मनोहर परीकर और 2022 में प्रमोद सांवत को मुख्यमंत्री बनाया गया। वर्तमान में सांवत मुख्यमंत्री और शेठ प्रदेशाध्यक्ष हैं।हिमाचल प्रदेश राज्य में अभी 4 महीने पहले भाजपा सत्ता से बाहर हुई है लेकिन जब 2017 में यहां चुनाव जीती थी, तो प्रदेशाध्यक्ष थे सतपाल सिंह सत्ती, लेकिन मुख्यमंत्री बनाया गया जयराम ठाकुर को। पूर्वोत्तर के त्रिपुरा राज्य में अभी एक महीने पहले ही पार्टी सरकार में रिपीट हुई है। मुख्यमंत्री बनाया गया है मानिक साहा को, जबकि पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हैं राजवी भट्टाचार्य। असम में भी 2012 से 2014 के बीच प्रदेशाध्यक्ष थे सर्वानंद सोनोवाल। फिर उन्हें बदल दिया गया, लेकिन एक वर्ष बाद 2015 में वापस उन्हें प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया और 2016 के चुनावों में जीत मिलने पर मुख्यमंत्री भी बनाया गया। इसी तरह से वर्ष 2003 में मध्यप्रदेश में उमा भारती को प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया था और चुनाव जीतने पर मुख्यमंत्री भी बनाया गया था। 2014 में प्रधानमंत्री के पद पर नरेंद्र मोदी के आने के बाद भाजपा की बहुत सी नीतियों में क्रांतिकारी बदलाव हुए है । उनमें से एक बदलाव यह भी हुआ कि पार्टी ने प्रदेशाध्यक्ष की भूमिका एक ऑर्गेनाइजर की बनाई। इस भूमिका के तहत प्रदेशाध्यक्ष को संगठन संभालने, संगठन चलाने और संगठन के विस्तार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाती रही है। पार्टी का स्पष्ट मत है कि पार्टी का संगठन मजबूत करने पर सत्ता प्राप्ति ज्यादा आसान रहती है। इसके लिए प्रदेशाध्यक्ष किसी काबिल रणनीतिकार को बनाया जाता है, जो बिना लाग-लपेट के पार्टी को सत्ता में लाने के लिए संगठन को तैयार कर सके। जिन राज्यों में भाजपा ने 2016-2017 के बाद चुनाव जीते हैं, वहां भाजपा ने या तो किसी स्थानीय प्रदेश स्तरीय नेता पर भरोसा जताया है या फिर किसी तेज तर्रार सांसद पर। जैसे असम में तत्कालीन सांसद सर्वानंद सोनोवाल को मुख्यमंत्री बनाया था।

मलिक से पूछा जाना चाहिए देश के चार साल क्यों छीने !

श्रवण गर्ग

चौदह फ़रवरी 2019 की दोपहर सवा तीन बजे पुलवामा में हुए दिल दहला देने वाले आतंकी हमले को लेकर भाजपा नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मालिक द्वारा किए गए सनसनीख़ेज़ खुलासे पर देश के नागरिकों को किस प्रकार की प्रतिक्रिया व्यक्त करना चाहिए ? क्या नागरिकों और हमले में शहादत प्राप्त करने वाले चालीस सीआरपीएफ़ के जवानों के परिजनों को मलिक का इसके लिए आभार मानना और अभिनंदन करना चाहिए या उनकी पार्टी की सरकार के साथ-साथ उन्हें भी कठघरे में खड़ा करके कुछ तीखे सवाल पूछना चाहिए ? क्या सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए कि आतंकी हमले की घटना के तुरंत बाद उनके द्वारा प्रधानमंत्री से यह कहने पर कि :' ये हमारी गलती से हुआ है !

अगर हम एयरक्राफ्ट दे देते तो यह नहीं होता' मोदी द्वारा टका-सा जवाब देने ('तुम अभी चुप रहो ! यह सब मत बोलो, यह कोई और चीज़ है ,हमें बोलने दो ') के सिर्फ़ दो महीने बाद ही चुनावों के ज़रिए देश का राजनीतिक भविष्य तय कर सकने की ताक़त वाले एक 'सत्य' को उन्होंने चार साल तक किसके दबाव में दबाए रखा ? समाजवादी भूमिका से निकालकर राजनीति के मैदान में आए मलिक को क्या पीएम का जवाब सुनने के तत्काल बाद पद से इस्तीफ़ा नहीं दे देना था ? स्वाभिमान के साथ ऐसा करने के बजाय मलिक एक राज्य से दूसरे राज्य का राजभवन सुशोभित करते रहे ! मलिक का कहना है कि वे जवानों की सड़क मार्ग से यात्रा के पक्ष में नहीं थे। पच्चीस सौ जवानों को 78 वाहनों के ज़रिए जम्मू से श्रीनगर पहुँचाया जा रहा था। सीआरपीएफ़ द्वारा गृह मंत्रालय से विमानों की माँग की गई थी पर उसे मंज़ूरी नहीं दी गई। मलिक देश को अब जानकारी दे रहे हैं कि विमानों की माँग अगर उनसे की गई होती तो 'मैं कैसे भी करके देता' ! मलिक न सिर्फ़ पुलवामा हादसे पर ही प्रधानमंत्री के कहे मुताबिक़ चुप्पी साधे रहे, जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाले आर्टिकल 370 को भी उन्होंने चुपचाप ख़त्म हो जाने दिया, दुनिया के सबसे लंबे इंटरनेट शटडाउन को भी राज्य में लागू होने दिया, मीडिया के ख़िलाफ़ होने वाली अन्यायपूर्ण करवाई का भी उन्होंने कोई विरोध नहीं किया और महबूबा मुफ़्ती को सरकार बनाने का मौक़ा यह मानते हुए नहीं दिया कि उनके पास पर्याप्त बहुमत नहीं था। घाटी में मीडिया के ख़िलाफ़ की गई कार्रवाई को लेकर लगाए जाने वाले प्रत्येक आरोप से मलिक इंकार करते हैं। पुलवामा हादसा 14 फ़रवरी 2019 को हुआ था। उसके लगभग दो महीने बाद ही लोकसभा के लिए सात चरणों में 11 अप्रैल से 19 मई के बीच मतदान हुआ था। देश को जानकारी है कि हादसे के तत्काल बाद कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों ने पुलवामा में सरकार के ख़ुफ़िया तंत्र की विफलता सहित कई आरोप मोदी सरकार पर लगाये थे और जवाबों की माँग की थी। विपक्ष के एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया गया। भाजपा ने पुलवामा को चुनावी मुद्दा बनाते हुए अपने राष्ट्रवादी आक्रमण का मोर्चा पाकिस्तान की तरफ़ मोड़ दिया था।

अंग्रेज़ी दैनिक 'द टेलिग्राफ़' ने मलिक को यह कहते हुए उद्धृत किया है कि :' मुझे लग गया था कि अब सारा ओनस पाकिस्तान की तरफ़ जाना है तो चुप रहना चाहिए' ! मलिक ने अपनी चुप्पी को बनाए रखा और भाजपा भारी बहुमत से 2019 का चुनाव जीत गई।

मलिक ने अपनी चुप्पी तोड़ना तभी शुरू कर दिया था जब उन्हें गोवा से हटाकर मेघालय का राज्यपाल बना दिया गया था और पंजाब, हरियाणा के साथ-साथ उनके इलाक़े पश्चिमी यूपी के किसान भी काले कृषि क़ानूनों के ख़िलाफ़ दिल्ली बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे थे। मलिक ने तब भी पुलवामा को लेकर कोई बात सार्वजनिक नहीं की ! किसानों के हित में उनका राज्यपाल के पद पर होते हुए भी बोलना ज़रूरी था क्योंकि आगे आने वाले दिनों की राजनीति उन्हें उन्हीं के बीच करनी थी। अब जब पुलवामा पर ज़ुबान खोली तो करण थापर के साथ इंटरव्यू में मलिक ने आत्मविश्वास के साथ यह भी कहा भी : 'ये लोग मुझे मरवा नहीं सकेंगे, मेरे साथ किसान हैं। जिस दिन मुझे छेड़ेंगे ,फिर ये कभी रैली नहीं कर पाएँगे !') पूर्व राज्यपाल अब खूब बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री के भ्रष्टाचार के प्रति रुख़ ('पीएम को भ्रष्टाचार से बहुत नफ़रत नहीं है !') ,कश्मीर के बारे में पीएम को अपर्याप्त जानकारी, गोवा में जनता के धन की लूट—कोई विषय नहीं बच रहा जिस पर मलिक इस समय नहीं बोल रहे हैं ! मलिक कहते हैं वे न तो किसी पार्टी में जाएँगे और न चुनाव लड़ेंगे पर कांग्रेस ने उन्हें अपना अघोषित चुनावी प्रतीक बना लिया है।

अदाणी से रिश्तों के साथ-साथ पुलवामा को लेकर भी पार्टी ने पीएम से सवाल पूछना शुरू कर दिये हैं कि : 'सीआरपीएफ़ के जवानों के लिए विमान क्यों नहीं दिए गए थे ?' तो क्या 2019 की तरह ही पुलवामा 2024 में भी प्रमुख चुनावी मुद्दा बनने वाला है ? इस बार विपक्ष की ओर से ? सिर्फ़ अनुमान ही लगाए जा सकते हैं कि जिस साहस का प्रदर्शन मलिक साक्षात्कारों में इस समय कर रहे हैं वे 14 फ़रवरी 2019 से 11 अप्रैल 2019 के बीच कर देते तो लोकसभा चुनावों के बाद देश की राजनीति का भविष्य क्या होता !

क्या तब भाजपा को इतना बड़ा बहुमत मिल पता ?मोदी हार नहीं जाते ? लोकतांत्रिक तौर पर देश आज किस स्थिति में होता ? क्या जनता की किसी अदालत में सत्यपाल मलिक से पूछा नहीं जाना चाहिए कि उनके इतने लंबे समय तक चुप रहने और अब मुँह खोलने के देश हित में असली कारण क्या हैं ? देश की ज़िंदगी से उसके क़ीमती चार साल क्यों छीने गए ? क्या मलिक जवाब देंगे ?

http://shravangarg17 17.blogspot.com

कृषि रोबोट: किसानों का किफायती दोस्त

प्रियंका सौरभ

भारत में कृषि उद्योग में पिछले कुछ दशकों में भारी बदलाव आया है। पारंपरिक खेती के तरीकों से लेकर स्मार्ट खेती तक, हमने एक लंबा सफर तय किया है। प्रौद्योगिकी ने अंततः ग्रामीण कृषि की चुनौतियों पर काबू पा लिया है और उत्पादकता बढ़ाने के लिए लगातार उन्नत समाधान लेकर आ रही है। अंतिम उद्देश्य किसानों को बढ़ती आबादी को खिलाने के लिए उच्च उपज वाली फसलों का उत्पादन करने में मदद करना है। इस सतत विकास को प्राप्त करने के लिए, कृत्रिम बुद्धि के साथ संयुक्त तकनीकी विकास ने ड्रोन, नमी सेंसर इत्यादि के आकार में नए-नए गैजेट पेश करने में मदद की है। ऐसा ही एक उदाहरण कृषि रोबोट है। रोबोटिक्स प्रौद्योगिकी की वह शाखा है जो रोबोट के डिजाइन, निर्माण, संचालन, संरचनात्मक निक्षेपण, निर्माण और अनुप्रयोग से संबंधित है। आज रोबोटिक्स तेजी से बढ़ता क्षेत्र है और यह विभिन्न व्यावहारिक उद्देश्यों की पूर्ति करने वाले नए रोबोटों के अनुसंधान, डिजाइन और निर्माण में जारी है। भारत में कृषि उत्पादकता और स्थिरता बढ़ाने में रोबोटिक्स फसल और मिट्टी के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए कंपनियां सेंसर और विभिन्न तकनीकों का लाभ उठा रही हैं।

विभिन्न एआई और मशीन लर्निंग टूल्स का उपयोग बीज बोने के समय की भविष्यवाणी करने, कीट हमलों से जोखिमों पर अलर्ट प्राप्त करने आदि के लिए किया जा रहा है। कंपनियां एक कुशल और स्मार्ट आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए कई स्रोतों से आने वाले डेटा-स्ट्रीम पर रीयल-टाइम डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कर रही हैं। कृषि रोबोट कंपनियां आवश्यक कृषि कार्यों को संभालने के लिए स्वायत्त रोबोट विकसित और प्रोग्रामिंग कर रही हैं, जैसे मानव मजदूरों की तुलना में अधिक मात्रा में और तेज गति से फसल की कटाई। कृषि रोबोट के कुछ उदाहरण है जैसे ग्रीन सीकर सेंसर स्मार्ट मशीन एक पौधे की ज़रूरतों को पढ़ती है और फिर आवश्यक शाकनाशियों के उर्वरक की मात्रा को सटीक रूप से लागू करती है। ग्रीन सीकर एक ऐसी मशीन है जो सेंसर का उपयोग करके पौधे को बताती है कि उसे क्या चाहिए। रोबोट ड्रोन ट्रैक्टर रोबोट ड्रोन की एक नई पीढ़ी हमारे खेती करने के तरीके में क्रांति ला रही है, विभिन्न रोबोट के निर्माण के साथ, पहली बार रोबोट ड्रोन ट्रैक्टर की घोषणा कृषि मुख्यधारा का हिस्सा बन गई है। रोबोट यह तय करेगा कि कहां बोना है, कब फसल काटनी है और खेत को पार करने के लिए सबसे अच्छा मार्ग कैसे चुनना है। उर्वरक फैलाने के लिए उड़ने वाले रोबोट इली खेतों के ऊपर फसलों की बढ़ती स्थिति की निगरानी करता है, एक स्वचालित उर्वरक प्रणाली के साथ, रोबोट स्वायत्त रूप से उड़ सकता है। फल चुनने वाले रोबोट अनुसंधान अभी भी पूरी तरह से प्रगति पर है, विशेष रूप से रोबोट को सावधानीपूर्वक डिजाइन करने की आवश्यकता है ताकि वे फलों को तोड़ते समय चोट न करें। एक समाधान सक्शन ग्रिपर्स का उपयोग है, जिसका उपयोग स्वचालित फल चुनने वाली मशीनों पर किया जाता है, मानव श्रम के बिना डेयरी पशुओं, विशेष रूप से डेयरी मवेशियों का दूध दुहना है। स्वचालित दुग्ध प्रणाली, जिसे स्वैच्छिक दुग्ध प्रणाली भी कहा जाता है, 20वीं शताब्दी के अंत में विकसित की गई थी। भारत में कृषि उपकरण कंपनियों और शोधकर्ताओं ने पारंपरिक खेती की जरूरतों के लिए बहुत सारे छोटे और भारी कृषि उपकरण विकसित किए हैं। यदि खरपतवार नियंत्रण के लिए रोबोट का उपयोग किया जा रहा है, तो इससे शाकनाशियों के उपयोग को कम करने में मदद मिलेगी और उपज जैविक में बदल जाएगी, उसी तरह रोबोटों का उपयोग सघनता से बचने के लिए रोपाई के लिए किया जा सकता है। ग्रामीण आविष्कारकों द्वारा कुछ प्रभावशाली नवीन तकनीकों को सेल फोन द्वारा दूर से संचालित किया जा सकता है, यह गर्मियों के समय में किसानों के लिए बहुत मददगार है क्योंकि बिजली की आपूर्ति अनियमित है। विभिन्न लाभों के बावजूद, कृषि रोबोटों की कुछ कमियाँ उनके उपयोग में काफी बाधा डालती हैं। एग्रीबॉट्स ऐसी मशीनें हैं जिनमें काफी निवेश की आवश्यकता होती है, जो उन्हें छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक महंगा मामला बनाती हैं। एगबॉट्स नवीनतम तकनीकी प्रगति से सुसज्जित हैं, जिससे उनका उपयोग करना जटिल हो जाता है।

आक्रमण के पीछे 'पीएफआइ' अथवा नक्सलवादी, इसका पता लगाएं

श्री. मोहन गौडा

कर्नाटक के गौरी लंकेश हत्या प्रकरण की चपेट में आए हिन्दुत्वनिष्ठों की ओर से अभियोग लडवानेवाले हिन्दुत्वनिष्ठ अधिवक्ता कृष्णमूर्ती पर कल रात अज्ञातों द्वारा गोलीबारी की गई । अधिवक्ता कृष्णमूर्ती, विश्व हिन्दू परिषद की बैठक के पश्चात अपने चौपहिया वाहन से लौटते समय कर्नाटक के चेट्टळ्ळी से मडिकेरी (जिला कुर्ग) प्रवास कर रहे थे । इस दौरान उनपर आक्रमण किया गया। इस कायरतापूर्ण आक्रमण का हिन्दू जनजागृति समिति तीव्र शब्दों में निषेध करती है । इस गोलीबारी के पीछे किसका हाथ है, इस अधिवक्ता पर आक्रमण करके किसे लाभ होनेवाला है, इस दृष्टि से कर्नाटक पुलिस छानबीन कर इस प्रकरण के आक्रमणकारियों एवं 'मास्टरमाइंड'को ढूंढ निकाले, ऐसी मांग हिन्दू जनजागृति समिति के कर्नाटक प्रवक्ता श्री. मोहन गौडा ने की है। गौरी लंकेश हत्या प्रकरण में हिन्दुत्वनिष्ठ आरोपी के मुख्य अधिवक्ता पर प्राणघातक आक्रमण होना, यह अत्यंत गंभीर एवं संशयास्पद है । गौरी लंकेश का नक्सलवादियों से संपर्क था, ऐसा उन्होंने स्वयं ही कहा था । इसके साथ ही उनकी मृत्यु के उपरांत नक्सलवादियों ने भी निषेध व्यक्त किया था । इस पार्श्वभूमि पर यह आक्रमण अर्थात इस प्रकरण के वकील पर एक प्रकार से दबाव लाने का प्रयत्न ही है, ऐसी शंका उत्पन्न होती है । अधिवक्ता कृष्णमूर्ती इस आक्रमण में बच तो गए हैं, तब भी उन पर पुनः आक्रमण होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता । इसलिए उन्हें सशस्त्र पुलिस संरक्षण देने की आवश्यकता है । इस कायरतापूर्ण आक्रमण के पीछे 'पॉप्युलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पी.एफ.आइ.) समान कोई कट्टरतावादी जिहादी संगठन है अथवा गौरी लंकेश समर्थक अर्बन नक्सलवादी हैं, इसकी जांच होनी अत्यंत आवश्यक है, ऐसा श्री. गौडा ने कहा । अधिवक्ता कृष्णमूर्ति की किसी से शत्रुता नहीं थी । वे हिन्दुत्व के क्षेत्र में सक्रिय हैं, इसी कारणवश उन पर आक्रमण होने की गहरी संभावना है । यह आक्रमण हिन्दुओं पर है । इस प्रयास को विफल कर इसके पीछे 'मास्टरमाइंड'को ढूंढें, ऐसी हम मांग कर रहे हैं । इस संदर्भ में हम शीघ्र ही कर्नाटक के पुलिस महासंचालक से मिलकर उनसे उपरोक्त मांग करनेवाले हैं । कर्नाटक में इससे पूर्व भी हिन्दुत्वनिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ताओं पर प्राणघातक आक्रमण हुए हैं, अनेकों की हत्या कर दी गई है ।

राज्य में कानून एवं सुव्यवस्था बिगाड़ने वाले इन आक्रमणकारियों पर कार्रवाई की जाए, ऐसी मांग भी हम करनेवाले हैं । इससे पूर्व भी अधिवक्ता कृष्णमूर्ति को 'पॉप्युलर फ्रंट ऑफ इंडिया' नामक आतंकवादी संगठन ने जान से मारने की धमकी दी गई थी ।

वैशाख मास को क्यों कहते हैं माधव मास

जल दान से मिलेगा पुण्य

हिन्दू कैलेंडर का दूसरा माह वैशाख माह है। विशाखा नक्षत्र के नाम पर इसका नाम वैशाख रखा गया है। 6 अप्रैल से प्रारंभ हुआ वैशाख माह 5 मई 2023 शुक्रवार तक चलेगा। 5 मई को वैशाख पूर्णिमा है। इस माह को माधव मास भी कहत हैं। पुराणों में इस माह की महिमा का वर्णन मिलता है। आओ जानते हैं इस माह में जल दान का महत्व।

वैशाख माह के खास दिवस : इस महीने गंगा उपासना, वरुथिनी एकादशी, मोहिनी एकादशी, अक्षय तृतीया, वैशाख पूर्णिमा जैसे महत्वपूर्ण त्योहार और व्रत आदि मनाए जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी माह से त्रेतायुग का आरंभ हुआ था। इसी वजह से इसका धार्मिक महत्व बढ़ जाता है।

वैशाख अमावस्या पर शनि जयंती भी मनाई जाती है, इसलिए शनि देव तिल, तेल और पुष्प आदि चढ़ाकर पूजन करनी चाहिए।

माधव मास क्यों कहते हैं-

इस माह को माधव नाम से भी जाना जाता है। माधव विष्णु का एक नाम है। इस माह में विष्णु भगवान की पूजा का खासा महत्व है। वैशाख मास में भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। इस दौरान भगवान विष्णु की तुलसीपत्र से माधव रूप की पूजा की जाती है। स्कन्द पुराण के वैष्णव खण्ड अनुसार..

न माधवसमो मासो न कृतेन युगं समम।
न च वेदसमं शास्त्रं न तीर्थं गंगया समम।।

अर्थातः माधवमास, यानि वैशाख मास के समान कोई मास नहीं है, सतयुग के समान कोई युग नहीं है, वेदों के समान कोई शास्त्र नहीं है और गंगाजी के समान कोई तीर्थ नहीं है।

इस माह के दौरान आपको- 'ॐ माधवाय नमः' - मंत्र का नित्य ही कम से कम 11 बार जप करना चाहिए।

भगवान विष्णु के केशव, हरि, गोविंद, त्रिविकरम, पद्मानाभ, मधुसूदन, अच्युत और हृषिकेष नाम का भी ध्यान करें।

विष्णुजी को पंचामृत का भोग लगाएं और उस पंचामृत में तुलसी पत्र डालना न भूलें।
साथ ही उन्हें सफेद या पीले फूल अर्पित करने चाहिए।
इससे आपके करियर में, नौकरी में, व्यापार में तरक्की होगी।
इससे जीवन में कभी कोई संकट नहीं आएगा और दांपत्य जीवन भी सुखमय व्यतीत होगा।

जल का दान का महत्वः

इस दिन नदी, जलाशय या कुंड आदि में स्नान करें।
सूर्य देव को अर्घ्य देकर बहते हुए जल में तिल प्रवाहित करें।
इसी के साथ प्याऊ लगाएं या लोगों को जल पिलाएं।
इस माह में शिव मंदिर में पानी से भरी मटकी दान करना चाहिए।
इस महीने में पशु-पक्षियों को भी जल पिलाने की व्यवस्था करें।

जिसका विशेष पुण्य फल मिलता है

वैशाखमास में सिर्फ जल का दान करने से सब तीर्थों के दर्शन का पुण्य प्राप्त होता है। जो व्यक्ति प्यासों को शीतल जल पिलाता है, उसे दस हजार राजसूय यज्ञों का फल प्राप्त होता है। जो प्याऊ लगाता है, वह विष्णुलोक में प्रतिष्ठित होता है।

शास्त्रों के अनुसार इस माह में प्याऊ लगाना, छायादार वृक्ष की रक्षा करना, पशु-पक्षियों के खान-पान की व्यवस्था करना, राहगीरों को जल पिलाना जैसे पुण्य कार्य मनुष्य के जीवन को समृद्धि के रास्ते पर ले जाते हैं।

हाथी पर सवार मां लक्ष्मी की तस्वीर या प्रतिमा से वैभव मिलता है

मां लक्ष्मी कमल के फूल के अतिरिक्त गज यानी हाथी पर सवार होती हैं। आइए जानते हैं हाथी पर सवार लक्ष्मी माता की तस्वीर या प्रतिमा घर में रखने से क्या होता है?

यह हम सभी जानते हैं कि मां लक्ष्मी की पूजा से धन और वैभव की प्राप्ति होती है।

लेकिन अगर घर पर माता की मूर्ति या तस्वीर को रखें तो उसमें ऐरावत हाथी होना बहुत शुभ माना जाता है। अगर हाथी अपनी सूंड में कलश लिए है तो यह और भी शुभ फलों को प्रदान करने वाली तस्वीर है।

गजलक्ष्मी की मूर्ति या तस्वीर (मां लक्ष्मी जिसमें श्वेत हाथी पर सवार हैं) को घर के उत्तर-पूर्व कोने या मंदिर में सीधे हाथ की तरफ रखा जाना चाहिए।

देवी लक्ष्मी की गज पर सवार प्रतिमा या तस्वीर उत्तर दिशा में रखना भी शुभ माना गया है।

घर में हाथी पर सवार मां लक्ष्मी की तस्वीर या मूर्ति से संपन्नता, सुख, समृद्धि, शांति, वैभव, ऐश्वर्य, उन्नति, उपलब्धि, खुशियां, धन आदि के रास्ते सरलता से खुलते हैं।

हाथी पर सवार मां लक्ष्मी गजलक्ष्मी कही जाती हैं और श्राद्ध पक्ष की अष्टमी पर इनका विशेष व्रत, अर्चन और आराधन किया जाता है।

हाथी पर सवार मां लक्ष्मी की कथा पांडव, कुंती देवी और ऐरावत से जुड़ी है।

मां लक्ष्मी के शुभ वाहन में चांदी या सोने का हाथी बहुत पवित्र माना गया है लेकिन क्षमता अनुसार पीतल, लकड़ी, कांसे, संगमरमर और रेड स्टोन भी शुभ कहा गया है।

हाथी पर सवार मां लक्ष्मी घर में रखने से अन्य देवी देवता का आशीष भी सहज मिल जाता है।

हाथी पर सवार मां लक्ष्मी आरोग्य,सौभाग्य और सफलता की शुभ प्रतीक हैं।

इस तरह की तस्वीर या प्रतिमा बाधाओं को हटाती है और आगे बढ़ने के मार्ग प्रशस्त करती है।

साल का पहला सूर्य ग्रहण 20 अप्रैल को

भारत में नहीं दिखेगा ग्रहण, सूतक भी नहीं रहेगा

वैशाख अमावस्या कर सकते हैं दान-पुण्य और पूजा-पाठ

गुरुवार, 20 अप्रैल को वैशाख मास की अमावस्या (सतुवाई अमावस्या) है और इस दिन सूर्य ग्रहण भी है। 20 अप्रैल का सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा, इस कारण देश में सूतक नहीं रहेगा। वैशाख मास अमावस्या से जुड़े सभी शुभ काम किए जा सकेंगे।

भारतीय समय के अनुसार सूर्य ग्रहण सुबह 7 बजे बाद शुरू हो जाएगा। आस्ट्रेलिया और कुछ अन्य देशों में सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। शास्त्रों की मान्यता है कि जहां-जहां ग्रहण दिखाई देता है, वहां-वहां ग्रहण का सूतक रहता है। सूर्य ग्रहण का सूतक ग्रहण लगने से करीब 12 घंटे पर शुरू हो जाता है और ग्रहण खत्म होने के साथ सूतक

खत्म होता है। 20 अप्रैल के बाद 14 अक्टूबर को भी सूर्य ग्रहण होगा। ये सूर्य ग्रहण भी भारत में नहीं दिखेगा।

वैशाख मास की अमावस्या पर कर सकते हैं ये शुभ काम

वैशाख अमावस्या पर ग्रहण का सूतक नहीं रहेगा तो इस दिन सभी पूजन-पाठ किए जा सकते हैं। ग्रहण के लिए दान-पुण्य करना चाहते हैं तो भक्त अपनी इच्छा के अनुसार कर सकता है।

अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। इस तिथि पर गंगा, यमुना, सरस्वती, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान के लिए काफी अधिक भक्त पहुंचते हैं। स्नान के बाद नदी किनारे पर दान-पुण्य करना चाहिए।

जो लोग नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए। स्नान करते समय सभी तीर्थों का और नदियों का ध्यान करना चाहिए।

जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज, जूते-चप्पल और कपड़े का दान करें। सतुवाई अमावस्या पर किए गए शुभ कर्मों का अक्षय पुण्य मिलता है।

निर्धन सूर्य ग्रहण का ऐसा रहेगा असर

ये सूर्य ग्रहण मेष राशि में होगा। बृहत्संहिता के राहुचारध्याय के अनुसार ग्रहण के समय स्वराशि गत शनि की सूर्य पर दृष्टि होगी और नवांश में शनि की दृष्टि मंगल पर होगी। केतु के स्वामित्व वाले नक्षत्र में ये ग्रहण होगा। इस कारण भूकंप आने की संभावनाएं हैं। युद्ध होने के योग हैं। मेष राशि वालों को विशेष सावधान रहना होगा। मंहगाई बढ़ेगी। सोने के दाम बढ़ सकते हैं।

अप्रैल में ही बदलेगी बुध-गुरु की चाल

मौसम में अचानक बदलाव और अर्थव्यवस्था में सुधार होगा

अप्रैल के आखिरी दिनों में सितारों की चाल में बदलाव होंगे। इन दिनों में पहले बुध वक्री होगा। अगले दिन गुरु राशि परिवर्तन करेगा। इसके एक दिन बाद बुध अस्त होगा फिर चार दिन बाद गुरु उदय होगा। अक्षय तृतीया के दिन ही गुरु का राशि परिवर्तन होगा। इन ग्रहों की चाल में बदलाव का असर देश-दुनिया सहित सभी राशियों पर दिखेगा।

कब कौन सा ग्रह राशि बदलेगा

21 अप्रैल को बुध मेष राशि में वक्री हो जाएगा। 22 तारीख को गुरु राशि बदलकर मेष में आ जाएगा। जिससे मेष राशि में सूर्य, बुध, गुरु और राहु से चतुर्ग्रही योग बनेगा। फिर 24 अप्रैल को बुध मेष राशि में सूर्य के साथ रहते हुए अस्त भी हो जाएगा। इसके बाद 2 अप्रैल को अस्त हुआ गुरु 29 अप्रैल को उदय हो जाएगा।

बुध होगा अतिचारी, गुरु के राशि परिवर्तन से चतुर्ग्रही योग

आमतौर पर बुध ग्रह एक राशि में 21 दिन तक रहता है। लेकिन इस बार ये मेष राशि में करीब 69 दिनों तक रहेगा। इस स्थिति को ज्योतिष में अतिचारी होना कहते हैं। बुध के अतिचारी होने से आर्थिक मामलों में उथल-पुथल हो सकती है। वहीं, गुरु की बात करें तो ये ग्रह एक राशि में करीब साल भर तक रुकता है। वहीं, गुरु के राशि परिवर्तन से मेष राशि में सूर्य, बुध, गुरु और राहु से चतुर्ग्रही योग बनेगा।

देश-दुनिया पर ग्रहों का असर...

ग्रहों के राशि परिवर्तन से अचानक मौसम बदलेगा। देश में कई जगहों पर बारिश होगी। शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव आएंगे। अर्थव्यवस्था में मजबूती आएगी। धर्म को लेकर बड़े फैसले होंगे। शिक्षा से जुड़ी नई योजनाएं बनेंगी और उन पर काम भी होगा। प्रशासन के काम और फैसलों से लोगों में तनाव बढ़ेगा। उपद्रव होंगे। विवाद की स्थितियां बनेंगी। दुर्घटनाएं बढ़ने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण भी बढ़ने का अंदेशा रहेगा।

अक्षय तृतीया पर गुरु का राशि परिवर्तन

इस बार 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया के संयोग में ही गुरु का राशि परिवर्तन हो रहा है। इस दिन अबूझ मुहूर्त रहेगा। अक्षय तृतीया भगवान विष्णु और महालक्ष्मी की पूजा का पर्व होता है। इस दिन बृहस्पति का मेष राशि में आना भी शुभ संयोग है। इसके प्रभाव से समृद्धि, सुख और आरोग्यता बढ़ती है।

वैशाख महीने की अमावस्या दो दिन तक

19 को श्राद्ध-पूजा और 20 को स्नान-दान करना शुभ

इस साल वैशाख महीने की अमावस्या तिथि दो दिन यानी 19 और 20 को रहेगी। अमावस्या को धर्म ग्रंथों में पर्व कहा गया है। हर महीने की अमावस्या पर कोई न कोई व्रत या पर्व मनाया जाता है।

इस तिथि पर पितरों की विशेष पूजा की जाती है। इसलिए इस दिन पितरों की विशेष पूजा करने से सुख और समृद्धि बढ़ती है। ज्योतिष के नजरिये से इस दिन सूर्य और चंद्रमा एक ही राशि में आ जाते हैं। इन दोनों के ग्रहों के बीच का अंतर 0 डिग्री हो जाता है।

श्राद्ध के लिए बुधवारी अमावस्या 19 अप्रैल, बुधवार को अमावस्या तिथि सुबह करीब साढ़े 11 बजे से शुरू हो जाएगी और पूरी रात रहेगी। इसलिए इस दिन व्रत और पीपल पूजा के साथ ही पितरों के लिए श्राद्ध किया जाएगा। साथ ही इस दिन अमावस्या तिथि में होने वाली हर तरह की पूजा की जा सकेगी।

व्रत-पूजा और स्नान-दान गुरुवार को 20 जुलाई, गुरुवार का सूर्योदय अमावस्या तिथि में होगा। इस दिन ये तिथि सुबह करीब 10 बजे तक रहेगी। इसलिए इस दिन स्नान-दान करना चाहिए। गुरुवार को होने से इसका महत्व और बढ़ जाएगा। इस दिन तीर्थ या पवित्र नदी के जल से नहाने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। साथ ही इस दिन किए गए दान का कई गुना पुण्य मिलता है।

अमावस्या से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

1. सोमवार या गुरुवार को पड़ने वाली अमावस्या को शुभ माना जाता है।
2. इस तिथि पर भगवान शिव और पार्वती देवी की विशेष पूजा करने से मनोकामना पूरी होती है।
3. इस तिथि में पितरों के उद्देश्य से किया गया दानादि अक्षय फलदायक होता है।
4. ज्योतिष में अमावस्या को शनिदेव की जन्म तिथि माना गया है।
5. ज्योतिष में अमावस्या को रिक्ता तिथि कहा जाता है यानी इस तिथि में किए गए काम का फल नहीं मिलता।
6. अमावस्या को महत्वपूर्ण खरीदी-बिक्री और हर तरह के शुभ काम नहीं किए जाते हैं। इस तिथि में पूजा पाठ का विशेष महत्व है।
7. रविवार को अमावस्या होना अशुभ माना जाता है।

महाभारत में अर्जुन ने तोड़ा नियम और जाना पड़ा वनवास

महाभारत में अर्जुन ने एक तोड़ा था, जिसकी वजह से उन्हें वनवास के लिए जाना पड़ा था। जानिए वह किस्सा...एक दिन एक ब्राह्मण रोते अर्जुन के पास पहुंचा। दरअसल, इस ब्राह्मण की गायों को चोर ले गए थे। 'चोर मेरी गायों को लेकर जा रहे हैं, आप राजा हैं, मेरी रक्षा कीजिए।' ब्राह्मण ने अर्जुन से कहा। 'मैं शस्त्रों के बिना चोरों के पीछे जा नहीं सकता। मेरे धनुष-बाण तो उस कमरे में रखे हैं, जहां मेरे बड़े भाई और द्रौपदी के साथ एकांत में हैं।' अर्जुन ने सोचा। सभी पांडवों और द्रौपदी ने एक नियम बनाया था कि जब द्रौपदी किसी से साथ एकांत में होगी, उस समय कोई दूसरा भाई उनके कमरे में प्रवेश नहीं करेगा। पांडवों में से जो भाई ये नियम तोड़ेगा, उसे वनवास जाना पड़ेगा। द्रौपदी अपने पांचों पतियों के साथ एक अनुशासन के साथ

जीवन जी रही थीं। अर्जुन के सामने ब्राह्मण रो रहा था। एक तरफ धनुष-बाण की समस्या थी और दूसरी ओर चोर गायों को चुराकर भाग रहे थे। 'इस ब्राह्मण की मदद करना मेरा कर्तव्य है, मुझे इसकी रक्षा करनी होगी।' अर्जुन ने सोचा। ऐसा सोचकर अर्जुन युधिष्ठिर और द्रौपदी के कमरे में चले गए और नियम तोड़ दिया। उन्होंने कमरे में अपने धनुष-बाण उठाए और ब्राह्मण की गायों को चोरों से छुड़ाया। अर्जुन लौटकर युधिष्ठिर-द्रौपदी के पास पहुंचे। 'मैंने नियम तोड़ा है, इसलिए अब मैं वनवास के लिए जाऊंगा।' अर्जुन ने कहा।

द्रौपदी और युधिष्ठिर ने अर्जुन को समझाने की बहुत कोशिश की कि वे वनवास न जाएं, क्योंकि आपने तो ब्राह्मण की मदद के लिए नियम तोड़ा है। लेकिन, अर्जुन ने कहा कि हम क्षत्रिय हैं, हम नियम बनाकर तोड़ते नहीं है। ऐसा कहकर अर्जुन वन में चले गए।

कथा की सीख

इस किस्से में अर्जुन ने संदेश दिया है कि हमें अपने कर्तव्य पूरे करने में पीछे नहीं हटना चाहिए। इसके साथ ही हमें अपने नियमों का भी पालन करना चाहिए। नियम एक बार टूटेगा तो बार-बार टूट सकता है। इसलिए नियमों का पालन जरूर करें।

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'बैजू बावरा' में दिखाई देंगे रणवीर सिंह

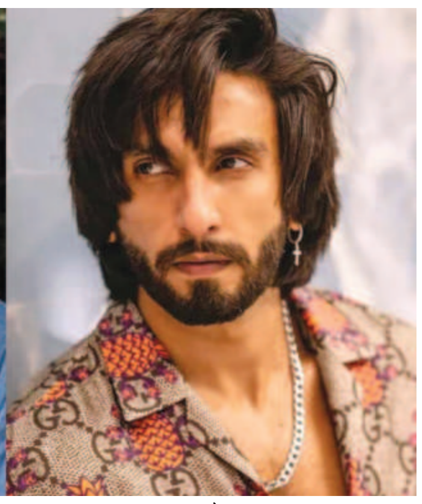

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इंडस्ट्री के पॉपुलर स्टार्स में से एक हैं। एक्टर की कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लगातार फ्लॉप ही रही है। साल 2021 में एक्टर की 83 रिलीज हुई थी। इसके साल 2022 में जयेशभाई जोरदार और सर्कस आई थी। ये तीनों फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से पिट गई। इन फिल्मों के फ्लॉप होने के बाद यशराज फिल्म्स ने रणवीर को कुछ समय के लिए साइन करने से मना कर दिया है।

इस फिल्म में आएंगे नजर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आदित्य चोपड़ा के एक बहुत ही करीबी ने इस बात की जानकारी दी है, कि रणवीर सिंह संजय लीला भंसाली की अपकमिंग मूवी 'बैजू बावरा' में नजर आएंगे. रणवीर सिंह संजय के साथ पहले भी 'पद्मावत' के साथ कई सुपरहिट मूवीज में काम कर चुके हैं।

भंसाली और रणवीर एक साथ कर चुके है काम

रणवीर सिंह और संजय लीला भंसाली की जोड़ी कई बार साथ आ चुकी है। ये शानदार जोड़ी जितनी बार भी साथ आई है, उतनी बार फिल्मी पर्दे पर धमाल मचा चुकी है। अब ये देखना दिलचस्प रहेगा कि ये जोड़ी 'बैजू बावरा' में मिलकर कैसा धमाल मचाएगा। रणवीर सिहं और संजय लीला भंसाली के तमाम चाहने वाले इस खबर से काफी ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रहे हैं।

इसके अलावा आदित्य चोपड़ा के करीबी ने ये भी कहा, 'कौन कहता है कि यशराज बैनर रणवीर सिंह के साथ काम नहीं करना चाहता है। आदित्य चोपड़ा आज भी रणवीर से बहुत प्यार करते हैं और रणवीर सिंह जल्द संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा के साथ धमाकेदार वापसी करेंगे।

ये फिल्म उनके करियर की आइकोनिक फिल्मों में से एक होगी। सूत्र ने बताया कि कुछ लोगों का ये भी कहना है कि आदित्य ने रणवीर को बैजू बावरा से हटाने का सुझाव दिया था। लेकिन ये सच नहीं है। भंसाली इस फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट के साथ काम करेंगे।

वहीं, वर्क फ्रंट की बात करें तो रणवीर और आलिया करण जौहर की फिल्म राजा और रानी की प्रेम कहानी में दिखाई देंगे। इस फिल्म से लंबे समय बाद करण जौहर बतौर डायरेक्टर वापसी कर रहे हैं। फिल्म में जया बच्चन और शबाना आजमी और धर्मेंद्र मुख्य भूमिका में है।

पलक तिवारी के 'ड्रेस कोड' के बयान पर शहनाज गिल का पलटवार, सलमान खान के समर्थन में आई

सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' इन दिनों चर्चाओं में है। इससे पलक तिवारी और शहनाज गिल दोनों अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। वहीं, बीते दिन पलक तिवारी ने सलमान खान को लेकर कुछ ऐसी बात कह दी जिससे सोशल मीडिया की हलचल बढ़ गई। पलक ने भाईजान की ओर से सेट पर कपड़ों को लेकर बनाए गए नियम के बयान से सुर्खियां बटोरीं। इसी पर अब शहजान गिल ने बात करते हुए पलक के बयान पर हैरान करने वाला रिएक्शन दिया है।

फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बड़े पर्दे पर कदम रखने वालीं एक्ट्रेस पलक तिवारी इन दिनों इसके प्रमोशन में बिजी हैं। वहीं, एक इवेंट के दौरान पलक ने सलमान खान की ओर से सेट पर लड़कियों के लिए बनाए गए नियम का जिक्र करते हुए कहा था, 'जब मैं अंतिम में सलमान सर के साथ काम कर रही थी, तो उनका एक नियम होता था। सलमान सर का एक नियम था कि सभी लड़कियां मेरे सेट पर अपनी नेकलाइन ढंक कर रहेंगी, जैसे अच्छे घरों की लड़कियां रहती हैं। मुझे नहीं लगता यह बात किसी को भी पता है,लेकिन यह सच है।'

पलक तिवारी के इस बयान ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी। एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल किया जाने लगा जिसे देखते हुए उन्होंने बीते दिन अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में इस बयान से पलटी मार ली। पलक ने अपनी सफाई पेश करते हुए कहा, 'मेरी बताई गई बात को गलत समझा गया है। मैं बस इतना कहना चाहती थी कि मैंने अपने लिए कुछ दिशा-निर्देश तय किए हैं कि कैसे अपने से बड़े लोगों के सामने मुझे कपड़े पहनने चाहिए। सलमान सर उनमें से एक हैं।'

वहीं, पलक ने भले ही अपने पिछले बयान से पलटी मार ली हो, लेकिन अब तक उसकी चर्चा चारों ओर हो रही है। इसी को लेकर शहनाज गिल से भी सलमान खान के नियम को लेकर सवाल पूछा गया, जिस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'ऐसा कुछ नहीं है, मैंने प्रमोशन के दौरान बहुत ही सेक्सी ड्रेस पहनी थी।' इस तरह शहनाज ने साफ कर दिया है कि भाईजान ने ऐसा कोई नियम नहीं बनाया था।

शहनाज गिल ने सलमान खान की तारीफ करते हुए आगे कहा, 'सलमान हकीकत में वैसे ही हैं जैसे 'बिग बॉस' के मंच पर नजर आते रहे हैं। मैं उनमें कोई अंतर नहीं देख रही। वह दूसरों को अच्छी सलाह देते हैं और प्रेरित करते हैं। उन्होंने मेरा सही दिशा में मार्गदर्शन किया और इस पर ध्यान लगाने को कहा। उनके कहने पर मैं हिंदी में सुधार कर रही हूं।'

गम में डूबी लड़कियों को मोटिवेट करेगा मृगा उमरानिया का नया गाना

राजकोट के कारोबारी घराने से ताल्लुक रखने वाली मृगा उमरानिया का नया सॉन्ग आज यानी 17 अप्रैल को रिलीज होगा। इसका टाइटल 'जिंदगी दो रोज की' है। इसमें ब्रेकअप की चोट खाई तीन लड़कियों की कहानी है। मृगा के मुताबिक अब वह जमाने गए, जब ब्रेकअप के चलते लड़कियां गम में डूब जाती थीं। अब वो मूव ऑन करना सीख चुकी हैं। उनके इसी स्पिरिट को हमारा गाना समर्पित है।

सेक्स इन द सिटी से इंस्पायर है ये वीडियो सॉन्ग

मृगा ने आगे कहा, 'साफ शब्दों में कहा जाए तो जिस तरह हॉलीवुड की फिल्म 'सेक्स इन द सिटी' में लड़कियां गम भुलाकर आगे बढ़ती हैं या कहा जाए तो जिंदगी ना मिलेगी दोबारा में जो बात कहने की कोशिश की गई है, कुछ वैसा ही स्पिरिट हमारे इस गाने में भी है। इसे टिप्स म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर सोमवार को रिलीज किया जाएगा।'

चुनौतियों में रोए नहीं, बल्कि उससे लड़े- मृगा

इस गाने को मशहूर कोरियोग्राफर फिरोज खान ने डायरेक्ट किया है। इस गाने का कॉन्सेप्ट भी उन्हीं का है। मृगा ने कहा, 'जीवन में जो भी चुनौतियां आएं उसमें बैठ कर रोना नहीं चाहिए। ऐसे में बेहतर यही है कि इंसान आगे बढ़े और हर सिचुएशन में खुश रहने की कोशिश करे। इस गाने को फिरोज खान साहब ने डायरेक्ट किया है, इन्होंने ही फेमस रैपर बादशाह के हाल में रिलीज गाने को डायरेक्ट किया है।'

'इस गाने की शूटिंग गोवा में समंदर किनारे भी हुई है। गाने में थोड़ा बहुत फ्लैशबैक भी हैं जहां तीनों लड़कियों के एक्स बॉयफ्रेंड दिखाए गए हैं। इस गाने में उनकी भी छोटी-छोटी कहानियां देखने को मिलेंगी।' मृगा आगे बताती हैं, 'गाने से यह भी जाहिर होगा कि किस तरह जो छोटे शहरों में हैं ब्रेकअप को एक पैमाना मान लिया जाता है कि लड़की का कैरेक्टर सही नहीं है। \

जबकि ऐसा नहीं है। लिहाजा हमारा गाना उन्हें मोटिवेट करेगा कि अपने लिए पहले जीना सीखो। अपनी खुशी को अहमियत दो। मैंने इस गाने के लिए लाइफ में पहली बार बीच वियर पहना है। मृगा पिछले 9 सालों से मुंबई में हैं। राजकोट में अपने परिवार से पहली ऐसी लड़की हैं, जिन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की कोशिश की है। वह बताती हैं, 'मुंबई में अब तक का सफर खट्टा मीठा रहा है।

काम देने के नाम पर कई अच्छे लोगों से भी मुलाकाते हुई, कई बुरी नियत वाले भी लोग टकराए। हालांकि मैं हमेशा पॉजिटिव रही, चुनौतियों में भी अपनी राह कैसे बनानी है उस पर ध्यान लगाती रही। मुझे पता है कि मैं आउटसाइडर हूं तो मुझे मुंबई में वक्त लगेगा।

मंटो और लाइगर में भी दिख चुकी हैं मृगा

मृगा का कहना है कि पिछले 9 सालों में उनके 6 से 7 गाने आ चुके हैं। उन्होंने कहा,'हाल फिलहाल में मैंने एक पंजाबी मशहूर रैपर ब्राउनी के लिए सिंगल किया था। मैंने दो फिल्में भी की हैं। पहली फिल्म मंटो है, जिसमें मैंने ऋषि कपूर जी के साथ स्क्रीन शेयर किया। दूसरी फिल्म लाइगर है इसमें मेरा कैमियो है।'

प्रतीक ने बर्थडे पर गर्लफ्रेंड प्रिया को कहा बेस्ट फ्रेंड फैंस बोले- प्यार किया तो डरना क्या?

बॉलीवुड अभिनेता प्रतीक बब्बर ने अपनी गर्लफ्रेंड और अभिनेत्री प्रिया बनर्जी का जन्मदिन खास तरीके से मनाया। इस बर्थडे सेलिब्रेशन की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिस पर सभी फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। इस बीच अभिनेता के एक पोस्ट ने फैंस का ध्यान खींच लिया, जिसमें उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड प्रिया को अपना बेस्ट फ्रेंड बताया है।

दरअसल, प्रतीक बब्बर ने रविवार को अपनी गर्लफ्रेंड से प्रिया बनर्जी को अपने सिग्नेचर अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी। प्रतीक ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थडे बेस्ट फ्रेंड प्रिया बनर्जी।' उन्होंने प्रिया के साथ दो तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में प्रिया और प्रतीक रोमांटिक अंदाज में नजर आए, जिसमें प्रिया खिड़की से बाहर देख रही हैं और प्रदीप ने उन्हें पीछे से गले लगाया हुआ है। वहीं अन्य तस्वीर में प्रतीक और प्रिया दोनों एक दूसरे की आंखों में खोए हुए हैं और मुस्कुराते हुए पोज दे रहे हैं।

प्रतीक ने इसी साल 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे के मौके पर इंस्टाग्राम पर कुछ प्यारी तस्वीरें साझा करते हुए प्रिया के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। हालांकि प्रतीक और प्रिया के रिश्ते की खबरें बीते साल ही सामने आई थीं, लेकिन दोनों में से किसी ने इन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी थी।

वहीं, इस साल प्रतीक और प्रिया दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। दरअसल, दोनों ने अपने हाथ पर बने टैटू को फ्लॉन्ट किया था। इस टैटू में 'पी' और 'बी' लिखा था, क्योंकि दोनों का नाम और सरनेम पी और बी से ही शुरू होता है यानी प्रतीक बब्बर और प्रिया बैनर्जी, जिसके बाद से फैंस ने उन्हें खूब बधाई दी थी, लेकिन अब प्रतीक ने प्रिया को अपना बेस्ट फ्रेंड बताया है, जो यूजर्स को पसंद नहीं आया।

प्रतीक की इस पोस्ट पर यूजर्स ने गर्लफ्रेंड को बेस्ट फ्रेंड बताने पर सवाल खड़े कर दिए। एक यूजर ने कमेंट किया, 'किसको पागल बना रहे हो भाई।

आप दोनों जीएफ और बीएफ हो, बेस्ट फ्रेंड नहीं।' एक यूजर ने लिखा, 'भाई मैं भी आपकी तरह ही अपनी गर्लफ्रेंड को सबके सामने बेस्ट फ्रेंड बताता हूं।' एक यूजर में लिखा, 'आप दोनों बेस्ट फ्रेंड नहीं हो, यह बात सबको पता है। एक ने लिखा, 'जब प्यार किया तो डरना क्या? लवर बोल दो सीधा। इतना छुपाना क्यों।'

भाईजान संग काम करने पर बोले जगपति बाबू 'बॉलीवुड में मेरा डेब्यू देरी से हुआ...'

साउथ फिल्म इंडस्ट्री को बोलबाला बॉलीवुड फिल्मों में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में बढ़ता ही जा रहा है। यही वजह है कि इन हिंदी फिल्म निर्माता दक्षिण भारतीय कलाकारों में खासी रुचि ले रहे हैं। इस कड़ी में साउथ अभिनेता जगपति बाबू भी आते है, जो सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में अभिनेता विलेन की भूमिका निभाते नजर आएंगे। हाल ही में, जगपति बाबू ने सलमान खान संग काम करने के अनुभव को साझा किया है।

अभिनेता ने बताया फिल्म में काम करने का अनुभव

फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेता ने कहा,' मेरे लिए यह फिल्म हमेशा एक चुनौती रही है और मैं हर चुनौतियों के लिए तैयार रहती हूं। यह मेरा सौभाग्य है कि मैंने साउथ में चार भाषाओं में कई बड़े कलाकारों के साथ काम कर लिया है। मुंबई बहुत कूल जगह है। सल्लू भाई भी बेहद ही बेहतरीन इंसान हैं। इसलिए फिल्म को करते वक्त किसी भी प्रकार की कोई नर्वसनेस नहीं हुआ, लेकिन बॉलीवुड में मेरा डेब्यू देरी से हुआ था।'

्रसलमान का स्वभाव है सबसे अलग

आगे इंटरव्यू में जगपति बाबू से पूछा गया कि सलमान खान के साथ काम कर के उन्हें कैसा लगा? इसपर अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा, 'जब हम सलमान भाई की फिल्में देखते हैं तो काफी पॉजिटिव महसूस करते हैं। सब जानते हैं कि सलमान भाई बहुत ही बड़े सेलिब्रिटी हैं, मगर मैं लोगों के स्वभाव को देखता हूं। सलमान के साथ पहली बार मिलकर लगा ही नहीं कि हम पहली बार मिल रहे हैं, वरना जब लोगों की लाइफ में स्टारडम आता है तो लोग बदल जाते हैं।'

आपको बता दें कि जगपति बाबू फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे? यह फिल्म ईद के दिन रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में सलमान के अलावा पूजा हेगड़े, पलक तिवारी और शहनाज गिल भी नजर आएंगी।

बॉलीवुड अभिनेत्री क्रिसन परेरा अरब के जेल में बंद, ड्रग्स मामले को लेकर हुई है गिरफ्तारी

बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री क्रिसन परेरा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं है। क्रिसन परेरा की फिल्में फैंस के बीच काफी लोकप्रिय हुई हैं। फिल्म इंडस्ट्री में 'सड़क 2' और 'बाटला हाउस' जैसी फिल्मों में काम कर चुके अभिनेत्री क्रिसन परेरा मुसीबत में फंस गई है और उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर पूरा मामला क्या है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस को संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह सेंट्रल जेल में बंद कर दिया गया है। करीब दो हफ्ते पहले उसे ड्रग्स के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। परिवार वालों का कहना है कि शारजाह हवाई अड्डे पर उतरने के बाद से उन से कोई कांटेक्ट नहीं हुआ है और 72 घंटे बाद ही उन्हें भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा उनकी गिरफ्तारी की सूचना दी गई।

परिवार वालों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है उनका कहना है कि उनकी बेटी को जानबूझकर ड्रग्स के केस में फंसाया जा रहा है। क्रिसन के भाई केविन कहते हैं, ₹हम पिछले दो हफ्तों से लगातार इमोशनल टॉर्चर से गुजरे हैं, मेरी बहन निर्दोष है और उसे ड्रग रैकेट में फंसाया गया है। पता नहीं लोग उससे क्या चाहते हैं। हमें तो कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करें। इसके अलावा क्रिसन की मां प्रेमिला परेरा ने बताया, 'मेरी बेटी के साथ रवि नाम के शख्स ने ठगी की है। उसने मेरी बेटी की टीम को एक वेब सीरीज में काम करने के लिए मैसेज किया था। एक दो मीटिंग के बाद क्रिसन दुबई में एक ऑडिशन देने भी गई थीं। बाद में रवि ने एक अप्रैल को मुंबई इंटरनेशनल हवाई अड्डे के एक कॉफी शॉप पर बुलाया था और उसे ऑडिशन सक्रिप्ट का हिस्सा बताकर एक ट्रॉफी दी थी। क्रिसन अपने साथ इस ट्रॉफी को ले आईं, जिसमें से ड्रग्स की स्मेल आ रही थी।'

आपको बता दें कि क्रिसन परेरा की फैमिली अपनी बेटी को जेल से छुड़ाने के लिए कोई भी कीमत देने को तैयार हैं। यही नहीं, उन्होंने दुबई में एक स्थानीय वकील को हायर किया है जिसकी फीस करीब 13 लाख रुपये बताई गई है। अभिनेत्री के परिवार को वह बस सही सलामत चाहिए। इसके लिए वह हर संभव प्रयास करने को तैयार हैं।

गर्मियों में शरीर को लू से बचाव के आयुर्वेदिक उपाय

आंवला

आंवला में लाभकारी आयुवैदिक गुण हैं, वात और पित्त दोष दोनों को संतुलित रखता है। इससे शरीर को ठंडक मिलती है। आंवला के सेवन से कफ भी दूर होता है। गर्मियों में कच्चे आंवले का सेवन शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।लू या चिलचिलाती हवा से शरीर को होने वाले नुकसान से आंवला बचाता है। गर्मियों में आप आंवला का जूस, कच्चा, अचार, आंवला पाउडर या मुरब्बे का सेवन कर सकते हैं।

गुलकंद

गर्मी के मौसम में थकान, सुस्ती और शरीर मे जलन व खुजली की समस्या भी हो जाती है। इसके अलावा गर्मियों में एसिडिटी, पेट फूलने के कारण पेट में जलन भी हो सकती है। गर्मियों में होने वाली इन परेशानियों से राहत पाने के लिए गुलकंद का सेवन करना चाहिए। गुलकंद आंतों और पेट की समस्या से राहत पहुंचाता है।

सेब का सिरका

गर्मियों में अगर लू लग जाए तो शरीर मे मिनरल और इलेक्ट्रोलाइट की कमी हो जाती है। गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने से शरीर में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल

की मात्रा काफी कम हो सकती है। इससे बचाव और मिनरल की कमी को पूरा करने के लिए सेब के सिरके का सेवन करें। सेब का सिरका सेहत के लिए फायदेमंद है। रोजाना दिन में दो बार दो चम्मच सेब के सिरके को एक गिलास पानी में मिलाकर सेवन करें।

बेल का शरबत

आयुर्वेद के मुताबिक, गर्मियों में बेल के शरबत को सेहत के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। बेल में विटामिन सी और फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है। बेल के शरबत के सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है। बेल का शरबत लू और सूखेपन से बचाव करता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। गर्मियों में होने वाली शारीरिक समस्याओं से राहत चाहते हैं तो रोजाना दो बार बेल के जूस का सेवन खाना खाने से पहले करें।

आपके बच्चे का दिमाग है तेज...!

अक्सर माता-पिता अपने बच्चों की सेहत को लेकर काफी सतर्क रहते हैं. वे किसी भी तरीके की लापरवाही नहीं करते हैं. हालांकि आपका बच्चा मानसिक रूप से मजबूत है या नहीं यह जानना चाहते हैं तो कुछ संकेत आपको इस बात की पहचान करा सकते हैं. आज का हमारा लेख इन्हीं संकेतों पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि मानसिक रूप से मजबूत बच्चों में किस तरीके के लक्षण नजर आ सकते हैं. पढ़ते हैं आगे

दिमाग की मजबूती के संकेत

आप सबसे पहले इस बात का पता लगाएं कि क्या आपके बच्चे के अंदर धैर्य है या नहीं. अगर हां तो इसका मतलब आपका बच्चा मानसिक रूप से मजबूत

है. जब कभी कोई नकारात्मक परिस्थिति बच्चों के सामने आ जाती है तो बच्चे जल्दी निराश हो जाते हैं. लेकिन यदि आपके बच्चे में धैर्य है और वह दोबारा प्रयास कर रहा है तो इसका मतलब वह मानसिक रूप से तंदुरुस्त है.

किसी फैसले पर पहुंचने से पहले सोच विचार करने की आदत भी इस बात की तरफ इशारा करती है कि आपका बच्चा मानसिक रूप से तंदुरुस्त है. जल्दबाजी में लिया गया कदम असफलता का सामना करा सकता है. अगर बच्चा इस बात को समझ रहा है तो उसका मतलब अगर भविष्य में भी अपने निर्णय को सोच समझकर ही आगे रखेगा.

यदि आपका बच्चा अपने फैसले खुद लेने लगे और अपनी जिम्मेदारी को खुद उठाने लगें तो यह भी इस बात की तरफ इशारा करता है कि आपका बच्चा मानसिक रूप से तंदुरुस्त है. उदाहरण के तौर पर आजकल के बच्चे अपने डेली रूटीन को तैयार कर लेते हैं पर उस पर अमल नहीं कर पाते. ऐसे में यह संकेत बताता है कि बच्चा मानसिक रूप से स्थिर नहीं है. वहीं यदि बच्चे अपने द्वारा लिए गए फैसलों पर अमल करें तो यह इस बात की तरफ इशारा करते हैं कि आपका बच्चा मानसिक रूप से तंदुरुस्त है.

संक्रमण का संकेत हो सकता है आंखों में जमा रहने वाला कीचड़

आंखो में कीचड़

सुबह नींद से उठने के बाद जब आप चेहरा धोने के लिए बाथरूम में पहुंचते हैं तो कई बार आंखों को साफ करने में अधिक मशक्कत करनी पड़ती है। बिना आंखें ठीक से धोए किसी के सामने चले जाना असहजता की स्थिति में भी डाल सकता है। आंखों के किनारों पर जमा होने वाला चिपचिपा पदार्थ जिसे आम भाषा में कीचड़, स्लीप क्रस्ट, सैंड आदि भी कहा जाता है, एक आम स्थिति है। चिकित्सकीय भाषा में इसे 'रूम' या 'रह्यूम' कहा जाता है।

आमतौर पर यह रात की अच्छी और भरपूर नींद का संकेत होता है लेकिन कई बार यह समस्याओं की ओर इशारा भी कर सकता है। रात में ही आंखों में कीचड़ आने की वजह होती है। वहीं कीचड़ के रंग से आंखों की समस्या का भी पता चलता है। आगे की स्लाइड्स में अपनी आंखों में आने वाले कीचड़ से जानिए कहीं आप को संक्रमण का खतरा तो नहीं।

कई पदार्थों से बना कीचड़

जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है। कीचड़ कई तरह के कचरे का मिश्रण हो1ता है। आंखों का यह कीचड़ भी म्यूकस, पपड़ीदार निकली हुई त्वचा की कोशिकाओं, त्वचा के तेल और नींद के दौरान आंखों द्वारा उत्पन्न आंसुओं का मिश्रण होता है। यह एक सामान्य

और सहज प्रक्रिया है, जो कि यह दर्शाती है कि आपकी आंखें स्वस्थ हैं और सही तरीके से काम कर रही हैं।

रात में ही होता है जमा

पलकों के बन्द रहने के अलावा इस कीचड़ के रात में जमा रहने का एक कारण और भी होता है। दिनभर में बार-बार पलक झपकाने पर प्राकृतिक तरीके से आंखों से निकलने वाले आंसू, इस कीचड़ को धोते जाते हैं और आंखों में चिपके नहीं रहने देते। जबकि रात में पलकों के न झपकने के कारण और गुरुत्वाकर्षण के कारण ये कचरा आंखों के किनारों पर इकट्ठा हो जाता है। कुछ लोगों में इसकी मात्रा अधिक हो सकती है और कुछ में कम। हां एलर्जी के दौरान या रूखे मौसम में इसकी मात्रा बढ़ सकती है।

बदला रंग हो सकता है समस्या का संकेत

सामान्यतौर पर आंखों से निकलने वाले इस कीचड़ का रंग सफेद या हल्का क्रीम होता है। लेकिन यदि यह रंग पीला या हरा है तो यह बैक्टीरियल कंजक्टिवाइटिस (आंख आने की समस्या) का इशारा हो सकता है। इसके अलावा आंखों में सूजन, ड्राय आई, आंखों पर होने वाली फुंसी, आंसू निकलने वाली जगह का ब्लॉक हो जाना और एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस भी इसकी वजह बन सकता है। कुछ मामलों में यह पलकों को पूरी तरह चिपका भी सकता है और समस्या को और बढ़ा सकता है।

आंखों का ऐसे रखें ख्याल

सुबह उठने के साथ चेहरे और आंखों को अच्छे से धोएं। अगर आप किसी एलर्जी या अन्य समस्या से पीड़ित हैं या आपकी पलकें बुरी तरह चिपक गई हैं तो एक साफ कॉटन के कपड़े या रुई को गुनगुने या हल्के गर्म पानी में भिगोकर आंखों पर हल्के हाथों से थपथपाते हुए कीचड़ को हटाएं।

आंखों को कभी रगड़ें नहीं और न ही गंदे हाथ इनपर लगाएं।

यदि कीचड़ के साथ दर्द और असहजता भी है या रोज सुबह उठने पर आपकी पलकें चिपकी रहती हैं तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें। वे आपको मेडिकेटेड साधन बताएंगे जिससे आप आंखों को बिना संक्रमण फैलाए साफ कर सकें।

डॉक्टर की सलाह से किसी अच्छे आई ड्रॉप का उपयोग करें। जिससे आंखों की नमी बनी रहे और वे साफ भी रहें।

आंखों को साफ रखें।

आंखों या पलकों में खुजली, सूजन, लाली, जलन, धुंधला दिखने या रौशनी से दिक्कत होने पर तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें।

संक्रमण की स्थिति में डॉक्टर एंटीबायोटिक लेने की सलाह दे सकते हैं।

रात को सोने से पहले, साफ हाथों से आंखों को अच्छी तरह धोएं। सादा पानी का इस्तेमाल भी इसके लिए अच्छा विकल्प होगा।

कभी भी मेकअप लगाकर न सोएं। जब आई मेकअप उतारें तो हल्के हाथों से किसी लोशन, बेबी ऑइल या बादाम तेल से आंखों के आस पास मसाज भी करें। हमेशा कॉन्टैक्ट लेंस उतार कर ही सोएं। इन्हें अच्छी तरह साफ करके भी रखें।

शरीर के इन हिस्सों में उठे दर्द तो न करें नजरअंदाज

अक्सर आपने देखा होगा कि लोगों के शरीर में कुछ हिस्से में दर्द उठता है. यह दर्द आम भी हो सकता है गंभीर भी. लेकिन गर्दन लंबे समय तक रहा हो वह नसों के कारण शरीर में ऑक्सीजन ना पहुंच पाने के कारण उठाया है ऐसे में इन हिस्सों के बारे में पता होना जरूरी है आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि शरीर में किन-किन हिस्सों में दर्द उठ सकता है.

शरीर के किस हिस्से में उठता है दर्द

यदि व्यक्ति को अपने सीने में दर्द महसूस हो रहा है और यह दर्द काफी दिन से उठ रहा है ऐसे नहीं हो सकता है कि यह हार्ट अटैक के सिम्टम्स में से एक हो सकता है. ऐसा तब होता है जब खून के माध्यम से ऑक्सीजन दिल तक नहीं पहुंच पाता. ऐसे में डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

जब व्यक्ति को किडनी में दर्द महसूस हो और वह दर्द काफी समय से हो रहा हो तो इसका मतलब ये पथरी के संकेत हो सकते हैं. हल्का-हल्का और एक ही हिस्से में दर्द पथरी के मुख्य संकेतों में से एक है. यदि आपको अपने पैरों में दर्द महसूस हो रहा है साथ ही हाथ पैरों में झनझनाहट अंगूठे में सुन्नपन आदि महसूस हो रहा है तो यह साइटिका के लक्षणों में से एक हो सकते हैं. ऐसे में जांच करवानी

जरूरी है.यदि आपको पेट में दर्द महसूस हो रहा है और इसके साथ साथ जी मचलाना, उल्टी आना, मतली की समस्या होना जैसे लक्षण नजर आ रहे हैं तो यह पैंक्रियाटाइटिस के लक्षणों में से एक हो सकते हैं. ऐसे में डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है. व्यक्ति को सिर में दर्द के साथ थकान, चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन आदि लक्षण नजर आते हैं. बता दें कि यह लक्षण नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी या माइग्रेन के हो सकते हैं. ऐसे में व्यक्ति को लक्षणों की पहचान करके डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए.

अगर आप भी धूप से आकर पीते हैं फ्रिज का ठंडा पानी, तो सेहत को हो सकता है नुकसान

गर्मियों के मौसम में अधिक तापमान में ठंडा पानी पीना लोगों को गर्मी से राहत दिलाता है। गर्मियों में हाइड्रेट रहने के लिए लोग लिक्विड ड्रिंक का सेवन करते हैं, जिसमें साधारण पानी के साथ ही लोग लस्सी, जूस और नारियल पानी समेत तरह तरह के ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, हाइड्रेटेड रहने के लिए कम से कम आठ से 10 गिलास पानी पीना बेहद जरूरी होता है। लेकिन पानी पीते समय उसके सही तापमान का होना भी जरूरी है। पानी के तापमान का असर स्वास्थ्य पर होता है। गर्मियों में लोग ठंडा पानी पीने के इच्छा से फ्रिज का पानी पीते हैं। प्यास बुझाने और थकावट दूर करने के लिए लोग कभी भी ठंडा पानी पी लेते हैं, इससे भले ही कुछ देर के लिए गर्मी से राहत मिल जाती है लेकिन इसका नुकसान भी बहुत होता है। आयुर्वेद में ठंडे पानी को सेहत के लिए नुकसानदायक बताया गया है। खासकर फ्रिज का चिल्ड वाटर बिल्कुल भी नहीं पीना चाहिए। धूप से आकर, एक्सरसाइज के बाद या खाने के बाद ठंडा पानी पीने से शरीर पर बुरा असर पड़ता है। अगर आप भी गर्मियों में गलत समय और गलत तरीके से ठंडे पानी का सेवन करते हैं तो जान लें इससे सेहत पर होने वाले नुकसान के बारे में।

पाचन पर प्रभाव

शरीर किसी भी पदार्थ को अपने तापमान पर लाता है, जिसे वह आगे पाचन के लिए भेजता है लेकिन बहुत कम तापमान की चीजों का सेवन करने से शरीर उसे अपने तापमान के मुताबिक करने लगता है, जिससे डाइजेशन प्रक्रिया धीमी हो जाती है और अपच की

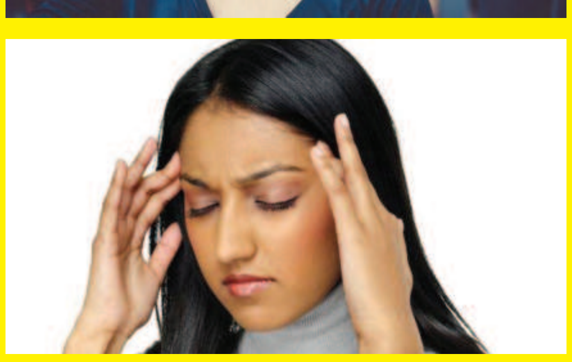

समस्या हो जाती है। पेट में ठंडा पानी डाइजेस्टिव सिस्टम को प्रभावित करता है। रिसर्च के मुताबिक, ठंडा पानी ब्लड वेसल्स को सिकोड़ देता है, जिससे पाचन की समस्या हो जाती है।

ठंडे पानी से गले में खराश

अक्सर गला खराब होने या आवाज बदलने पर बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि जरूर ठंडा पानी पी लिया होगा। यह सही भी है, ठंडा पानी पीने से गले में खराश हो जाती है। फ्रिज में निकालकर ठंडा पानी पीने से ऐसी समस्या होना आम बात है। वहीं अगर आप भोजन के बाद ठंडा पानी पी लेते हैं तो बलगम बनने लगता है और सांस लेने के रास्ते ब्लॉक हो जाते है। जिससे गले में खराश, बलगम, जुकाम और गले में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

फ्रिज के पानी से हार्ट रेट कम हो जाता है

ठंडे पानी का सेवन आपके शरीर का हार्ट रेट भी कम कर सकता है। एक स्टडी के मुताबिक, फ्रिज का ज्यादा ठंडा पानी पीने से दसवीं कपाल तंत्रिका (वेगस नर्व) स्टिम्युलेट हो जाती है। शरीर के अनैच्छिक कार्यों को नियंत्रित करने का काम नर्व ही करती है। कम तापमान के पानी का असर सीधे वेगस नर्व पर होता है, जिससे हार्ट रेट कम हो जाती है।

ठंडे पानी से सिरदर्द की समस्या

धूप से आने के तुरंत बाद अगर आप बहुत ठंडा पानी या बर्फ का पानी पी लेते हैं तो ब्रेन फ्रीज हो सकता है। ठंडे पानी का सेवन आपकी रीढ़ की कई नसों को ठंडा कर सकता है, जिसका असर मस्तिष्क पर होता है और सिर दर्द होने लगता है। साइनस की समस्या से ग्रसित लोगों के लिए यह स्थिति मुसीबत बढ़ा सकती है।

ठंडे पानी से वेट लॉस में दिक्कत

जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें ठंडे पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। ठंडे पानी के कारण शरीर में मौजूद फैट को बर्न करना मुश्किल हो जाता है। फ्रिज के पानी से शरीर का फैट सख्त हो जाता है, जिसकी वजह से वसा को कम करने में समस्या आती है और वजन कम नहीं होता।

क्या कम उम्र में आपके बाल झड़ने लगे हैं?

प्रश्न. मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

–कमलाकर शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम् रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्नः मेरी उम्र 18 वर्ष है। मेरे बाल झड़ने लगे हैं यही चिंता का कारण बना है। आपसे इसका आयुर्वेदिक इलाज बताने की प्रार्थना है ।

- अनुराग शर्मा, विशाखापट्टनम

उत्तर : बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते हैं। रूसी रहने से, फफूंद के संक्रमण से, बालों की जड़ों को पोषण नहीं होने से, बोरिंग के पानी से , बहुत अधिक मानसिक चिंता से , रक्ताल्पता से, कुछ अंग्रेजी दवाएं जैसे क्लोरोमायसिटिन, रिफैमाइसिन आदि के प्रयोग से बाल झड़ने लगते हैं। बालों के गिरने को आयुर्वेद में 'खालित्य 'और समय पकने को 'पालित्य 'कहते हैं।

नीम टी ट्री शैंपू के प्रयोग से रूसी से छुटकारा मिलता है । फफूंद व अन्य जीवाणुओं के संक्रमण से भी राहत मिलती है। 'एलो रोज कंडीशनर शैंपू' से बाल काले और मुलायम रहते हैं । इसके प्रयोग से अन्य कारणों से झड़ते बालों को गिरने से रोका जा सकता है। महा भृंगराज केश तैल(सुगंध रहित) या 'हेयर लस्ट हर्बल हेयर ऑयल' को थोड़ा गुनगुना करके बालों की जड़ों में नित्य मालिश करने से झड़ते बालों को रोका जा सकता है। कमजोरी से बाल टूटने की स्थिति में आमलकी रसायन व ऊंझा ताप्यादि लौह टेबलेट का सेवन तुरंत लाभ देता है । 'केश योग कैप्सूल ' का सेवन भी बालों को झड़ने से रोकता है बालों को लंबा और मुलायम बनाने के लिए नारियल का तेल, ऊंझा आमलकी तेल का प्रयोग भी किया जा सकता है। खानपान में ऋतु फल का सेवन वह हरी सब्जियों का सेवन आवश्यक रूप से करना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 37 वर्ष है। भौहों के ऊपर वाले हिस्से में दर्द होता है और नाक में थक्के जम जाते हैं। आयुर्वेदिक उपचार बताएं ।

- ए मानिकराव, मेदक

उत्तरः आपको पीनस रोग हो गया है । इसे ही साइनोसाइटिस के नाम से जाना जाता है। इस रोग की प्रारंभिक अवस्था में सिर में भारीपन , भूख कम हो जाना, नाक से स्राव, स्वर भेद (आवाज बदल जाना) भौंहों के ऊपर तेज दर्द आदि लक्षण दिखाई पड़ते हैं। बाद में नासिका में स्राव गाढ़ा होकर नाक में थक्के जमने लगते हैं । नासा - विवर में कफ जमने लगता है। इसमें संक्रमण होने से गंध और स्वाद का ज्ञान होना बंद हो जाता है।

घरेलू उपचार में पांच ग्राम घी में भुनी अदरक दिन में दो बार देवे। पांच ग्राम अदरक को 250 ग्राम दूध में उबाल ने और इसे नथुनों में डाले । औषधि में ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस एक से दो गोली पीसकर मधु से या फिर चित्रक हरितकी अवलेह में मिलाकर सेवन कराएं। ऊंझा तालीसादी चूर्ण या तालीस्यूल का सेवन भी पीनस में एक हितकारी औषध सिद्ध हुई है। नाक में षडबिंदु तेल डालने से बहुत आराम मिलता है। भौंहों के ऊपर का दर्द और पिनस से उत्पन्न शिरशूल कम होने लगता है।

लघु आहार, गरम पानी, पुराने चावल, कुलथी शिग्रु याने सहिजन की फली, मूली, लहसुन , त्रिकटु हितकारी है । अभिष्यंदीकारक जैसे दही व गुरु द्रव्य, असात्म्य भोजन, स्नान, अधारणीय वेगों का धारण, दिन में सोना, जमीन पर सोना, क्रोध करना आदि का परित्याग करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

थोक महंगाई से बड़ी राहत

मार्च में घटकर 1.34 प्रतिशत पर आई; 29 महीने का निचला स्तर

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मार्च में थोक महंगाई दर में गिरावट देखी गई है और ये 2 फीसदी के आंकड़े के नीचे आ गई है। मार्च में होलसेल प्राइस इंडेक्स पर आधारित थोक महंगाई दर 1.34 फीसदी पर रही है जो इससे पिछले महीने में 3.85 फीसदी पर रही थी।

फरवरी और जनवरी में कितनी थी थोक महंगाई दर

फरवरी महीने में थोक मूल्य आधारित महंगाई दर 3.85 फीसदी रही थी और इससे पिछले महीने यानी जनवरी 2023 में थोक महंगाई दर 4.73 फीसदी पर रही थी।

खाद्य महंगाई दर में भी बड़ी गिरावट

थोक महंगाई दर में ये गिरावट खाद्य पदार्थों की महंगाई दर कम होने के चलते मुख्य रूप से आई है। मार्च में खाद्य महंगाई दर घटकर 2.32 फीसदी पर आई है। इसके पिछले महीने यानी फरवरी में खाद्य महंगाई दर 2.76 फीसदी पर रही थी।

क्या है थोक महंगाई दर में गिरावट का कारण

बेसिक मेटल्स, फूड प्रोडक्ट्स, टैक्सटाइल, नॉन फूड आर्टिकल्स, मिनरल्स, रबड़ और प्लास्टिक प्रोडक्ट्स, क्रूड-पेट्रोलियम और नैचुरल गैस के साथ पेपर एंड पेपर प्रोडक्ट्स के दामों में गिरावट के चलते इस बार थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में ये जानकारी दी है।

फ्यूल एंड पावर महंगाई दर

फ्यूल एंड पावर की महंगाई दर फरवरी के 14.82 फीसदी से घटकर मार्च में 8.96 फीसदी पर आ गई है।

मैन्यूफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की महंगाई दर

मैन्यूफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की महंगाई दर फरवरी के 1.94 फीसदी से घटकर मार्च में 0.77 फीसदी के आंकड़े पर रही थी।

खाद्य महंगाई दर के तहत आंकड़े

आलू की थोक महंगाई दर फरवरी में -14.30 फीसदी पर रही थी और मार्च 2023 में ये घटकर -23.67 फीसदी पर आ गई है।प्याज की थोक महंगाई दर फरवरी में -40.14 फीसदी पर रही थी और मार्च में ये बढ़ी है। इसकी मार्च में थोक महंगाई दरपर रही है।

भारत में एप्पल स्टोर खुलने से एक्साइटेड हैं सीईओ टिम कुक

10 लाख जॉब्स को मिलेगा सपोर्ट

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। एप्पल भारत में अपना 25 साल करने के दौरान अपना पहला स्टोर मुंबई में ओपन कर रहा है। इसके अलावा, दूसरा स्टोर दिल्ली में खोल रहा है। साथ ही बेंगलुरु में भी कार्यालय खोलने की सूचना है। ऐसे में एप्पल ने एलान किया है कि इससे 10 लाख एप डेवलपर्स जॉब्स को सपोर्ट मिलेगा। कंपनी ने कहा कि 2018 की तुलना में डेवलपर्स के लिए एप स्टोर पेआउट्स तीन गुना हो चुका है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा कि एप्पल स्टोर को भारत में खोलने को लेकर हम उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में खूबसूरत कल्चर और एनक्रेडिबल एनर्जी है। सीईओ ने कहा कि एप्पल का लक्ष्य दुनिया भर के लोगों को समृद्ध और सशक्त बनाना है। भारत में स्टोर खोलकर ग्राहकों को अच्छा सपोर्ट देने से लेकर लोकल कनेक्टिविटी तक पर फोकस रहेगा। साथ ही बेहतर फ्यूचर के लिए साथ काम किया जाएगा। एप्पल के सीईओ टिम कुक के आने को लेकर कंपनी की ओर से अभी कोई कंफर्मेशन नहीं दिया गया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि टिम कुक 25 साल पूरा करने के मौके पर भारत दौरा कर सकते हैं। साल 2017 में एप्पल ने बेंगलुरु में आईओएस एप डिजाइन और डेवलपमेंट एक्सेलेरेट की स्थापना की थी, जिसके तहत मार्केट में पकड़ बनाने के लिए 15 हजार डेवलपर्स की मदद ली गई थी।

भारत में आईफोन प्रोड्यूस पहली बार 2017 में हुआ

भारत में एप्पल 2017 से आईफोन प्रोड्यूस कर रहा है और इससे हजारों की संख्या में नौकरियों के मौके बने हैं। ये नौकरियां मैन्यूफैक्चरिंग पार्टनर्स और लोकर कम्पोनेंट मैन्यूफैक्चर्स में पैदा हुए हैं। एप स्टोर के खुल जाने से कंपनी अपने सप्लाई चेन को और मजबूत करेगी और पूरे देश में अपने बिजनेस का विस्तार करेगी।

भारत का पहला एप्पल रिटेल स्टोर मुंबई के जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में खोला जा रहा है। इसे 133 महीने के लीज पर लिया गया है, जिसे 60 महीने तक बढ़ाने का विकल्प भी है। रिपोर्ट के मुताबिक यह 20,806 वर्ग फुट का स्टोर है, जिसका किराया 42 लाख रुपये प्रति माह है।

क्या होता है कम्प्रेस्ड बायो गैस सरकार क्यों कर रही इस पर फोकस

क्या सस्ता हो जाएगा ईंधन?

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पेट्रोलियम मंत्रालय कम्प्रेस्ड बायो गैस के रूप में ईंधन के नए अवसर तलाश रहा है। मंत्रालय की ओर से कई राज्यों में कंप्रेस्ड बायो गैस लगाने की योजना बनाई गई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अपने एक बयान में कहा है कि जैव ईंधन के क्षेत्र में 2030 तक 20 फीसदी की ग्रोथ का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन इसे घटाकर अभी 2025 कर दिया गया है। केंद्र सरकार की ओर से दो दिन का कम्प्रेस्ड बायो गैस का वैश्विक सम्मेलन सोमवार से नई दिल्ली में आयोजित किया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि इस सम्मेलन का विषय सुदृढ़ सीबीजी फाउंडेशन और विकास के लिए प्रगतिशील नीतिगत ढांचे की आवश्यकता है। इसका उदेश्य भारत सरकार द्वारा किए गए उपायों और उन क्षेत्रों की पहचान करना, जहां इसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता है। आपके मन में भी ये सवाल होगा कि कम्प्रेस्ड बायो गैस क्या है और सरकार इसपर इतना फोकस क्यों कर रही है? इससे लोगों को क्या लाभ मिलेगा? कम्प्रेस्ड बायो गैस अनॉक्सी प्रक्रिया से बना हुआ एक प्रकार का ईंधन है। यह अत्यंत ज्वलनशील पदार्थ है, जिसका उपयोग मोटर वाहनों को चलाने के साथ ही खाना पकाने और अन्य कई कामों के लिए किया जा सकता है। कम्प्रेस्ड बायो गैस बायोमास से तैयार किया जाता है। बायोमास यानी कृषि अपशिष्ट, मवेशी गोबर, सुगरकेन प्रेस मड, नगर निगम ठोस अपशिष्ट व सीवेज उपचार संयंत्रा अपशिष्ट आदि से निकला हुआ गैस। बायो गैस पैदा होने में करीब 55 फीसदी से लेकर 60 फीसदी तक मीथेन, 40 से 45 फीसदी कार्बन डाई आक्साइड और हाइड्रोजन सल्फाइड होता है। जब बायो गैस में से कार्बन डाई आक्साइड, जलवाष्प व हाइड्रोजन सल्फाइड को हटाया जाता है और फिर कम्प्रेस्ड किया जाता है तो सीबीजी यानी कम्प्रेस्ड बायो गैस प्राप्त होता है। इसमें मीथेन की मात्रा 90 फीसदी होती है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 16 जून, 2015 को सीएनजी के वैकल्पिक संघटक के रूप में मोटर वाहनों में बायो-कम्प्रेस्ड प्राकृतिक गैस (बायो सीएनजी) के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। भारत में कई सोर्स के तहत सीबीजी उत्पादन की क्षमता का अनुमान 370 एमएमटी बायोमैनुर जनरेशन के साथ 62 मिलियन मीट्रिक टन तक है।

रूस के उप प्रधानमंत्री बोले- आयात में कमी के कारण रुपये में द्विपक्षीय व्यापार कठिन

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय मुद्रा रुपये को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में पहचान दिलाने की कोशिशों के बीच रूस के उप प्रधानमंत्री ने बड़ा बयान दिया है। रूसी उपप्रधानमंत्री और उद्योग व वाणिज्य मंत्री ने कहा कहा है कि भारत से आयात की कमी के कारण, दोनों देशों के बीच व्यापार में रुपये का उपयोग करना कठिन है। हमें भारत से व्यापार बढ़ाने की जरूरत है। इस मामले में हम ऐसे संतुलन की संभावना तलाश रहे हैं जैसा चीन के साथ है। उन्होंने कहा, हमारा चीन के साथ 200 बिलियन डॉलर का व्यापार है और यह संतुलित है। रूसी उप प्रधानमंत्री डेनिस वैलेंटाइनोविच मंटुरोव ने भारत-रूस व्यापार और भुगतान मुद्दे पर ये बात कही है।

यूपीआई पेमेंट करना है और इंटरनेट कनेक्शन नहीं है, जानिए कैसे करेंगे

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। आज के समय में यूपीआई पेमेंट ज्यादातर लोगों की जरूरत बन गई है। कोई भी सामान खरीदते समय लोग यूपीआई पेमेंट करने के आदि हो चुके हैं। ऐसे में इंटरनेट सेवाओं के न होने से यूपीआई यूजर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए पिछले साल आरबीआई ने यूपीआई 123 भुगतान की शुरूआत की। यह यूपीआई पेमेंट का 2.0 संस्करण है। इस नई सुविधा से लगभग 40 करोड़ मोबाइल यूजर्स को लाभ पहुंचा है।

देश में क्रेडिट कार्ड का जमकर हो रहा यूज

वित्त वर्ष 2023 में 47 फीसदी बढ़ा कार्ड के जरिए खर्च

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल जमकर हो रहा है और लोगों में इस कार्ड के जरिए खरीदारी करने का क्रेज बढ़ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के जारी आंकड़ों से ये बात सामने आई है जिसमें पता चला है कि भारत में क्रेडिट कार्ड के जरिए होने वाली खरीदारी, पेमेंट आदि का चलन बढ़ा है। आरबीआई ने जो डेटा जारी किया है उससे पता चला है कि वित्त वर्ष 2023 में क्रेडिट कार्ड के जरिए होने वाला खर्च साल दर साल आधार पर 47 फीसदी बढ़ गया है। ये 47 फीसदी बढ़कर 14 खरब रुपये पर आ गया है। ये बढ़ोतरी मुख्य तौर पर ई-कॉमर्स और पॉइंट ऑफ सेल ट्रांजेक्शन्स के जरिए देखने को मिली है। 14 खरब रुपये के कार्ड खर्च का ये आंकड़ा बेहद हैरान करने वाला लगता है। मार्च 2023 में क्रेडिट कार्ड खर्चों ने अपने ऑलटाइम हाई का लेवल हासिल कर लिया और इस महीने में क्रेडिट कार्ड के जरिए होने वाला खर्च 1.37 खरब रुपये पर पहुंच गया था। ग्राहकों ने जरूरी और गैर जरूरी खर्चों दोनों के लिए क्रेडिट कार्ड का जमकर इस्तेमाल किया। मार्च में लगातार 13वां महीना था जब क्रेडिट कार्ड खर्च 1 खरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। मार्च में हुए क्रेडिट कार्ड के कुल खर्च में भी 63 फीसदी हिस्सा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर हुआ था। वित्त वर्ष 2022-23 में 1.167 करोड़ क्रेडिट कार्ड नए जोड़े गए जो वित्त वर्ष 2021-22 में दिए गए 1.115 करोड़ क्रेडिट कार्ड से थोड़ा ही ज्यादा है। आउटस्टेंडिंग क्रेडिट कार्ड की बात करें तो ये फरवरी 28 के 8.3 करोड़ के मुकाबले मार्च 31 को 8.5 करोड़ के आंकड़े पर थे।

आईटी कंपनी के शेयरों में बड़ी गिरावट से एलआईसी को झटका

मूर्ति परिवार को करोड़ों का हुआ नुकसान

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। इन्फोसिस के शेयरों में भारी गिरावट के कारण आईटी कंपनी के बाजार पूंजीकरण से अरबों डॉलर गायब हो गए। कंपनी के शेयरों में जनवरी से मार्च की तिमाही में आमदनी अनुमान से कम रहने के बाद बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। चौथी तिमाही में इन्फोसिस का मुनाफा 7.8 फीसदी बढ़कर 6128 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले कंपनी ने दिसंबर तिमाही में 6586 करोड़ रुपये का मुनाफा हासिल किया था। कंपनी के शेयरों में आई इस गिरावट से भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और मूर्ति परिवार जैसे प्रमुख शेयरधारकों को सोमवार को कारोबार के शुरुआती कुछ ही सेकेंड में ही बड़ा झटका लगा। एलआईसी की इन्फोसिस में 7.71 फीसदी की हिस्सेदारी है। दिसंबर तिमाही के अंत में देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के पास आईटी कंपनी के 28,13,85,267 शेयर हैं। बीते गुरुवार को उनका बाजार मूल्य करीब 39,073 करोड़ रुपये था। सोमवार को शुरुआती कारोबार में इन्फोसिस के शेयरों में दस फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट से इन्फोसिस में एलआईसी के शेयरों का बाजार मूल्य घटकर 35,166 करोड़ रुपये हो गया। इस तरह भारतीय जीवन बीमा निगम को लगभग 3,907 करोड़ रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है। मूर्ति परिवार की बात करें तो नारायण मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति की हिस्सेदारी का बाजार मूल्य बीते गुरुवार को 8,444.47 करोड़ रुपये था। यह सोमवार को घटकर 7,600 करोड़ रुपये रह गया। इसमें 844 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। अक्षता मूर्ति जो नारायण मूर्ति की बेटी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पत्नी हैं के पास बेंगलुरु स्थिति कंपनी इन्फोसिस में 1.07 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। जिनका मूल्य गुरुवार को बाजार बंद होते समय 5,409.58 करोड़ रुपये था।

नई कर व्यवस्था या पुरानी? जानें कितनी बार मिलता है स्विच करने का मौका

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। नया वित्त वर्ष शुरू होने के बाद अब जल्दी ही इनकम टैक्स रिटर्न भरने का सीजन शुरू होने वाला है। अभी इनकम टैक्स रिटर्न भरने के लिए दो कर व्यवस्थाएं नई ओर पुरानी उपलब्ध हैं। सरकार चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग नई व्यवस्था को अपनाएं। इसी लिए सरकार ने नई कर व्यवस्था को डिफॉल्ट बना दिया है। हालांकि अभी भी टैक्सपेयर्स के पास पुरानी कर व्यवस्था को चुनने का विकल्प बचा हुआ है। नई कर व्यवस्था को डिफॉल्ट बनाए जाने का मतलब क्या है, सबसे पहले यह जान लेते हैं। इसका मतलब हुआ कि अगर आप अपने नियोक्ता यानी अपनी कंपनी को पसंद की कर व्यवस्था के बारे में नहीं बताया तो आपके लिए नई कर व्यवस्था का विकल्प खुद ही तय हो जाएगा। सरल शब्दों में कहें तो इसका मतलब हुआ कि अगर आप वेतनभोगी हैं तो आपकी चुप्पी को आयकर विभाग नई कर व्यवस्था के लिए हां मानेगा। दरअसल केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने नियोक्ताओं से कहा कि वो कर्मचारियों से पूछें कि वो नई या पुरानी कर व्यवस्था में से किसमें बने रहना चाहते हैं। कर व्यवस्था के हिसाब से ही वेतन पर कर की गणना होगी और नियोक्ता स्त्रोत पर कर कटौती यानी टीडीएस काटेगा।

आईटी स्टॉक्स में बड़ी गिरावट के चलते 500 अंक गिरकर बंद हुआ सेंसेक्स

निफ्टी भी 125 अंक नीचे हुआ क्लोज

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। तीन दिनों की छुट्टी के बाद इस हफ्ते का पहला कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशानजक रहा। इंफोसिस की अगुवाई में आईटी स्टॉक्स में भारी गिरावट के चलते बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। हालांकि निचले लेवल से बाजार ने रिकवरी भी की। सेंसेक्स में एक समय 1000 तो निफ्टी में 254 अंकों की गिरावट आ गई थी लेकिन बैंकिंग और एफएमसीजी स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार संभला और आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 524 अंकों की गिरावट के साथ 60,000 के नीचे 59,896 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 126 अंकों की गिरावट के साथ 17,701 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेंड में बैंकिंग, एफएमसीजी, एनर्जी, ऑटो, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जासे सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। जबकि आईटी, फार्मा, हेल्थकेयर जैसे सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। स्मॉलकैप और मिडकैप इंडेक्स के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है। आज के कारोबारी सत्र में भी निवेशकों की संपत्ति के आंकड़े में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखने को मिला है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनी का मार्केट कैपिटलाईजेशन बढ़कर 265.94 लाख करोड़ रुपये रहा है तो पिछले ट्रेडिंग सेशन में 265.93 लाख करोड़ रुपये रहा था।

सोने-चांदी की कीमतों में दिखा उछाल

ग्लोबल बाजार से लेकर घरेलू मार्केट में तेजी जारी

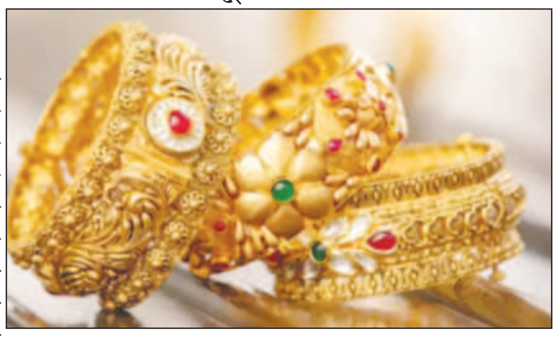

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कमोडिटी बाजार में आज सोने और चांदी के दाम में उछाल देखा जा रहा है। सुनहरी मेटल सोना और चमकीली मेटल चांदी के दाम में मजबूती बरकरार है। गोल्ड और सिल्वर के रेट ग्लोबल बाजार में भी लगातार उछाल के रास्ते पर हैं और सोना-चांदी इस समय ऊपरी दायरे में ही रहेंगे- ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है।

एमसीएक्स पर आज ये हैं सोने के दाम

सोने में आज 209 रुपये या 0.35 फीसदी की तेजी के साथ 60538 रुपये प्रति 10 ग्राम का रेट देखा जा रहा है। इसके ये दाम जून 2023 वायदा के लिए हैं। आज सोने के दाम में सबसे ऊपरी स्तर 60541 रुपये प्रति 10 ग्राम तक के लिए गया था और नीचे की तरफ सोने में 60338 रुपये का लेवल देखा जा चुका है।

एमसीएक्स पर आज ये हैं चांदी के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज चांदी के दाम देखें तो ये 255 रुपये या 0.34 फीसदी की बढ़त के साथ 75910 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रहे हैं। आज के कारोबार में चांदी के ट्रेड की शुरुआत 75677 रुपये पर हुई थी और ऊपर में ये 75982 रुपये तक गई थी। इसके अलावा निचले स्तर पर देखा जाए तो चांदी में 75472 रुपये के लेवल देखे गए थे।

ग्लोबल बाजार में आज क्या है सोने-चांदी का हाल

ग्लोबल बाजार में कॉमैक्स गोल्ड फ्यूचर्स की बात करें ये लगातार सातवें साप्ताहिक बढ़त के दौर में है। कमोडिटी बाजार के जानकारों के मुताबिक सोने के दाम में आगे चलकर भी तेजी जारी रहने की उम्मीद है क्योंकि मई में होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक में एक बार फिर 25 बेसिस पॉइंट की बढ़त की जा सकती है। इसके चलते सोने के दाम में तेजी का सिलसिला जारी रह सकता है और सुहरी मेटल ऊपरी स्तरों पर बनी रह सकती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

सूर्य-	मेष	में
चंद्र-	मीन	में
मंगल	मिथुन	में
बुध-	मेष	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	वृष	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय

मेष--	05-50	बजे
वृष--	07-35	बजे
मिथुन..	09-36	बजे
कर्क...	11-48	बजे
सिंह...	14-00	बजे
कन्या..	16-07	बजे
तुला...	18-12	बजे
वृश्चिक.	20-22	बजे
धनु.....	22-35	बजे
मकर..	00-42	बजे
कुंभ...	02-32	बजे
मीन ..	04-11	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
सूर्योदय- 06-02 सूर्य अस्त- 18-29
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - **13 -27** तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष , मंगलवार **April 18**
नक्षत्र - उ.भाद्रपद - **01- 00** - तक उपरान्त रेवती
योग - ऐन्द्र - **18 - 08** - तक उप - वैधृति
करण- वणिज - **13 - 27** - तक उप- विष्टि
विशेष:- मासिक शिवरात्रि
व्रत -त्योहार - भद्रा काल- **13-28** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:58 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:02 - 07:34	अशुभ	काल.	18:29 - 19:58	अशुभ
उत्पात	07:34 - 09:08	अशुभ	लाभ.	19:58 - 21:23	शुभ
चंचल	09:08 - 10:42	शुभ	उत्पात	21:23 - 22:49	अशुभ
लाभ	10:42 - 12:16	शुभ	शुभ.	22:49 - 00:15	शुभ
अमृत	12:16 - 13:50	शुभ	अमृत	00:15 - 01:41	शुभ
काल	13:50 - 15:24	अशुभ	चंचल	01:41 - 03:07	शुभ
शुभ	15:24 - 16:58	शुभ	रोग	03:07 - 04:33	अशुभ
रोग	16:58 - 18:29	अशुभ	काल	04:33 - 06:02	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो । लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी । अप्रत्याशित समस्याओं से काम कुछ समय के लिए रुक सकता है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नईं जगह जाना चाहते हैं ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी । किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है । किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है । आज से जिन्दगी वापस पटरी पर आती दिख रही है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा । आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है । अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा । पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आप आजकल हर किसी की नजर में हैं ।जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं । इसीलिए लोग आपकी सलाह का उल्टा कर रहें हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे । ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा , हालाँकि क्रोध और चिड़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

घर-जमीन, सब बिक गया, 80 रुपए महीने में गाय चराई

आज घी से सालाना 8 करोड़ का बिजनेस, 123 देशों में कस्टमर

अहमदाबाद, 17 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'गरीबी इतनी थी कि पेट पालना मुश्किल था। हम लोग दूसरों की गाय चराते थे, इसके बदले महीने के महज 80 रुपए मिलते थे। घर ऐसा कि बरसात के दिनों में, बाहर से ज्यादा घर के अंदर पानी बरसता था।

कई बार तो ऐसा हुआ कि सड़क के किनारे लगे सुरंग में सोना पड़ा। मां दूसरों के घरों में काम करती, तब जाकर दो वक्त की रोटी नसीब हो पाती। बाद में जिन गायों को लोग सड़कों पर छोड़ देते थे, उन गायों को मैंने पालना शुरू किया। पहले दूध बेचा फिर घर-घर जाकर घी।

आज जो गौशाला आप देख रहे हैं, यहां 250 से ज्यादा गाय हैं। इसके घी से सालाना 8 करोड़ का बिजनेस है। 123 देशों में घी को एक्सपोर्ट करता हूं। अनपढ़ हूं, लेकिन कॉलेज-यूनिवर्सिटी में लेक्चर और ट्रेनिंग देने के लिए जाता हूं। सफल एंटरप्रेन्योर बनने के तरीके बताता हूं।'

गुजरात का गोंडल शहर। राजकोट जिले से 40 किलोमीटर दूर 'श्री गीर गौ कृषि जतन संस्था'। 45 साल के सफेद कुर्ता-पजामा पहने रमेश भाई रूपारेलिया गायों को चारा खिला रहे हैं। यहीं पर मेरी उनसे बातचीत हो रही है। इस दौरान वो बार-बार गायों के माथे पर हाथ फेरते हुए कह रहे हैं, 'यदि गाय मेरी जिंदगी में नहीं होती, तो मैं किसी गैराज में गाड़ी की सफाई कर रहा होता। पढ़ा-लिखा नहीं हूं, तो करता ही क्या।'

रमेश भाई जब अपने पुराने दिनों में लौटते हैं, तो उनकी आंखें कई सारे दर्द को समेटे हुए दिखाई देती हैं। वो बताते हैं, 'हम लोगों के पास कहने को तो 10 एकड़ जमीन थी, लेकिन बंजर।

घर चलाने के लिए हम लोग दूसरे लोगों की गाय चराने के लिए जाते थे। मैं नाम का 7वीं तक पढ़ा। लिखना-पढ़ना कुछ नहीं आता। गाय चराने से महीने के 80 रुपए मिलते थे।

इसी बीच पापा को लगा कि यदि छोटी-सी गौशाला खोल लें, तो शायद घर के हालात ठीक हो जाए। उन्होंने कुछ गायें तो खरीदीं, लेकिन फायदा होने के बदले हम लोग कर्ज में डूब गए। घर-जमीन सब कुछ बेचना पड़ा। अब न रहने के लिए कोई आसरा था, और न खाने के लिए दाने।

2005-06 की बात है। हम लोग गांव से गोंडल शहर आ गए। एक जैन परिवार ने तरस खाकर रेंट पर जमीन दे दी, लेकिन वो जमीन भी उतनी उपजाऊ नहीं थी। शहर में भी हम लोग गाय चराते थे। एक साल प्याज की बंपर खेती हुई और 35 लाख की फसल बिकी। इसी ने मेरी किस्मत बदल दी। जिस गौशाला में बैठकर हम लोग बात कर रहे हैं, ये उसी कमाई की है।'

फिर ये घी का बिजनेस करने का आइडिया कैसे आया?

इस सवाल पर रमेश भाई मुझे घी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में लेकर चलते हैं। वो बताते हैं 'तो क्या करता। घी के अलावा दूसरा ऑप्शन भी नहीं था। गाय से लगाव तो था ही। जब शहर आया, तो मजदूरी के साथ-साथ गाय भी पालने लगा। मुझे याद है, एक छोटा-सा 10x10 का रेंट पर एक कमरा था, जिसमें हम 6-7 लोग रहते थे। यहीं पर घी तैयार करता था।

शुरुआत में तो घर-घर दूध ही बेचने जाता था। लेकिन एक ऐसा वाकया हुआ, जिसके बाद मैंने कसम खा ली कि अब दूध तो नहीं ही बेचूंगा चाहे भीख ही क्यों न मांगनी पड़े।'

वो कहते हैं, 'मुझे याद है, एक रोज एक परिवार को दूध पहुंचाने गया था। उस परिवार की महिला ने आरोप लगाया कि दूध में से बदबू आ रही है। अब उसे मैं कैसे समझाता कि गिर गाय के दूध का स्वाद ही ऐसा होता है। मुझे बहुत बुरा लगा। मैंने दूध बेचना छोड़कर घी तैयार करना शुरू कर दिया।'

घी बनाने की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के एक छोर पर कड़ाही में मक्खन को खौलाया जा रहा है। वहीं, दूसरे छोर पर कुछ महिलाएं घी की पैकेजिंग कर रही हैं।

रमेश भाई कहते हैं कि 2010 के बाद जब उन्होंने घी बनाने और इसे बेचने की शुरुआत की, तो उन्हें न तो इसकी मार्केटिंग के बारे में कुछ समझ थी और न ही घी की क्वालिटी को लेकर। पहले वो घर-घर जाकर बर्तन में घी लेकर बेचा करते थे।

रमेश भाई बताते हैं, 'जब मैंने छोटे लेवल पर घी का बिजनेस शुरू किया था, तो पत्नी इसे बनाती थी और मैं साइकिल पर लादकर घर-घर बेचने के लिए जाता था। फिर शहर में बेचने लगा। कुछ दिनों बाद ऐसा हुआ कि लोग गिर गाय का प्योर, शुद्ध घी देखकर ही हाथों-हाथ खरीद लेते थे।

जब मैंने उनसे पूछा कि उन्हें घी को खरीदने में क्या-क्या दिक्कतें आती है, तो लोगों का कहना था कि ज्यादा पैसे खर्च करने के बावजूद भी उन्हें ओरिजिनल घी नहीं मिल पाता है।

दरअसल, मुझे पता था कि बिजनेस तो अब घी का ही करना है। इसलिए लोगों से घी बेचने के साथ-साथ फीडबैक भी लेने लगा। फिर क्या गौ सेवा के साथ-साथ इसमें कमाई का भी बड़ा स्कोप दिखा। मैंने गायों के चारा से लेकर इसके खान-पान, औषधी इन सारी चीजों के बारे में पता करना, जानकारी जुटाना शुरू किया।'

रमेश भाई की गौशाला में दूध देने वाली 50 से ज्यादा गाय एक कतार में बंधी है, जबकि जो गाय दूध नहीं दे रही है, उसे रमेश भाई ने दूसरे सेक्शन में बांध रखा है। वो कहते हैं, 'अभी 250 से ज्यादा गाय है। जब मैंने शुरुआत की थी, तो महज 10 गाय थी।

जो गाय कमजोर, बूढ़ी या बीमार होती थी, लोग उसे या तो खुले में छोड़ देते थे, या कम पैसों में बेच देते थे। मैं इन गायों को अपनी गौशाला में ले आता था। उसी समय गुजरात सरकार एक पॉलिसी लेकर आई, जिसमें 10 से ज्यादा गाय रखने वाले लोगों को 10 लाख की सब्सिडी मिल रही थी। मुझे भी इसका लाभ मिला।

प्याज से हुए 35 लाख के मुनाफे से मैंने 4 एकड़ जमीन खरीदी और गौशाला के एरिया को बढ़ाना शुरू किया।'

रमेश भाई के पास दुबई और अमेरिका से घी एक्सपोर्ट करने को लेकर ऑर्डर आए हुए हैं। उसी को लेकर पैकेजिंग सेक्शन में घी को पैक किया जा रहा है। इस यूनिट के ठीक सामने किसी आईटी कंपनी की तरह दर्जनों लोग कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं।

आप का काम तो किसी प्रोफेशनल मैनेजमेंट की तरह दिखाई दे रहा है?

रमेश भाई हंसते हुए कहते हैं, 'मैं तो पढ़ा-लिखा हुआ भी नहीं हूं, लेकिन मैंने टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल किया। मुझे किसी चीज को खंगालना, उसकी तह तक जाना अच्छा लगता है। आज मेरे टैलेंट और मैनेजमेंट की बदौलत ही इंजीनियर और एमबीए किए हुए लोगों की टीम साथ में काम कर रही है।'

रमेश भाई कहते हैं, 'शुरुआत में तो मैं अपने शहर और जानने वाले लोगों को ही घी बेचता था, लेकिन जैसे ही मैंने सोशल मीडिया और वेबसाइट के जरिए बेचना शुरू किया, दूसरे राज्यों के लोग भी ऑर्डर करने लगे। मुझे फिर ऑफलाइन आउटलेट खोलने की जरूरत भी नहीं पड़ी।

दरअसल, घी ऐसी चीज है कि यदि शुद्ध मिल जाए, तो यह किसी दवा से कम नहीं। हर कोई चाहता है कि उसे शुद्ध घी मिले। इसलिए मैंने लोगों की जरूरतों के मुताबिक पैकेजिंग से लेकर प्रोडक्ट की क्वालिटी और कैटेगरीवाइज क्वांटिटी पर फोकस करना शुरू किया।

आज हर रोज हमारे पास 100 से ज्यादा लोगों के सिर्फ क्वेरी आते हैं। इसके लिए अलग से हमारी टीम काम करती है। हर दिन 40 किलोग्राम घी का प्रोडक्शन होता है। 60 कैटेगरी में घी तैयार करते हैं। इतना ही नहीं, घी के अलावा हम छाछ, मक्खन, गोबर से बने प्रोडक्ट समेत दर्जनों आइटम बेचते हैं।'

रमेश भाई घी की एक बॉटल दिखाते हुए कहते हैं कि घी को लेकर कुछ लोगों को ये भी लगता है कि यदि वो इसे खाएंगे, तो उन्हें कई तरह की परेशानियां होंगी। फैट वगैरह बढ़ जाएगा। लेकिन यदि वो शुद्ध घी खाते हैं, वॉकआउट करते हैं, तो इस तरह की कोई परेशानी नहीं होगी।

यह कमाई के साथ-साथ सेहत का भी जबरदस्त फंडा है। आज मेरे 123 देशों में कस्टमर हैं। हमने घी से भरे कांच की बॉटल की ऐसी पैकेजिंग की है कि आप इसे जमीन पर भी फेंक देंगे, तो नहीं टूटेगी।'

रमेश भाई बताते हैं, 'लोगों को लगता है कि घी, दूध, गोबर से हम क्या ही कर लेंगे? आप देख रहे हैं मुझे कभी मेरे पास खाने के दाने नहीं थे, रहने को घर नहीं था, पहनने के लिए कपड़े नहीं थे। आज मेहनत की बदौलत करोड़पति हूं। कंपनी का सालाना टर्नओवर 8 करोड़ के करीब है।'

रमेश भाई घी के प्रोडक्शन के साथ-साथ गोबर से बने दूसरे प्रोडक्ट और किसानों के लिए ऑर्गेनिक खाद को लेकर भी काम कर रहे हैं। रमेश भाई के पास भले ही एग्रीकल्चर से रिलेटेड कोई डिग्री नहीं है, लेकिन उनके खेत में कई तरह के एक्सपेरिमेंट दिखाई दे रहे हैं।

वो कहते हैं, 'ये सब एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट से अप्रूव हो चुका है। 15 सालों से मैं ऑर्गेनिक फार्मिंग कर रहा हूं। ये जो आप बड़ा-सा प्लास्टिक का बैग देख रहे हैं। इससे बायो-फर्टिलाइजर लिक्विड खाद तैयार होता है। इसे मैंने डेवलप किया है। हमारे किचन से हर दिन जो वेस्ट निकलता है, उससे यह तैयार होता है। गोबर को इस तरह का फर्टिलाइजर बनाने में 10 महीना लगता है, जबकि इस बैग के जरिए महज 20 दिन में खाद तैयार हो जाता है।

अब मैं नए युवाओं के लिए गौपालन और घी के बिजनेस को लेकर ट्रेनिंग प्रोग्राम चला रहा हूं। कॉलेज, यूनिवर्सिटी में बतौर गेस्ट लेक्चरर जाकर सेशन लेता हूं।'

पढ़ाई के तनाव में छात्र ने दी जान

कोरबा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरबा में एक छात्र ने पढ़ाई की टेंशन के चलते सुसाइड कर लिया है। वो इंजीनियर बनना चाहता था। इसके लिए जेईई की तैयारी कर रहा था। मगर कुछ महीनों से वह काफी परेशान रहने लग गया था।

इस वजह से उसके परिजनों ने भी खूब समझाया था। फिर भी वह टेंशन में ही रहता था। स्टूडेंट ने ट्रैक पर गर्दन रखकर लेट गया था। जिससे उसका धड़ सिर से अलग हो गया। मामला कुसमुंडा थाना क्षेत्र का है।

रामसागर पारा निवासी अमन भार्गव(19) ने पिछले साल ही 12वीं पास किया था। इसके बाद से वह ड्रॉप लेकर परीक्षा की तैयारी में जुटा था। लेकिन कुछ महीनों से वह परीक्षा और पढ़ाई को लेकर बहुत तनाव ले रहा था। उसके परिजन बार बार उसे समझाते थे, पर वह हमेशा गुमसुम रहता था।

इस बीच रविवार सुबह अमन घर से निकला था। फिर उसका देर शाम तक कुछ पता नहीं चला। वहीं पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक का शव कुसमुंडा खदान के अंदर साइलो वन रेल पटरी पर पड़ा है। जिसके बाद पुलिस ने युवक की पहचान अमन के रूप में की थी। इसके बाद सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। शव देखकर वे फूट-फूटकर रोने लगे। वहीं शव को पीएम के लिए भेजा गया था। अगले दिन सोमवार को शव का पोस्टमॉर्टम किया गया है। जिसके बाद पूरे घटनाक्रम और अमन के बारे में परिजनों ने जानकारी दी है।

फिलहाल पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। परिजनों ने यह भी बताया कि अमन बचपन से ही पढ़ाई लिखाई में अच्छा था, पर पता नहीं क्या हो गया जो अचानक से उसने इतनी चिंता करनी शुरू कर दी थी।

फेमिना मिस इंडिया में छत्तीसगढ़ की अदिति

बोलीं-नेपोटिज्म, कास्टिंग काउच जैसा कुछ नहीं, काम अच्छा करिए बस, बचपन में हो गया माता-पिता का तलाक

रायपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजधानी रायपुर की रहने वाली अदिति शर्मा ने मुंबई में आयोजित फेमिना मिस इंडिया-2023 में चौथा स्थान हासिल की हैं। रविवार शाम वापस राजधानी लौटीं तो उनके परिजनों ने ढोल बजाकर स्वागत किया। अदिति के साथ उनके घर के लोग खुशी मनाते और डांस करते नजर आए।

नोपोटिज्म (भाई-भतीजावाद) को लेकर अदिति ने कहा, देखिए मुझे नहीं लगता कि मॉडलिंग के फील्ड में ऐसा कुछ है। क्योंकि मैं जहां ऑडिशन देने के लिए गई तो किसी ने भी न तो मेरा नाम पूछा, न ही आप किसके माध्यम से आई हो ये पूछा। जब मैंने ऑडिशन में अच्छा काम किया तो मुझे वो रोल मिलते गया। मेरे एक्सपीरिएंस के हिसाब से नेपोटिज्म एक मिथ्या है। आपका काम बस अच्छा होना चाहिए।

अदिति ने अपने करियर और बचपन को लेकर बताया कि 2 महीने पहले ही उन्होंने अपने मां के नाम को साथ में जोड़कर अपना नाम अदिति संध्या शर्मा कर लिया है। वो अपनी बहन और मम्मी के साथ रहती हैं। अदिति ने अपनी स्कूलिंग रायपुर से पूरी की है और फिर कानून की पढ़ाई करने के लिए वो नोएडा चली गईं थीं। उन्होंने बताया कि जब वह 8 महीने की थीं तो उनके माता-पिता का तलाक हो गया। जिसके बाद मां ने ही उनका पालन-पोषण किया। अच्छी शिक्षा दी और इस काबिल बनाया है।

उन्होंने बताया कि लाइफ में बहुत कम मौके पर वो निराश हुईं। लाइफ को पूरी मस्ती और एन्जॉय के साथ जिया है। वो हमेशा सोचती हैं कि न सिर्फ छत्तीसगढ़ और परिवार का, बल्कि पूरे वर्ल्ड में इंडिया का नाम रोशन करूं। जिससे सबको पता चले की हम केवल सपने नहीं देखते बल्कि उसे पूरा करने की हिम्मत भी रखते हैं।

अदिति कहती हैं कि मम्मी शुरुआत में नहीं चाहती थी कि मैं

मॉडलिंग यां एक्टिंग करूं। उन्होंने मुझे अपनी तरह ही वकालत की पढ़ाई करवाई। लेकिन कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के बाद मेरा मन हमेशा से एक्टिंग की दुनिया में रहा। तब मम्मी ने मुझे परमिशन दे दी और कहा कि कौन कहता है कि आसमान में सुराख नहीं होता एक पत्थर तो तबीयत से उछाल के देखो यारो। फिर यहां से उनका एक्टिंग में सफर शुरू हो गया।

अदिति ने बताया कि फ्री टाइम में वो काफी सारे मूवीज के मोनोलॉग्स बनाती हैं। इसके साथ ही ड्रामा और डांस कर खुद को हमेशा खुश रखती हैं। वो जब मैलोडी मूड में रहती हैं तो शायरी लिखना पसंद करती हैं। मिस इंडिया कॉम्पिटिशन में जाने से पहले उन्होंने खुद से एक शायरी लिखी थी- तकदीर का खेल देखिए जनाब कि सोचा नहीं था आज इस मोड़ पे आ जाइएगा। बस एक वादा है खुद से सारा जहां एक ताज के साथ इस सर में सजायेंगे।

रायपुर और मुंबई में मॉडलिंग करियर के सवाल पर उन्होंने कहा कि मॉडलिंग एक ऐसी चीज है, जिसे कहीं से भी शुरू किया जा सकता है। लेकिन जब इसे आप एक फुल टाइम प्रोफेशन बनाना चाहो तो मुंबई और दिल्ली जैसी जगह बेस्ट है।

अपने बॉलीवुड में फिल्मी करियर को लेकर अदिति ने बताया कि उन्होंने अभी हाल में ही जोया अख्तर के प्रोडक्शन की फिल्म में काम किया है। जिसका नाम है 'खो गए हम कहां'। इस फिल्म में अनन्या पांडेय और सिद्धान्त चतुर्वेदी लीड रोल में है। एक आगामी फिल्म ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की लीड में फाइटर बन रही है। जिसमें वो फाइटर पायलट की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा उन्होंने ब्रांड के ऐड,विज्ञापनों में काम किया हुआ है।

छत्तीसगढ़ी फिल्म को लेकर उन्होंने कहा कि यदि आप अपनी मेहनत से फिल्म बनाएंगे तो वह जरूर सफल होगी। फिल्म कहीं की भी हो, बस कंटेंट, स्टोरी बहुत अच्छी होनी चाहिए। कास्टिंग काउच के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस तरह का मैंने कुछ भी ऐसा नहीं देखा। छत्तीसगढ़ की गर्ल्स को उन्होंने मैसेज देते हुए कहा कि यदि मॉडलिंग करना चाहते हो, टैलेंटेड हो तो किस चीज का वेट कर रही हो, उठो तैयार हो और निकलो मुंबई। जब उनसे छत्तीसगढ़ी में कुछ कहने के लिए कहा गया था तब उन्होंने- छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया।

2023 फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में विनिंग ताज नंदिनी गुप्ता के सिर पर सजा है। नंदिनी मूलतः राजस्थान के कोटा की रहने वाली हैं। उनके पिता सुमित गुप्ता पेशे से किसान हैं। शनिवार देर रात मुंबई में हुए इवेंट में पिछले साल की मिस इंडिया सिनी शेट्टी ने नंदिनी (19) को ताज पहनाया। अदिति ने इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पहले टॉप-7 में अपनी जगह बनाकर छत्तीसगढ़ का नाम पूरे देश में ऊंचा कर दिया है।

भगवान परशुराम का सम्मान तभी जब विश्व के ब्राह्मण एक मंच पर आएंगे — वीरेश शांडिल्य

अम्बाला, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्राह्मण महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने आज अंबाला शहर के सैनी भवन में भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में शिरकत की और भगवान परशुराम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी व कहा कि यदि देश का ब्राह्मण भगवान परशुराम को पूजता है तो विश्व के ब्राह्मणों को एक मंच पर आना होगा। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री पंडित विनोद शर्मा, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रमुख डॉ. संजय शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता प्रवीन अत्रे, वरिष्ठ ब्राह्मण नेता दयानंद शर्मा, पूर्व नगर परिषद चेयरमैन नीलम शर्मा, रेखा शर्मा समेत ब्राह्मण समाज के गणमान्य मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में पहुंचने पर वीरेश शांडिल्य का प्रबंधक समिति के प्रधान दिनेश गौड़, प्रशांत मिश्रा, कर्ण किशोर गौड़, बृजेंद्र शर्मा समेत अखिल

भारतीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

शांडिल्य ने भगवान परशुराम के पराक्रम को याद करते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज का पथ-प्रदर्शक है लेकिन ब्राह्मण स्वयं संगठित कब होगा। उन्होंने कहा की युवा ब्राह्मण पीढ़ी को आगे आना होगा क्योंकि आज समय के अनुसार जरूरी है। कार्यक्रम के आयोजकों ने वीरेश शांडिल्य को बब्बर शेर बताते हुए आज के युग का भगत सिंह बताया और कहा कि ब्राह्मण समाज को शांडिल्य जैसे वीर सपूतों पर गर्व है जो देश की एकता और अखंडता के लिए बिना जान की परवाह किए हुए पाकिस्तान और खालिस्तान आतंकवाद को मुहतोड़ चुनौती दे रहे है। आयोजकों ने कहा शांडिल्य जिंदा शहीद है जो जान हथेली पर रखकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ते है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं ने शांडिल्य को चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस व मंगल पांडेय की तरह शूरवीर बताया और कहा की आतंकवाद के खिलाफ पिछले तीन दशकों से चल रही शांडिल्य की मुहिम तारीफ के काबिल है। शांडिल्य ने कहा इतिहास इस बात का गवाह है जब-जब ब्राह्मण समाज संगठित हुआ तब-तब उसे गौरव एवं सम्मान प्राप्त हुआ हुआ। उन्होंने कहा की उनका सपना है की अब ब्राह्मण समाज के बड़े बुजुर्ग अपने समाज के युवाओं को आगे करें युवा समाज की निश्चित तौर पर रीढ़ की हड्डी है उन्होंने कहा ब्राह्मण समाज को स्वयं संगठित होने की जरूरत है बाकी समाज के लोग तो उनका सम्मान करते है उसका कारण यह की ब्राह्मण हमेशा जहा रहता है वहा आसपास के साम्राज्य का भला चाहता है। उन्होंने कहा भगवान परशुराम जयंती पर देश में सैंकड़ों ब्राह्मण सभाएं उनको याद करती है लेकिन अगर यह यादगार या जयंती राष्ट्रीय स्तर पर एक ही संगठन के आह्वान पर मनाई जाये तो निश्चित तौर पर ब्राह्मण समाज निखर कर आएगा। शांडिल्य ने कहा इस देश में ब्राह्मण ही एक ऐसी जाति है जो शस्त्र और शास्त्रों का ज्ञान रखती है बुद्धिजीवी भी है और जरूरत पड़ने पर योद्धा भी है। उन्होंने कहा भगवान से लेकर बड़े-बड़े राजे-महाराजाओं को शास्त्रों व शस्त्रों का ज्ञान ब्राह्मण ऋषि-मुनियों ने दिया। शांडिल्य ने कहा देश की आजादी में ब्राह्मण समाज के क्रांतिकारियों का योगदान अहम था और वह भी क्रांतिकारियों के पदचिन्हों पर चल रहे है। वहीं कार्यक्रम में वीरेश शांडिल्य ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री पंडित विनोद शर्मा देश में ब्राह्मण समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर सकते है क्योंकि चाहे राजनीति हो या उद्योग जगत हो विनोद शर्मा व उनका परिवार दोनो स्थानों पर अग्रणी स्थान पर है। शांडिल्य ने कहा अगर विनोद शर्मा देश के ब्राह्मणों को एक लाने की मुहिम छेड़ेंगे तो उन्होंने कहा कि वह दिल्ली तालकटोरा स्टेडियम में ढाई लाख ब्राह्मणों को एकत्रित कर कार्यक्रम करने की जिम्मेवारी ली।

धर्मांतरण का सच बता रहे आदिवासी

बस्तर, सरगुजा में जनजातियों के घरों से हटवाई देवी-देवताओं की तस्वीरें, बीमारियां दूर करने के बहाने बदली मान्यताएं

रायपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण एक बड़ा सियासी मुद्दा है। ये मुद्दा भले ही आज की तारीख में चर्चा में अधिक है। लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि बीते 10-15 साल से धीरे-धीरे ये मुद्दा न सिर्फ प्रदेश के जंगली इलाकों में फला-फूला बल्कि बहुत से हिस्सों में छा चुका है।

वो आदिवासी जिनसे छत्तीसगढ़ को देश और दुनिया में पहचाना जाता है। अब उनकी मान्यताएं, परंपराएं बदल रही हैं। यही बदलाव बस्तर से सरगुजा तक टकराव का कारण बन रहा है। सियासी लोग और सामाजिक संस्थाएं कहती हैं, धर्मांतरण हो रहा है। जनता ने जिन्हें सत्ता की कमान सौंपी है वो इस बात से इनकार करते दिखते हैं।

रायपुर में रविवार को जनजाति सुरक्षा मंच के कार्यक्रम में बस्तर, अंबिकापुर, जशपुर, रायगढ़, कांकेर, नारायणपुर के आदिवासी पहुंचे थे। इनकी मांग है कि धर्म बदल चुके आदिवासियों को आरक्षण के फायदे से अलग किया जाए। इस प्रक्रिया को डी-लिस्टिंग कहा जाता है। यहां आए प्रदेशभर के आदिवासियों ने इस सवाल का जवाब दिया कि क्या आदिवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण होता है?

बस्तर जिले से रायपुर आई बालमति नागेश ने बस्तर जिले के दूर-दराज के गांवों का हाल बयां किया। उन्होंने बताया, पिछले साल मेरे परिचय के कुछ आदिवासी परिवार ईसाई मान्यताओं के साथ जीने लगे। इसी तरह कई गांवों में ये पिछले कुछ सालों में हुआ है। ईसाई धर्म का प्रचार करने वाले लोगों से मिलते हैं, गरीबी दूर करने, स्वास्थ्य लाभ देने (चंगाई सभा ले जाकर), शिक्षा की सुविधा दिलाने की बात कहकर प्रलोभन देकर ईसाई बनाया गया है।

वो कहते हैं कि यदि किसी घर का एक सदस्य ईसाई मान्यताओं के साथ जीना शुरू करता है तो उसके पूरे परिवार और रिश्तेदारों को ईसाई बनने को कहा जाता है। इसके बाद देवी देवताओं की तस्वीरों को हटवाया जाता है। तुलसी चौरा को तोड़ने, तुलसी के पौधे को हटाने जला देने को कहा जाता है। ऐसा बहुत से ग्रामीण कर भी रहे हैं।

कांकेर जिले के अमाबेड़ा गांव से आए आदिवासी युवक ने बिंसु राम मंडावी ने बताया कि हमारे इलाके में ईसाई धर्म का प्रचार होता है।

कई आदिवासी समुदाय के लोग चर्च में प्रार्थना करने जाते हैं। मैंने देखा है कि गांव में कुछ लोग उन्हें फिर से हिंदू मान्यताओं से जीने को कहते हैं तो विवाद होता है, मगर बात थाने तक नहीं जाती, वो लोग नहीं मानते और ईसाई परंपरा के अनुसार जी रहे हैं। मेरे छोटे चाचा को भी वो लोग ले जाकर ईसाई बना दिए।

भारत-अमेरिका सहयोग, अब इंटेलिजेंस शेयरिंग बढ़ेगी

पीएम मोदी की जून में यूएस विजिट, ड्रोन डील पर नजर

वॉशिंगटन, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में मजबूती के नए आयाम बन रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जून में संभावित अमेरिका यात्रा में अन्य द्विपक्षीय समझौते के साथ अब इंटेलिजेंस शेयरिंग में बड़े करार की संभावना है। साढ़े 24 हजार करोड़ के एमक्यू9 बी ड्रोन डील पर भी नजर है। 2001 तक भारत-अमेरिका रक्षा सौदे लगभग शून्य थे।

दरअसल, 1947 के बाद से दोनों देशों के बीच बहुत ही छोटे रक्षा समझौते हुए थे। 1998 में भारत के पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद अमेरिका की ओर से लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के बाद तो छिटपुट रक्षा समझौते भी खत्म हो गए। भारत और अमेरिका के बीच 2001 से नए दौर की शुरुआत हुई। इसके बाद 2022 तक भारत और अमेरिका के बीच रक्षा करार लगभग 1.64 लाख करोड़ रुपए के हो चुके हैं।

चीन को पछाड़ यूएस बना भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार

अमेरिका 2022-23 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है। मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स के मुताबिक, भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 7.65% वृद्धि से 10 लाख 55 हजार करोड़ का हो गया। 2021-22 में 9 लाख 8 हजार करोड़ था। 2020-21 में यह 6 लाख 60 हजार करोड़ का था।

2022-23 में भारत-चीन में व्यापार 1.5% गिरावट के साथ 9 लाख 33 हजार करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले वर्ष 9 लाख 46 हजार करोड़ रुपए था।

दक्षिण एशिया में भारत सबसे मजबूत पार्टनर

पेंटागन के एक अधिकारी ने कहा- दक्षिण एशिया क्षेत्र में भारत ही अमेरिका का सबसे मजबूत पार्टनर है। रक्षा सौदों से और मजबूती मिल रही है।

खुफिया सूचनाएं साझा करने का आधार बना 'बेका'

भारत और अमेरिका ने 2020 में खुफिया सूचनाओं को साझा करने के बेका समझौता किया है।

अब तक क्या : विभिन्न चैनलों से नियमित रूप से काउंटर टेररिज्म, जनरल मिलिट्री इंफॉर्मेशन (जीएसओएमआईए), साइबर सिक्योरिटी, लॉजिस्टिक एक्सचेंज, सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाता है।

क्या होने की संभावना : ब्रिटेन और अन्य तीन देशों के साथ अमेरिका के फाइव आई अलायंस तर्ज पर भारत से भी सूचनाओं के आदान-प्रदान का नेटवर्क और बढ़ने की संभावना है।

पाकिस्तान में चीनी नागरिक पर ईशनिंदा का आरोप

इस्लामाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अब एक चीन के नागरिक पर ईशनिंदा का आरोप लगा है। गुस्साए लोगों ने कोहिस्तान में चीनी नागरिकों के रिहायशी कैम्प को घेर लिया। ऐन मौके पर पुलिस पहुंची और चीन के सभी नागरिकों को बमुश्किल बचाया। जिस शख्स पर ईशनिंदा का आरोप लगा है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। 3 दिसंबर 2021 को सियालकोट में श्रीलंका के एक फैक्ट्री मैनेजर को भीड़ ने पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। बाद में उसे फैक्ट्री से खींचकर लाया गया और जिंदा जला दिया। उस वक्त इमरान खान प्रधानमंत्री थे। पाकिस्तान सरकार की तरफ से जारी डेटा के मुताबिक- 1947 से अब तक 89 लोग ईशनिंदा के आरोप में मारे गए हैं।

बीमारी का बहाना बना कैद से बचकर ब्रिटेन भागे नवाज शरीफ लौटेंगे पाकिस्तान!

गृह मंत्री ने किया दावा

इस्लामाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने नवाज शरीफ की पाकिस्तान वापसी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ देश में आम चुनाव की तैयारियां शुरू होते ही लंदन से लौट आएंगे।

पाकिस्तान के एक चैनल को दिए इंटरव्यू में सनाउल्लाह ने कहा कि नवाज शरीफ पाकिस्तान में होने वाले आम चुनाव में पीएमएल-एन की तैयारियों का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने यह भी साफ किया कि सुप्रीम कोर्ट के

आदेश और इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की लाख कोशिशों के बावजूद राजनीतिक तौर पर अहम पंजाब प्रांत में 14 मई को चुनाव नहीं होंगे।

गौरतलब है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ नवंबर 2019 में इलाज कराने का हवाला देते हुए लंदन चले गए थे। जब नवाज लंदन गए, तब उन्हें भ्रष्टाचार के मामले में सजा सुनाई जा चुकी थी और वे लाहौर की कोट लखपत जेल में सात साल की जेल की सजा काट रहे थे। हालांकि, चिकित्सा कारणों से बाद में हाईकोर्ट ने उन्हें चार हफ्ते के लिए राहत दी थी। इसी दौरान नवाज लंदन भाग निकले और तब से वे पाकिस्तान नहीं लौटे।

सूडान के सेना-अर्धसैनिकों के बीच झड़प जारी

अब तक 100 की मौत, यूएन ने सभी कार्यों पर लगाई रोक

खार्तूम, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सूडान में अर्धसैनिकों और सशस्त्र बलों के बीच झड़प तीसरे दिन भी जारी है। इस झड़प में मरने वालों की संख्या बढ़कर अब 97 तक पहुंच गई है। वहीं 600 लोग घायल हुए हैं। डॉक्टरों की केंद्रीय समिति ने बताया कि सोमवार सुबह राजधानी के दक्षिणी हिस्से में तोप से एक अस्पताल पर हमला किया गया। इस हमले में एक बार फिर आतंक और दहशत की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, इससे किसी भी मरीज या अस्पताल के कर्मचारियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

राजधानी खार्तूम के लोगों ने बताया कि सुबह के नमाज के बाद से ही झड़प तेज हो गई थी। पूरी रात गोली और विस्फोट की आवाजें सुनाई दी। सैन्य नेता अब्देल फतह अल-बुरहान और अर्द्धसैनिक कमांडर मोहम्मद हमदान डागलो के बीच संघर्ष काफी दिनों से चल रहा था। पिछले कुछ महीनों में दोनों ही जनरलों ने खुलकर एक-दूसरे की जमकर आलोचना की है।

शनिवार को संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम में तीन कर्मचारियों की मौत हो गई थी, जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने सभी कार्यों पर अस्थाई तौर पर रोक लगा दी है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की कार्यकारी निदेशक सिंडी मैक्केन ने रविवार को कहा कि सुरक्षा स्थिति को देखते हुए सूडान में फिलहाल सभी ऑपरेशन लंबित रहेंगे। उन्होंने कहा- डब्ल्यूएफपी गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे सूडानी लोगों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है। अगर यहां हमारी टीमों की सुरक्षा की गारंटी नहीं है तो हम यहां कार्य नहीं कर सकते हैं। सभी पक्षों को एक समझौता पर आना होगा, जो मानवीय कार्यकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

अब शुरू हो गई है एशिया मुद्रा कोष बनाने के प्रस्ताव पर चर्चा

हांगकांग, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की तर्ज पर एशिया मॉनेटरी फंड (एएमएफ) बनाने के मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के प्रस्ताव को एक दूरगामी महत्त्व की पहल माना गया है। समझा जाता है कि अगर यह संस्था वजूद में आई तो उससे विभिन्न देशों की अमेरिकी मुद्रा डॉलर पर निर्भरता घटेगी। इब्राहिम ने एएमएफ के गठन का प्रस्ताव पिछले महीने के आखिर में अपनी चीन यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सामने रखा था। उसके बाद से अब तक अनेक देश इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं।

मशरूम चुन रहे 31 लोगों की मौत

आईएसआईएस पर लगे हत्या के आरोप, मानवाधिकार संगठन का दावा- 2 को किडनैप भी किया

दमसकस, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सीरिया के हमा शहर के रेगिस्तानी इलाके में मशरूम चुनने गए 31 लोगों की मौत हो गई। आतंकी संगठन आईएसआईएस पर इनकी हत्या के आरोप लगे हैं। इस घटना की जानकारी ब्रिटेन के मानवाधिकार संगठन सीरियन ऑब्जर्वेटरी ने दी है। सीरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी सना ने भी इसकी पुष्टि की है।

हालांकि, एजेंसी के मुताबिक आईएसआईएस के हमले में 26 लोग मारे गए हैं। मानवाधिकार संगठन ने ये भी बताया है कि एक अलग मामले में आतंकी संगठन ने 4 भेड़ चरा रहे लोगों की हत्या कर दी। वहीं, 2 को किडनैप कर लिया।

मरने वालों में 12 सरकार के लड़ाके

रिपोर्ट्स के मुताबिक आईएसआईएस के हमले में मरने

वालों में 12 सरकार के लड़ाके भी शामिल थे। जबकि बाकी 20 आम नागरिक थे। सीरियन ऑब्जर्वेटरी ने बताया कि मोटरसाइकिल पर आए जिहादियों ने ऑटोमेटिक राइफल से गडरियों के एक समूह पर भी हमला कर दिया। वो इनकी भेड़ चुरा ले गए और दो लोगों को भी किडनैप कर लिया।

जान जोखिम में डालकर मशरूम चुनने जाते हैं लोग

12 साल से चल रही जंग ने सीरिया की अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है। ऐसे में लोग मशरूम के सहारे घर चलाने को मजबूर हैं। दरअसल, सीरिया के रेगिस्तानी मशरूम जिसे ट्रफल कहा जाता है, इसकी दुनिया में काफी मांग है। ये काफी कीमती भी होता है।

यही वजह है कि सरकार की पाबंदी के बावजूद लोग अकसर इन्हें चुनने के लिए दूर-दराज के रेगिस्तान में चले जाते हैं। जहां ये आईएसआईएस के हमलों का शिकार बन जाते हैं। मानवाधिकार संगठन के मुताबिक ट्रफल चुनने के लिए फरवरी से अब तक 230 लोग जान गवां चुके हैं। इनमें वो 15 लोग भी शामिल हैं जिनकी मार्च में आईएसआईएस के लोगों ने गर्दन काट दी थी।

नक्सल विरोधी अभियान के विरोध में ग्रामीण

पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी ग्रामीणों ने कहा, हमारा गांव हैं भारत-पाकिस्तान का बॉर्डर नहीं

पश्चिमी सिंहभूम, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कोल्हान इलाके में ग्रामीण नक्सल अभियान का विरोध कर रहे हैं। भारी संख्या में ग्रामीणों ने पारंपरिक हथियार के साथ विरोध प्रदर्शन किया। कोल्हान के जंगल में बिछाए गये आईईडी बम की चपेट में आने से कई ग्रामीणों को मौत हो रही है। खतरा कम होने के बजाय बढ़ रहा है। यही वजह है कि ग्रामीण नक्सल विरोधी ऑपरेशन का विरोध कर रहे हैं। रविवार को कोल्हान जंगल के आराहासा पंचायत के बोरोई गांव में हजारों की तादाद में पारंपरिक हथियारों से लैस ग्रामीण का जुटान हुआ। इस दौरान ग्रामीणों जल-जंगल और जमीन अधिकार रक्षा मंच और कोल्हान रक्षा संघ के बैनर तले इंकलाब जिंदाबाद और पुलिस प्रशासन विरोधी नारे लगाए गए। मंच की ओर से पहले बोरोई गांव के मैदान में जमावड़ा हुआ। कुल्हाड़ी, तीर-धनुष व नगाड़े और मांदर बाजा की थाप पर जमकर नारे लगाए गए। इसके बाद बोरोई से ग्रामीणों का हुजूम बाईसाई, आराहासा पुलिस कैंप की ओर गया। लोगों का कहना था कि कोल्हान जंगल में कई महीनों से नक्सल अभियान चल रहा है। इस दौरान स्थापित पुलिस कैंप में तैनात फोर्स गांवों में मोर्टार के द्वारा बम और गोले दाग रही है। पांच निर्दोषों की मौत,18 से ज्यादा जवान घायल हुए हैं। इस इलाके में माओवादियों के एक करोड़ के इनामी कई नेताओं के होने की बात पुलिस और केंद्रीय पुलिस बल कहती है। माओवादी इस इलाके को युद्ध क्षेत्र घोषित कर रखे हैं।

दुबई की एक इमारत में लगी थी आग

जान गंवाने वाला भारतीय जोड़ा कर रहा था इफ्तार की तैयारी

दुबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दुबई में शनिवार को एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से 16 लोगो की मौत हुई थी। इसमें केरल के एक दंपति की भी जान गई है। बताया जा रहा कि जिस समय आग लगी थी यह भारतीय जोड़ा पड़ोसियों के लिए इफ्तार का खाना तैयार कर रहा था।

केरल के 38 वर्षीय रिजेश कलंगदान और उनकी 32 वर्षीय पत्नी जेशी कंदमंगलथ अपने मुस्लिम पड़ोसियों के लिए शनिवार शाम को खाना बना रहे थे। कलंगदान एक ट्रैवल एंड टूरिज्म कंपनी में बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर थे, जबकि कंदमंगलथ एक स्कूल टीचर थीं। दंपति शनिवार को विशु मना रहा था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वे केले के पत्ते पर परोसे जाने वाले एक शाकाहारी त्योहार विशुसाध्या बना रहे थे। उन्होंने अपने

रिजेश कलंगदान और उनकी पत्नी जेशी कंदामंगलथ

मुस्लिम कुंवारे पड़ोसियों के एक समूह को इफ्तार के लिए आमंत्रित किया था। दंपति के एक पड़ोसी रियास ने बताया कि वह बहुत ही अच्छे लोग थे। हमेशा लोगों की मदद करने के लिए तैयार रहते थे। त्योहार पर हमेशा वह आमंत्रित करते थे। उन्होंने हमें ओणम और विशु लंच के दौरान पहले भी आमंत्रित किया था। इस बार उन्होंने रमजान के चलते हमें इफ्तार करने के लिए बुलाया था।

रियास ने कहा कि हमने अंतिम बार दंपति को अपने अपार्टमेंट में जाते हुए देखा था। बाद में उन्हें कॉल किया तो कोई जवाब नहीं आया। उन्होंने कहा कि दोपहर 12.35 बजे व्हाट्सएप पर रिजेश का लास्ट सीन देखा था। विश्वास नहीं हो रहा है कि जिस व्यक्ति ने रविवार के लिए मेरी फ्लाइट टिकट बुक करने में मेरी मदद की थी, जिस व्यक्ति ने मुझे इफ्तार के लिए आमंत्रित किया था, वह चला गया है।

गौरतलब है, दुबई सिविल डिफेंस ऑपरेशंस रूम को शनिवार को दोपहर 12.35 बजे दुबई के पुराने इलाके अल रास की एक इमारत में आग लगने की सूचना मिली थी। इमारत की चौथी मंजिल पर भीषण आग लग गई थी और अन्य क्षेत्रों में फैलने लगी।

दुबई सिविल डिफेंस मुख्यालय की एक टीम आग लगने की जगह पर पहुंची और इमारत में रह रहे लोगों को बाहर निकालना शुरू कर दिया।

पोर्ट सईद फायर स्टेशन और हमरियाह फायर स्टेशन से भी टीमों को बुलाया गया। दोपहर 2:42 बजे (स्थानीय समयानुसार) आग पर काबू पा लिया गया। पीड़ितों में केरल के एक जोड़े सहित चार भारतीयों की पहचान की गई है।

4 भारतीयों की हुई पहचान

वतनपल्ली ने बताया था कि 4 भारतीयों की पहचान की गई है, जिनमें केरल के एक जोड़े और तमिलनाडु के दो पुरुष शामिल हैं, जो इमारत में काम करते थे, 3 पाकिस्तानी चचेरे भाई और एक नाइजीरियाई महिला है।'

इमारत में पर्याप्त सुरक्षा आवश्यकताओं की थी कमी

दुबई सिविल डिफेंस के प्रवक्ता ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इमारत में पर्याप्त सुरक्षा आवश्यकताओं की कमी थी। इसमें कहा गया है कि अधिकारी आग लगने के कारणों पर एक विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए जांच कर रहे हैं।

नियोजन नीति के विरोध में महाआंदोलन सीएम आवास घेराव

छात्र नेता मनोज यादव सहित कई नेता गिरफ्तार सीएम आवास घेराव से पहले ही रोके गये छात्र

रांची, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन आज से 60:40 नियोजन नीति का विरोध और 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति को लेकर 72 घंटे के आंदोलन की शुरुआत हो गयी है।छात्रों के तमाम प्रयास के बाद भी सीएम आवास तक नहीं पहुंच सके। पुलिस ने छात्र नेता मनोज यादव सहित कई छात्र नेताओं को गिरफ्तार किया है। सीएम आवास के दो सौ मीटर के दायरे में धारा 144 लागू की गयी है। मोरहाबादी से छात्रों का विरोध प्रदर्शन बापू वाटिका के पास ही रोक दिया गया। छात्र आगे बढ़ने के लिए ऑक्सीजन पार्क की तरफ बढ़ रहे हैं लेकिन उस तरफ भी प्रशासन ने बैरिकेडिंग की है। अब तक छात्रों ने चार रास्ते बदल लिए लेकिन उन्हें पहले ही रोक दिया गया है। लगभग 200 की संख्या में छात्र नियोजन नीति के विरोध में मुख्यमंत्री आवास घेरना चाहते हैं। पहले चरण में आज स्टूडेंट्स सीएम हाउस का घेराव करेंगे। पूरे राज्य से लगभग 50 हजार स्टूडेंट्स मोरहाबादी मैदान में जुटे हैं। स्टूडेंट्स के इस आंदोलन को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर

तमाम तैयारियां कर ली गयी हैं। आंदोलन के मद्देनजर 12 सौ पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। सीएम हाउस घेराव को देखते हुए जिला प्रशासन ने सीएम हाउस के दो सौ मीटर के दायरे में धारा 144 लगा दिया है। इसके अतिरिक्त चार कंपनी रैपिड एक्शन फोर्स, इको, एसआइआरबी, आइआरबी, जैप-10 की महिला पुलिस, लाठी पार्टी और होमगार्ड की तैनाती की गयी है। वहीं राजधानी में तैनात छह डीएसपी के अतिरिक्त जिला के अन्य डीएसपी, जिले के विभिन्न थाना प्रभारियों सहित कई इंस्पेक्टर और दारोगा की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त मजिस्ट्रेट की तैनाती भी की गयी है। छात्र सीएम हाउस तक न पहुंचे इसके लिए 36 जगह बैरिकेडिंग की गयी है। आंसू गैस और वाटर कैनन भी तैनात किए गए हैं। बिहार पुनर्गठन अधिनियम 2000 की उपधारा 85 के तहत झारखंड सरकार को भी यह अधिकार है कि वह संयुक्त बिहार के समय का कोई भी अध्यादेश, गजट का संकल्प को अंगीकृत कर सकती है। इसी अधिकार के तहत बिहार की 3 मार्च 1982 वाली नियोजन नीति जिसका पत्रांक 5014/81-806 है, को अंगीकृत कर बिहार की तर्ज पर नियोजन नीति लागू करते हुए नियुक्तियां शुरू की जाएं। 19 अप्रैल 2023 के झारखंड बंद को एतिहासिक सफल बनाने के लिए 18 अप्रैल को संपूर्ण झारखंड के जिला और प्रखंड मुख्यालय में मशाल जुलूस निकाला जायेगा। जिसमें रांची में जयपाल सिंह स्टेडियम के समक्ष एकत्रित होकर शाम 5 बजे अल्बर्ट एक्का चौक तक मशाल जुलूस निकाला जायेगा। 19 अप्रैल 2023 को सुबह से सड़क पर उतरकर झारखंड बंद को ऐतिहासिक सफल बनाने का प्रयास होगा। आकस्मिक सेवा को बंदी से मुक्त रखा जायेगा। राज्य सरकार ने नियुक्ति के लिए जो नीति बनायी है, उसे स्टूडेंट्स राज्य हित में नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि अगर इस नीति के अनुसार नियुक्तियां हुई तो राज्य के युवाओं की नियुक्ति में सेंधमारी हो जाएगी।

ड्राइवर को 731 मीटर घसीटा, मौत

लंदन, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन के वेल्स में एक डिलिवरी ड्राइवर अपनी ही वैन के नीचे आकर 731 मीटर तक घिसट गया। ये घटना 28 मार्च को हुई। 16 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने अब इसकी जानकारी दी है। पुलिस ने कहा- ड्राइवर अपनी गाड़ी को चोरी होने से बचा रहा था, तभी ये हादसा हुआ था।

पुलिस ने बताया कि एक शख्स 54 साल के मार्क लैंग की कार चुराकर ले जा रहा था। उसे रोकने के लिए लैंग गाड़ी के सामने आ गए और चोर ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसके बाद वो गिर गए। चोर रुका नहीं और गाड़ी को तेज रफ्तार से चलाने लगे। इस दौरान जमीन पर गिरे लैंग गाड़ी के नीचे फंस गए और घिसटते चले गए।

पुलिस ने कहा- हादसे के समय मार्क लैंग पार्सल डिलवरी कर रहे थे। उनकी वैन में कई पार्सल रखे थे। हादसे के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर्स ने बताया कि उन्हें सिर में गंभीर चोट आई थी। उनके शरीर पर भी कई घाव थे। 18 दिन लैंग का इलाज चला, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और 16 अप्रैल को उनकी मौत हो गई।

ताइवान जलडमरूमध्य में चीन का युद्धाभ्यास खत्म होते ही अमेरिका ने भेजा युद्धपोत

हाई-अलर्ट जारी

वाशिंगटन, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। ताइवान को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। चीन के भीषण युद्धाभ्यास के बाद अब अमेरिका ने भी अपने युद्धपोत 'मिलियस' को ताइवान जलडमरूमध्य में भेज दिया है। ऐसे में चीन और अमेरिका के बीच मामला बढ़ता दिख रहा है। चीन का कहना है कि ताइवान जलडमरूमध्य के माध्यम से अमेरिकी युद्धपोत को ट्रैक किया गया है। इसलिए इसे लेकर चीन ने 'हाई अलर्ट' भी जारी कर दिया है। माना जा रहा है, अमेरिकी युद्धपोत के ताइवान जलडमरूमध्य में आने के बाद चीन की तरफ से सख्त प्रतिक्रिया दी जाएगी। चीन पहले भी चेतावनी दे चुका है कि अगर ताइवान के क्षेत्र में अमेरिका आता है तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी नौसेना ने ताइवान जलडमरूमध्य के माध्यम से एक युद्धपोत रवाना किया है। ये युद्धपोत उस वक्त ताइवान

जलडमरूमध्य में पहुंचा है, जब चीन ने स्व-शासित ताइवान को घेरकर रखा हुआ है। अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े का कहना है कि रविवार को अमेरिकी युद्धपोत का ताइवान जलडमरूमध्य पहुंचना सामान्य प्रक्रिया है। यह रूटीन का हिस्सा है। साथ ही उन्होंने बताया कि ये युद्धपोत जलडमरूमध्य में एक गलियारे से होकर गुजरा है, जो किसी भी तटीय राज्य के क्षेत्रीय समुद्र से परे है। वहीं चीन लगातार युद्धभ्यास कर रहा है। इसकी जानकारी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने खुद दी है। सोमवार की सुबह रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटे में ताइवान के आसपास 18 चीनी सैन्य विमानों और चार नौसैनिक जहाजों को देखा गया है। उन्होंने कहा कि चीन लगातार ताइवान को अपने नियंत्रण में लाने के लिए कोशिश कर रहा है।

करीब सात दशक पहले, जब चीन में गृहयुद्ध चल रहा था, उस वक्त कम्युनिस्ट पार्टी ने लोकतांत्रिक पार्टियों को हरा दिया था। पराजित लोकतांत्रिक नेता ताइवान द्वीप भाग गए थे। सन् 1990 के दशक में ताइवान सत्तावादी शासन से एक लोकतंत्र में परिवर्तित हो गया और अब उसे अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी संगठन फ्रीडम हाउस द्वारा एशिया में सबसे मुक्त न्यायालयों में से एक का दर्जा दिया गया है।

गहलोत बोले- मोदी-शाह का मॉडल चुनी सरकारों को गिराने का

इनके पास पैसों की कमी नहीं, हमारे विधायकों को दिए पैसे वापस नहीं लिए

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के सियासी संकट को याद करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- मोदी और अमित शाह का मॉडल चुनी हुई सरकारों को गिराने का है। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा मणिपुर में क्या-क्या नहीं हुआ। राजस्थान में भी सरकार गिराने की भरपूर कोशिश हुई।

हमारे विधायकों को जो पैसे दिए गए थे, वो अब तक वापस नहीं लिए गए हैं। इनके पास पैसे की कमी नहीं है। गहलोत रविवार सुबह राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे।

गहलोत ने कहा- हमारी सरकार गिराने के लिए पहली किस्त के 10-10 करोड़ रुपए दे रहे थे। हमारे साथ के विधायक जाते तो पहली किस्त के 10 करोड़ दे रहे थे। मेरे साथ का कोई विधायक नहीं गया। हमारी सरकार बचाई। इससे बड़े गर्व की बात क्या होगी?

पायलट खेमे पर तंज

गहलोत के इस बयान को सचिन पायलट खेमे पर इशारों में तंज माना जा रहा है। गहलोत ने पायलट खेमे के कांग्रेस विधायकों को पैसा देकर खरीदने के आरोप लगाए थे। गहलोत ने उसी तरफ इशारा किया है कि उस वक्त का पैसा अभी भी विधायकों से वापस नहीं लिया गया है।

हम नियम से चलते हैं

सीएम अशोक गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा- आज यूपी होता तो केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह जेल की सलाखों के पीछे होते। राजस्थान में हमारी परंपरा नहीं है। न्याय मिले तो वह होता हुआ दिखना भी चाहिए।

पुलिस हो या एसओजी हमारी कार्रवाई स्टेप बाय स्टेप चलती है। वरना कब का इनको अंदर कर देते। संजीवनी घोटाले में जो मुल्जिम पकड़े गए, उनकी तरह ही गजेंद्र सिंह अंदर बंद हो सकते थे।

गहलोत बोले- गजेंद्र सिंह बेशर्म आदमी

गहलोत ने कहा- संजीवनी के पीड़ितों में अधिकांश लोग राजपूत समाज के हैं। उनसे पूछो- तुम्हें शर्म नहीं आती। तुम जातिवाद की बात करते हो। घर-घर में बिचारे पीड़ित तड़प रहे हैं। किसी के दो लाख,चार लाख, 50 लाख, एक करोड़ रुपए डूब गए। बेचारी बूढ़ीमहिलाएं रो रही हैं।

उन्होंने कहा- यह बेशर्म आदमी है। इसको शर्म नहीं आती कि मैं केंद्रीय मंत्री हूं। मैं बुलाकर बात करूं कि मेरी गलती क्या है? बात क्या है? वह अपने आप को पाक-साफ तो करे। गजेंद्र सिंह एसओजी से आकर बात करता कि मेरा नाम कैसे आ गया। किसने शिकायत की। आप बताइए इतना बड़ा स्कैंडल हो गया। उसके लिए अमित शाह के मुंह से एक शब्द नहीं निकला। गृहमंत्री और कोऑपरेटिव मिनिस्टर अमित शाह राजस्थान में आए। उनकी पहली ड्यूटी थी कि सब काम छोड़कर संजीवनी घोटाले के पीड़ितों पर बोलते। जनता को लगता कि गृह मंत्री सहकारिता मंत्री आए हैं। हमारी आवाज वहां तक पहुंच गई। कम से कम पीड़ितों को विश्वास तो हो कि उनकी बात सुनी गई है।

संजीवनी पीड़ितों से क्यों नहीं मिलते अमित शाह

गहलोत ने कहा- संजीवनी घोटाले में दो-ढाई लाख लोगों की मेहनत से कमाए लाखों करोड़ों डूब गए। संजीवनी पीड़ितों का दर्द सुनकर आंखों में आंसू आ जाते हैं। अमित शाह को पीड़ितों का डेलिगेशन बुलाकर उनकी बात सुननी चाहिए। आप गृहमंत्री के साथ सहकारिता मंत्री भी हैं। मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी अमित शाह के अंडर में ही आती हैं। क्या अमित शाह देख नहीं पा रहे हैं कि हम क्या बोल रहे हैं? एक केंद्रीय मंत्री मुल्जिम बना हुआ है।

वह जमानत के लिए कोर्ट जा रहा है। अगर वह मुल्जिम नहीं है तो कोर्ट क्यों जा रहा है? जिसने इतना बड़ा क्राइम किया है, देश-विदेश पैसा चला गया। क्या उसकी जांच नहीं होनी चाहिए? केंद्रीय मंत्री बनना बहुत बड़ी बात होती है। मैं भी केंद्रीय मंत्री रहा हूं। आप केंद्रीय मंत्री बन गए हो आपको गर्व होना चाहिए कि मुझे जिंदगी में चांस मिला है कि जनता की सेवा करूं।

घटना किसी के भी साथ हो सकती है

यूपी के माफिया अतीक और उसके भाई की पुलिस कस्टडी में गोली मारकर हत्या करने पर गहलोत ने कहा- यूपी में जो जो चल रहा है, वह देश देख रहा है। कानून का राज नहीं रहेगा तो घटना किसी के साथ हो सकती है। कानून के अंतर्गत ही सब कार्रवाई होगी।

तभी देश में कानून व्यवस्था कायम रहेगी। देश एक रहेगा। अखंड रहेगा। सभी जाति-धर्म के बीच कॉन्फिडेंस रहेगा। मेरा मानना है कि यूपी में जो हो रहा है, वह बहुत आसान काम है। मुश्किल काम वह है कि आप कानून का पालन करो। कानून का राज स्थापित रखो। सबको न्याय सुनिश्चित करो।

राजस्थान में गैंगस्टर पैदा नहीं हों

गहलोत ने कहा- हम चाहते हैं, राजस्थान में क्राइम पर लगाम लगी रहे। गैंगस्टर को पैदा ही क्यों होने दिया जाए। पुलिस प्रशासन का काम है कि कोई गलत रास्ते में जा रहा है। उन कारणों से समय रहते अंकुश लगाएं। गैंगस्टर कोई बन ही नहीं पाए।

मोदी दोस्त बताकर मेरे साथ राजनीति कर गए

गहलोत ने कहा- मोदी और अमित शाह को चुनाव जीतने के अलावा किसी बात से मतलब नहीं है। राजस्थान आने के मोदी अब तो बहाने ढूंढ रहे हैं। अब मोदी अमित शाह का राजस्थान के दौरे शुरू हो जाएंगे। अभी वंदे भरत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के कार्यक्रम में मेरी मौजूदगी में पूरा राजनीतिक भाषण दे गए। मुझे अपना दोस्त बता दिया। वाह मोदीजी। क्या अदाएं हैं। मुझे दोस्त भी बता दिया। चुनाव जीतने के लिए मेरे साथ राजनीति भी कर गए। मोदी-शाह का धंधा चुनाव जीतने के अलावा कुछ नहीं है।

35 लोगों से भरी बस पलटी, 2 लोगों की मौत

स्कूल-कॉलेज के बच्चे, सरकारी कर्मचारी हुए घायल

अजमेर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर के भीलवाड़ा मार्ग पर 35 लोगों से भरी बस पलट गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। 20 लोग घायल हो गए। घायलों को केकड़ी अस्पताल पहुंचाया, जहां से हालात गंभीर होने की वजह से पांच को जवाहर लाल नेहरू अस्पताल रेफर किया गया है। एक्सीडेंट ऊंगाई से भराई के बीच हुआ। बस कादेड़ा से केकड़ी की तरफ आ रही थी।

दरअसल, सोमवार सुबह बस कादेड़ा से पौने आठ बजे रवाना हुई थी और करीब सवा आठ बजे दुर्घटना हो गई। इसमें खवास की रहने वाली निरमा खारोल और पीपलाल के चेतन रेगर की की जान चली गई।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने प्राइवेट वाहनों से घायलों को अस्पताल पहुंचाना शुरू किया, एंबुलेंस बाद में पहुंची।

बस में सवार ज्यादातर लोग रोज अप-डाउन करने वाले थे। उसमें स्कूल-कॉलेज के बच्चे, सरकारी कर्मचारी व मजदूर शामिल हैं। ये लोग केकड़ी जा रहे थे।

बीएसटीसी (बेसिक स्कूल टीचिंग सर्टिफिकेट) कर रही था निरमा

मृतक निरमा ननिहाल खवास में नाना किशन खारोल के पास रहती थी। केकड़ी से बीएसटीसी (बेसिक स्कूल टीचिंग सर्टिफिकेट) कर रही थी। वह मूलतः रोंपा-पारोली (भीलवाड़ा) की रहने वाली थी। वह खवास से केकड़ी अप डाउन करती थी। वहीं, चेतन रेगर बस का ड्राइवर था।

मैकेनिकल मुआयना कराने पर पता चलेगा कारण

केकड़ी डीएसपी खींवसिंह राठौड़ ने बताया- बस में करीब 35 सवारियां थीं। बस अचानक चलते हुए पलट गई। पुलिस जांच कर रही है।

स्टेयरिंग फेल हुआ या अन्य कारण, पता नहीं

प्रत्यक्षदर्शी गोपाल लाल खटीक ने बताया- केकड़ी से छह किलोमीटर दूर हादसा हुआ। स्टेयरिंग फेल हुआ या अन्य कोई कारण। यह पता नहीं चल पाया है।

17 वर्षीय गंभीर घायल रोहित ने बताया- वह काम के लिए केकड़ी जा रहा था। बस अचानक पलट गई और उन्हें पता ही नहीं चला कि मौके पर क्या हो गया।

कांग्रेस नेता शक्ति सिंह राठौड़ भी हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने कहा कि पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने हॉस्पिटल प्रशासन को बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। मरीजों के इलाज के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

इनकी हालत गंभीर

दिलखुश पुत्र रामदेव बैरवा (20) खेड़ी गोपालपुरा, मुन्ना राम पुत्र रामदेव खटीक(43) निवासी खवास, केकड़ी, रामनिवास बैरवा पुत्र रामलाल बैरवा निवासी खेड़ी गोपालपुरा, रोहित पुत्र कानाराम (17) गोपालपुरा को, श्यामलाल लाल बैरवा (22) अजमेर के जेएलएन अस्पताल में भर्ती कराया है।

हादसे की सूचना मिलते ही उपखंड अधिकारी विकास पंचोली, पुलिस उप अधीक्षक खींवसिंह राठौड़, सदर थाना प्रभारी मोतीलाल शर्मा, कांग्रेस नेता राजेंद्र भट्ट, हेमंत जैन, पालिका अध्यक्ष कमलेश साहू समेत कई लोग अस्पताल पहुंचे।

पायलट मामले में रंधावा का कमलनाथ के दखल से इनकार

बोले- प्रभारी मैं हूं, मैं ही समाधान करूंगा, कमलनाथ का लेटर हो तो दिखाइए

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सचिन पायलट के अनशन मामले में उठे विवाद के समाधान का कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कमलनाथ के दखल से इनकार कर दिया है। साथ ही खुद समाधान करने का दावा किया है। रंधावा ने पायलट मामले के समाधान के लिए कमलनाथ के दखल के सवाल पर कहा- मैं प्रभारी हूं तो मैं ही समाधान करुंगा। कमलनाथ की मुझे कोई जानकारी नहीं है। कमलनाथ का कोई लेटर हो तो दिखाइए।

कांग्रेस विधायकों से वन टू वन फीडबैक बैठकों के लिए जयपुर पहुंचे रंधावा ने दावा किया- पायलट मामले का उचित समाधान निकाला जाएगा। विधायकों से चुनावी पहलुओं को लेकर बात होगी। सभी एकजुटता से फील्ड में उतरें इसके लिए प्रभारी के तौर पर बात होगी।

रंधावा ने पायलट के अनशन को पहले पार्टी विरोधी गतिविधि बताया, फिर रणनीति बदली

सचिन पायलट के 11 अप्रैल के अनशन को लेकर प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पहले कड़ा रुख अपनाया। बाद में सुर बदल गए। सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सचिन पायलट के अनशन को पार्टी विरोधी गतिविधि करार देते हुए 10 अप्रैल की रात को ही लिखित बयान जारी किया था। उस बयान के बाद पायलट को नोटिस देने के कयास लग रहे थे, लेकिन राहुल गांधी के दखल के बाद और कर्नाटक चुनावों को देखते हुए पार्टी ने फिलहाल मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

पायलट मामले में बीच का रास्ता निकाला

पायलट मामले में दिल्ली में दो दिन चले बैठकों के दौर के बाद अब बीच का रास्ता निकाला गया। पायलट मामले में पार्टी फिलहाल कोई कदम नहीं उठाने जा रही है। फैसला लेने में देरी पहली रणनीति है, इसीलिए इस मसले को आगे खींचा जाएगा।

सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सचिन पायलट मामले में अभी तत्काल फैसला नहीं होने को लेकर तीन दिन पहले भी साफ संकेत दिए थे। रंधावा ने कहा था कि अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। रिपोर्ट भी नहीं दी गई है। वरिष्ठ नेताओं से सलाह मशविरा करके ही आगे बढ़ा जाएगा।

विधायकों के वन टू वन फीडबैक में पायलट नहीं आएंगे

प्रदेश प्रभारी रंधावा सीएम और प्रदोध्यक्ष के साथ विधायकों से आज वन टू वन फीडबैक ले रहे हैं। रंधावा के फीडबैक में सचिन पायलट नहीं आएंगे। आज टोंक जिले के विधायकों से वन टू वन बैठक का शेड्यूल है, लेकिन सचिन पायलट इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं। सचिन पायलट आज शाहपुरा और खेतड़ी दौरे पर हैं। पायलट खेतड़ी में शहीद की प्रतिमा के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। सभा को संबोधित करेंगे। आज के कार्यक्रमों से पायलट के फील्ड दौरों की शुरुआत मानी जा रही है।

धमकी के एक दिन बाद हमला: दिव्या मदेरणा ने किया ट्वीट-

पुलिस ने बचाया वरना भगवान के पास होती या आईसीयू में

जोधपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। ओसिया विधायक दिव्या मदेरणा ने पाली के पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़ पर एक बार फिर आरोप लगाते हुए 11 तारीख को उन पर हुए हमले से 1 दिन पहले उन को धमकी देने का वीडियो ट्वीट किया।

ओसिया से कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने रविवार को एक बार फिर सोशल मीडिया पर मोर्चा खोल दिया। उन्होंने दो वीडियो ट्वीट करते हुए कहा कि एक दिन पहले यानी 10 अप्रैल को उन्हें धमकी मिलती है और 11 तारीख को उन पर भोपालगढ़ में जानलेवा हमला होता है। पुलिस ने सजगता दिखाई तो मैं बच गई वरना अभी भगवान के पास होती या पक्का आईसीयू में।

दिव्या मदेरणा के इस ट्वीट के जरिए फिर से हमलावर होने में कांग्रेस की अंदरूनी कलह एक बार फिर से सामने आ गई है। उन्होंने साफ तौर पर पाली के पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़ पर आरोप लगाए। दिव्या मदेरणा ने लिखा कि 10 अप्रैल को 3 थानों की पुलिस की मौजूदगी में उन्हें धमकी मिलती है जिसमें उन्होंने लिखा है कि 'तू म्हारा हाथ में झिलगी तो मार नाखुला'। यह धमकी पूर्व सांसद जाखड़ द्वारा देने का आरोप लगाया।

ग्रामीण एसपी और पुलिस को दिया धन्यवाद

विधायक मदेरणा ने लिखा कि वह ग्रामीण पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव, भोपालगढ़ सीओ सुदर्शन पालीवाल, भोपालगढ़ और खेड़ापा के थानाधिकारी नेमाराम और गिरधारीराम इस पुलिस दिवस पर विशेष शुभकामनाएं देती हूं और धन्यवाद देती हूं कि उनकी वजह से सुरक्षित घर पर हूं। इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि भोपालगढ़ में उन पर हुए हमले को लेकर वे सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, बीजेपी और एडीजी इंटेलीजेंस से मुलाकात करेंगी और इस मामले में कार्यवाही के लिए मांग करेंगी।

आरोप झूठे, मैं ज्यादा नहीं कहना चाहता

पाली के पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़ ने कहा कि झूठे आरोप कोई भी लगा सकता है। अब उनकी इस मामले में आदत पड़ गई है। मैं इस पर और ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता।

11 अप्रैल को भोपालगढ़ में कॉपरेटिव चुनाव के दौरान ओसिया विधायक दिव्या मदेरणा की गाड़ी पर कुछ लोगों ने लाठियों और सरियों से हमला कर दिया था। पुलिस ने घेरा बनाकर विधायक को वहां से निकाला। इससे उनकी गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने इस हमले की निंदा की और कड़ी कार्रवाई की मांग भी की। अब रविवार को इस मामले को फिर से विधायक ने हवा दी है।

17 को प्रभारी और सीएम लेंगे फीडबैक

राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार से संभागवार विधायकों से फीडबैक बैठकें शुरू कर रहे हैं। जोधपुर संभाग के विधायकों से भी सोमवार को ही मिलेंगे। ऐसे में अंदेशा है कि उस फीडबैक मीटिंग में भी विधायक मदेरणा तमाम नेताओं के सामने यह मामला उठा सकती हैं।

शिक्षा मंत्री कल्ला पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष का तंज

डोटासरा बोले- ग्रेड थर्ड टीचर्स के तबादले नहीं किए तो आपके और मेरे कपड़े फाड़ेंगे

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर नहीं करने पर 13 जिलों की स्कूलों में दिक्कत होने की चेतावनी देते हुए शिक्षा मंत्री पर तंज कसा है।

डोटासरा ने सीएम अशोक गहलोत और शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला से कहा कि आप दोनों से हाथ जोड़कर निवेदन है कि इन ग्रेड थर्ड टीचर्स की समस्या का समाधान भी कर दीजिए। यह काम नई भर्ती से पहले कीजिए, अगर इनके तबादले नहीं किए तो 13 जिलों में एक भी नहीं आएगा। आपके और मेरे कपड़े फाड़ेंगे। डोटासरा रविवार को जयपुर के राजस्थान कॉलेज में राजस्थान शिक्षा सेवा प्राध्यापक संघ के सत्कार कार्यक्रम में बोल रहे थे।

डोटासरा ने ग्रेड थर्ड टीचर्स के तबादले को लेकर राजस्थानी में कहा-'मुख्यमंत्रीजी शिक्षा मंत्रीजी थां दोन्यां हूं ही निवेदन है...आं थर्ड ग्रेड आलां को भी कांटों काट द्यो बिचारां को....आ नई भर्ती ल्यावो न बिसं पहली पहली जचा दीज्यो,नहीं तो एक ही कोनी आवलो 13 जिलां मं तो, थारा म्हारा कपड़ा फाड़ला।'

डोटासरा ने कहा कि दो चार दिन में बैठक कर इस काम के बारे में समझ लीजिए कैसे करना है। अफसरों को बुला लीजिए, कैसे करना है, यह तय कर लीजिए। अफसर फिर भी नहीं समझते हैं तो मुख्यमंत्री से हटवा दीजिए। ग्रेड थर्ड शिक्षकों के तबादले तो हमें नई भर्ती से पहले करने चाहिए।

मैं यह बात इसलिए कह रहा हूं क्योंकि मुख्यमंत्री कहते हैं कि संगठन सर्वोपरि है। कांग्रेस प्रस्ताव पारित कर भिजवाए, ये पूरा करते हैं। मुख्यमंत्री ने इसे साबित भी किया है। दो बार हमने प्रदेश कांग्रेस कमेटी से बजट को लेकर प्रस्ताव भिजवाए, मुख्यमंत्री ने उन्हें लागू किया है।

डोटासरा ने शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला पर तंज कसते हुए कहा- शिक्षा मंत्री बैठे हैं, मैंने तो देखा कल्लाजी बोलेंगे, लेकिन कल्लाजी भूल गए। उम्र का असर है, आपका दोष नहीं है।

डोटासरा ने कहा कि मैं आपसे लड़ा भी और काम भी किए। एकदम सही टाइम पर मुख्यमंत्री ने मुझे शिक्षा मंत्री पद से हटा भी दिया, नहीं तो अब कपड़े फटने वाला वक्त है। चुनाव के नजदीक शिक्षा मंत्री के कपड़े फटे बिना नहीं रहते, क्योंकि मैं तो एकदम सेफली निकल गया,मुख्यमंत्री जी।

मैं तो आपको आत्मा से धन्यवाद देता हूं और मेरी पत्नी तो डबल धन्यवाद देती है। मेरी पत्नी कहती है अशोक गहलोत का भगवान भला करे,आपको टाइम पर कैबिनेट से विड्रो कर लिया। नहीं तो टीचर इतनी डिमांड करते, इतने काम थे इनके कि पता नहीं क्या होता?

डोटासरा ने सीएम से कहा- मैं तो आपको आत्मा से धन्यवाद देता हूं। मैं कभी नकली बात नहीं करता। मेरे तकलीफ हो तो मैं कह भी देता हूं कि मुख्यमंत्री यह तकलीफ है, लेकिन मैं सीमा में रहकर और नाप तोल कर सुरक्षित स्थान पर अपनी बात कहता हूं। दूसरों की तरह बाजार में सड़क पर खड़ा होकर कांग्रेस की बुराई नहीं करता। मेरे खून और संस्कारों में यह बात नहीं है। यह मैं कभी नहीं कर सकता।

डोटासरा ने शिक्षकों से कहा- मैं झांसे नहीं देता। जो होने वाला काम होता है। मैं तुरंत हां कर देता हूं। नहीं तो उसी समय मना कर देता हूं। यह अधर झूल में रखने वाला काम मेरे से नहीं होता। आपने तय कर रखा है कि आगे भी कांग्रेस की ही सरकार बनेगी।

'बदमाशों को सरकार का सरंक्षण': विधायक दिलावर बोले-

अब झेंप मिटाने के लिए अपराधियों पर कार्रवाई की याद आई

कोटा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी के प्रदेश महामंत्री व रामगंजमंडी से विधायक मदन दिलावर ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। दिलावर ने वीडियो बयान जारी कर कहा सरकार के संरक्षण में अपराधी सब कुछ करते रहते हैं। गहलोत अब झेंप मिटाने के लिए पुलिस दिवस पर कह रहे कि गुंडों को बख्सेंगे नहीं, नेस्तनाबूद कर देंगे। जबकि बदमाशों को सरकारी संरक्षण दे रही है।

बता दें सीएम गहलोत ने कहा था 'राजस्थान पुलिस झुकेगी नहीं' की तर्ज पर काम कर रही है। इसका परिणाम है कि बदमाश भागते फिर रहे हैं। पुलिस का रवैया बदमाशों के प्रति ऐसा ही रहा तो बदमाशों को बदमाशी करने से पहले 100 बार सोचना पड़ेगा। पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है कि प्रदेश पूरी तरह से अपराध मुक्त हो जाए। उन्होंने कहा- राजस्थान पुलिस पिछले डेढ़ दो महीने से जिस तरह से बदमाशों को पकड़कर सलाखों के पीछे डाला है। उससे बदमाशों में पुलिस का भय फैला है। दिलावर ने कहा कि गहलोत साहब कांग्रेस के बड़े नेता हैं। पुलिस दिवस पर उनका बयान आया कि अपराधियों नहीं बख्सेंगे। अपराधी भागे भागे फिरेंगे, उन्हें नेस्तनाबूद कर देंगे। चुनाव से पहले गहलोत साहब को अपराधियों की याद आई है। जबकि पिछले लंबे समय से गहलोत सरकार अपराधियों को संरक्षण देती आई है।

उन्होंने कहा कि धौलपुर जिले में अनुसूचित जाति के एईएन से किसने मारपीट की,कितने फ्रेक्चर आए? मारपीट करने वालों को किसने संरक्षण दिया? अलवर जिले में रेप के आरोपी विधायक के बेटे को किसने बचाया? अलवर में मूक-बधिर बच्ची के साथ रेप हुआ उसमें अपराधियों को क्लीन चिट किसने दी?

ऐसे कितने ही उदाहरण है। अपराधी सरकार के संरक्षण में सब कुछ करते रहते हैं। अब झेंप मिटाने के लिए पुलिस दिवस पर कह रहे कि गुंडों को बख्सेंगे नहीं, नेस्तनाबूद कर देंगे।

कार-ट्रक की भिड़ंत में मां-बेटे समेत 4 की मौत

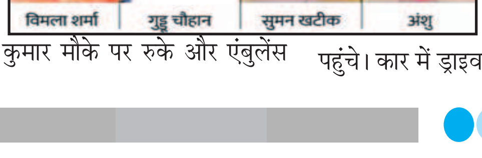
विमला शर्मा | गुड्डु चौहान | सुमन खटीक | अंशु

धौलपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। धौलपुर-करौली हाईवे पर कार और ट्रक की भिड़ंत में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में प्राथमिक इलाज देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतकों के शव को अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। बाड़ी से धौलपुर लौट रहे एसपी मनोज कुमार मौके पर रुके और एंबुलेंस को बुलाकर घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। सूचना मिलते ही सीओ सिटी सुरेश सांखला भी अस्पताल पहुंचे। कार में ड्राइवर के अलावा 2 अलग-अलग परिवारों के महिलाएं और बच्चे थे। सीओ सिटी ने बताया कि मधुनगर कॉलोनी, आगरा (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले 8 लोग रविवार रात कार से कैला देवी दर्शन के लिए जा रहे थे। इस दौरान नेशनल हाईवे-11बी पर सामने से आए ट्रक से कार की टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

भंवर जितेंद्र बोले- देश में लॉ एंड ऑर्डर फेल

कहा- केंद्र सरकार आतंकी की तरह कर रही है काम

अलवर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व अलवर के पूर्व सांसद जितेंद्र सिंह ने कहा कि यूपी सहित पूरे देश में लॉ एंड ऑर्डर चौपट हो चुका है। अभी पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने पुलवामा अटैक को लेकर सवाल करते हुए केंद्र सरकार की मंशा पर अंगुली उठाई थी।

भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा- संशय सबको था। लेकिन सरकार ने देशभक्ति, एंटी नेशनल, राष्ट्रवाद के नाम पर माहौल अलग बना लिया था। लेकिन अब सरकार खुद आतंकी के रूप में काम करने लगी है। मुझे लगता है कि जब पूर्व राज्यपाल मलिक के बयान को डायवर्ट के लिए यूपी में ऐसा किया गया है। सरकार राजनीतिक रूप से फायदा लेने के लिए कुछ भी कर देते हैं। इनका असली चेहरा सामने आने लगा है। पूर्व मंत्री सिंह ने कहा कि संसद में तो बीजेपी चाहती है उन बिलों पर बहस होती है। ताकि पैसे वालों के लिए बिल आते हैं।

उन्होंने कहा- आज गंभीरता से देश की जनता को मालूम होने चाहिए और खुलासा होना चाहिए कि पुलवामा में अटैक पर सवाल खड़े हुए हैं। अब सरकार को बताना चाहिए कि मामले में उनका क्या हाथ रहा।

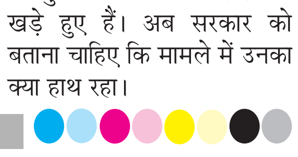

अपने रुप को पहचानना ही क्षत्रिय है : लक्ष्मणसिंह बैण्याकाबास

पारिवारिक स्नेह मिलन में उमड़ा समाज बन्धुओं का जन सैलाब

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अम्बरपेट महाराणा प्रताप फंक्शन हॉल स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ प्रमुख लक्ष्मणसिंह बैण्याकाबास के सान्निध्य में राजस्थानी राजपूत संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष रतनसिंह शेखावत ने बताया कि पूज्य तनसिंहजी की जन्म शताब्दी वर्ष स्नेह मिलन कार्यक्रम में संघ प्रमुख व समाज के सम्मानित गणमान्यों द्वारा तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलितकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। समाज के सम्मानितों ने श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा की जा रही सेवाओं से पधारे समाज बन्धुओं को अवगत कराया।

कार्यक्रम में बत्तौर मुख्य अतिथि संघ प्रमुख लक्ष्मणसिंह बैण्याकाबास ने पूज्य तनसिंहजी के चरणों मे नमन कर, पधारे जन समूह का आभार प्रकट करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि अपने रुप को पहचानन ही क्षत्रिय है। उन्होंने बताया कि राजपूत के घर मे जन्म लेने से कोई क्षत्रिय नही होता है, क्षत्रिय वह होता है जो समाज व अपने धर्म की रक्षा करता है। क्षत्रिय कभी जातिवाद नही फैलाता है, कर्तव्य का निवारण करने वाला ही क्षत्रिय है। संघ का कर्तव्य है समाज में शिविरों व शाखाओं द्वारा समाज को पश्चिमी संस्कृति से बचाकर समाज मे संस्कारों का निर्माण करना है। अंत में उन्होंने बताया कि क्षत्रिय युवक संघ किसी से पैसा नही लेता है आप अपने क्षेत्रों मे शाखाएं, शिविर व कैम्प लगवाए ताकि युवा पीढी संस्कारित हो सके। कार्यक्रम स्थल पर पूजनीय तनसिंहजी द्वारा लिखित मार्गदर्शन बुकों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजस्थानी राजपूत संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन खेतसिंह चान्देसरा ने किया। रामसिंह चौहान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

यूएई में हैदराबाद की महिला ने 2 करोड़ रुपये से अधिक जीते

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एक 38 वर्षीय महिला वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रह रही है, हाल ही में साप्ताहिक महज़ूज़ ड्रा में एक मिलियन दिरहम (2,22,28,303 रुपये के बराबर) की विजेता बनी है। भाग्यशाली विजेता हमीदा बेगम पिछले तीन सालों से यूएई की राजधानी अबू धाबी में रह रही हैं, जहां वह मेडिकल कोडर के रूप में काम करती हैं। रोमांचक समाचार मिलने पर, हमीदा ने अपने चार बच्चों की शिक्षा और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अपनी जीत का उपयोग करने का इरादा व्यक्त किया। विशेष रूप से, वह नई पुरस्कार संरचना के तहत गारंटीशुदा दस लाख दिरहम जीतने वाली पहली महिला और चौथी व्यक्ति हैं।

भाजपा सरकार बनने के बाद होगी अवैध रूप से धन कमाने वालों की जांच : अरुणा तारा

मदनूर, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी-मदनूर मंडल अध्यक्ष हनमनलू के नेतृत्व में चौथी दिन मदनूर मंडल केंद्र के साथ-साथ विविध गांव में डबल बेडरूम मकान निर्माण के लिए स्थानीय तहसील कार्यालय मैदान में सोमवार के दिन भी विविध गांव की गरीब जनता ने भूख हड़ताल जारी रखी। भूख हड़ताल में भारतीय जनता पार्टी कमारेड्डी जिला अध्यक्ष व जुक्कल विस क्षेत्र की पूर्व विधायक अरुणा तारा ने संबोधित करते हुए बताया कि स्थानीय जनता ने विधायक हनमंत शिंदे को तीन बार बहुमत से चुनकर लाया। इसके बाद विधायक जुक्कल के जनता को झूठे आश्वाशन देकर गुमराह किया। तारा ने विविध राजकीय नेता पर आरोप लगाते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कार्य केवल कागज पत्र पर किया गया। इतना ही नहीं, बाथरूम निर्माण किए बिना एमबी रिकार्ड बनाकर सरकार के खजाना को बड़ी मात्रा में चूना लगाया गया है। तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी की सरकार स्थापित होने के बाद अवैध रूप से जो भी सरकारी नेता धन कमा रहे है, उन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि भारत राष्ट्र समिति सरकार डबल बेडरूम की प्रसोडिंग कॉपी जनता के सामने रखे व लाभार्थियों को जल्दी से जल्द डबल बेडरूम निर्माण करके दे, वरना भूख हड़ताल और तेज की जाएगी।

आलूरि बैरागी चौधरी पर संगोष्ठी व पुस्तक लोकार्पण संपन्न

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच आंध्र एवं तेलंगाना शाखा एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में प्रथम दक्षिण भारतीय साहित्योत्सव, पुस्तक लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. रमा द्विवेदी (शाखा अध्यक्ष) एवं महासचिव दीपा कृष्णदीप, डॉ गंगाधर वानोड़े (क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हैदराबाद), डॉ ऋषभ देव शर्मा (पूर्व प्रोफेसर, उच्च शिक्षा शोध संस्थान, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा) मुख्य अतिथि के अलावा प्रो. पी मणिक्यांबा मणि (पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष उस्मानिया विश्वविद्यालय), प्रो. शुभदा वांजपे (पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष, उस्मानिया विश्वविद्यालय) एवं डॉ. अहिल्या मिश्रा (वरिष्ठ साहित्यकार) बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। डॉ. रमा द्विवेदी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय महासचिव ओमप्रकाश शुक्ल ने संस्था का परिचय दिया एवं शाखा महासचिव सुश्री दीपा कृष्णदीप ने शाखा की रिपोर्ट प्रस्तुत की। तत्पश्चात वरिष्ठ साहित्यकार रामकिशोर उपाध्याय कृत काव्य संग्रह "नचिकेता, मैं नहीं" का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। तत्पश्चात "आलूरी बैरागी चौधरी का हिंदी साहित्य में अवदान " विषय पर साहित्यिक परिचर्चा हुई। अंत में डॉ. रमा द्विवेदी का सम्मान तेलंगाना हिंदी साहित्य भारती संस्था के अध्यक्ष दीपक दीक्षित , डॉ सुरभि दत्त (प्रदेश प्रभारी) एवं डॉ राजीव सिंह (महासचिव) द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में अग्निशमन सेवा सप्ताह समारोह

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आयुष मंत्रालय और महानिदेशालय अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और गृह रक्षक, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (राभाचिसंसं), हैदराबाद ,केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय के तहत संस्थान परिसर में अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया। यह 20 अप्रैल तक मनाया जाएगा। संस्थान द्वारा सम्मेलन कक्ष में अग्नि सुरक्षा जागरूकता पर एक बैठक आयोजित की गई। डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक ने कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा और आग के खतरों को रोकने के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी। आमंत्रित अतिथि कृष्ण मोहन, अध्यक्ष, अग्नि सुरक्षा समाकलक (फायर सेफ्टी इंटीग्रेटर) ने "राष्ट्रीय अवसंरचना के विकास के लिए अग्नि सुरक्षा में जागरूकता" (अग्नि) विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. बिश्वरंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होम्योपैथी) ने कार्यक्रम का समन्वयन किया। डॉ. वी. श्रीदेवी, अनुसंधान अधिकारी (आयु), डॉ. अशफाक अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), डॉ. संतोष एस. माने, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) और संस्थान के सभी कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड बैठक में उपस्थित थे। बैठक के पश्चात, संस्थान द्वारा मॉक ड्रिल सत्र का आयोजन किया गया, जहाँ अग्निशमन कर्मियों ने संस्थान के सभी कर्मचारियों को प्रदर्शन (डेमो) दिया।

जन सेवा संघ की आम सभा संपन्न, क्षेत्रीय समस्याओं पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ की आम सभा की बैठक मसाबटैंक स्थित माहेश्वरी कांप्लेक्स में की गई। संचालन समिति के संयोजक श्रीकांत पांडेय ने सभा का संचालन किया और उपाध्यक्ष स्व. जेएन विश्वकर्मा को श्रद्धांजलि देते हुए, दो मिनट का मौन रखा तत्पश्चात उपस्थित सभी सदस्यों से चर्चा करते हुए विकास कार्यों की जानकारी सभी सदस्यों को प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। संघ के अध्यक्ष एलएम चौधरी ने बताया कि सभी सदस्य एकजुट होकर बहुत ही बढ़िया कार्य कर रहे हैं और सभी को ऐसे ही निरंतर कार्य करते रहना है। संघ के महासचिव सुधीर जायसवाल ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए पिछले महीने के क्रियाकलापों का विस्तृत जानकारी सभी सदस्यों को दिया गया। कोषाध्यक्ष एके मिश्रा ने बताया कि सभी सदस्यों के सहयोग से संस्था निरंतर आगे बढ़ती जा रही है और ऐसे ही आगे बढ़ती जाएगी ।

जन सेवा संघ के प्रेरणा स्त्रोत वीके सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक क्षेत्रीय अध्यक्ष को हर माह पांच सदस्यता नवीनीकरण एवं नए सदस्यों को जोड़ना है। इसमें ज्यादा से ज्यादा नई तकनीक का उपयोग करना है। उन्होंने बताया कि शिष्टमंडल को लोगों को जागृत करना है कि वह अच्छे उम्मीदवार को वोट दें चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल का हो, उन्होंने यह भी कहा कि बुलेट ट्रेन सिर्फ अहमदाबाद, मुंबई और दिल्ली तक चल रही है, बुलेट ट्रेन बिहार राजस्थान यूपी के लिए भी चलाया जाना चाहिए परंतु यहां के लोग जागरूक नहीं है वह अपने आवाज नहीं उठाते हैं इसी कारण इन्हें कोई सुविधाएं नहीं मिल पाती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन करके अच्छे उम्मीदवार को वोट देने का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। बैठक में प्रत्येक जोन में होने वाली बैठकों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई एवं पिछली बैठकों का मूल्यांकन किया गया। संघ के वरिष्ठ सदस्य एवं संचालन समिति के सदस्य श्री सुशील श्रीवास्तव, हरेन्दर चौबे, वीडी चौबे, सीताराम ठाकुर ने बताया कि सभी पुराने वरिष्ठ सदस्यों से बातचीत करते हुए उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का और नए सदस्यों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है एवं क्षेत्र में हो रही कार्यों की प्रगति का ब्यौरा दिया। संघ समस्या निवारण समिति के अध्यक्ष परमानंद शर्मा ने बताया कि समस्या निवारण समिति का कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

अग्रवाल समाज हिमायत नगर शाखा की वार्षिक सभा व चुनाव 7 मई को, हुई बैठक

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, हिमायत नगर शाखा की वार्षिक सर्वसाधारण सभा 7 मई को हिमायत नगर स्थित ब्लू बेशिल होटल, हिमायत नगर में सुबह 11 बजे से आयोजित की जाएगी। इस रात में वर्ष 23-25 के लिए पदाधिकारी एवं केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य का चुनाव किया जाएगा। चुनाव संपन करने के लिए चुनाव अधिकारी मिठ्ठनलाल मित्तल एवं चुनाव परामर्श अधिकारी अनिल बाजोरिया को नियुक्त किया गया। उक्त जानकारी देते हुए शाखा की मानद मंत्री रमा बाजोरिया ने बताया कि उक्ताशय का निर्णय अध्यक्ष पवन भुवानिया के निवास स्थान पर आयोजित शाखा की कार्यकारिणी सभा में लिया गया। महाराजा अग्रसेन की बन्दना के साथ साथ सभा का आरम्भ हुआ। अध्यक्ष पवन भुवानिया ने सभा का स्वागत किया। सचिव रमा बाजोरिया ने वर्ष 2022-23 की रिपोर्ट एवं केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य डीपी अग्रवाल ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। सभा में संस्थापक डीपी अग्रवाल, अध्यक्ष पवन भुवानिया, सचिव रमा बाजोरिया, उपाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, सहसचिव नवीन अ लमाल, परामर्शदाता मिठ्ठनलाल मित्तल, युवा संयोजक विकास अग्रवाल, महिला संयोजिका सुमन भुवानिया, अनिल बाजोरिया, आनन्द डालमिया, आनन्द पित्ती आदि उपस्थित थे।अनिल बाजोरिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन संपन्न हुई।

चंगीचेरला में मोटावत परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित डिप्टी मेयर के.लक्ष्मी रवि गौड़, पार्षद के.चन्द्र गौड़, के.गोपाल गौड़ एवं अतिथियों का सम्मानकर उपस्थित आयोजक कुमावत सेवा समिति अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश मोटावत, ओमप्रकाश मोटावत व अन्य।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा के चुनाव 14 मई को

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा की मासिक बैठक का आयोजन शाखा के मानद मंत्री राम किशन अग्रवाल के कार्यालय पर सम्पन्न हुई। सर्व प्रथम महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की गई तत्पचात शाखा के अध्यक्ष महावीर प्रसाद डोकानिया ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। मंत्री ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। सभी सदस्यो की सहमति से ये निर्णय लिया गया की वार्षिक साधारण सभा व द्विवार्षिक चुनाव दिनांक 14 मई 2023 रविवार को शाखा के परामर्शदाता नरेश बंसल के निवास शालीबंडा में प्रातः 11 बजे होंगे. उक्त आशय की सुचना मानद मंत्री राम किशन अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गयी है। सभा में अध्यक्षीय भाषण, मानद मंत्री द्वारा रिपोर्ट, कौषाध्यक्ष द्वारा आय व्यय का ब्योरा व शाखा के द्विवार्षिक चुनाव करवाये जायेंगे. द्विवार्षिक चुनाव सम्पन्न करवाने के लिए शाखाध्यक्ष महावीर प्रसाद डोकानिया ने हरी किशन अग्रवाल को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है. शाखा के अध्यक्ष, उपाध्य्क्ष, मानद मंत्री, सहमंत्री ,कौषाध्यक्ष व केन्द्रिय समिति मे शाखा के प्रतिनिधीयों के लिए चुनाव होंगे। धन्यवाद ज्ञापन हरी किशन अग्रवाल ने दिया। बैठक में अध्यक्ष महावीर प्रसाद डोकानिया, उपाध्यक्ष आनंद संघी, मानद मंत्री राम किशन अग्रवाल,कोषाध्यक्ष पंकज गोएंका, केंद्रीय समिति सदस्य उमेश अग्रवाल, नवल किशोर गोयल, पवन डोकानियां, अनिल अग्रवाल, हरी किशन अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

एमवी ऑटोमोबाईल शोरुम का शुभारम्भ

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद एस.डी.रोड़ स्थित स्विच इलेक्ट्रिक बाईक के एमवी ऑटोमोबाईल शोरुम का शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रबंधक भंवरलाल महेश सीरवी ने बताया कि कार्यक्रम मे बत्तौर मुख्यअतिथि सीरवी समाज अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़, सीरवी शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, अ.भा. सीरवी महासभा तेलंगाना अध्यक्ष हरजीराम काग, प्रबंधक भंवरलाल महेश सीरवी, प्रसाद साई विनीत, स्विच बाईक एम.डी राजकुमार पटेल, सीईओ चिंतन खत्री, जीएम सौमिल क्रिस्टियन, सीईओ ईजिया ब्रान्डिग स्नेहा पटेल, के.वी.आर., विभिन्न समाजों के अध्यक्ष मांगीलाल काग, जगदीशप्रसाद काग, आशाराम गेहलोत, सम्मानित अतिथि बरखादेवी आईस्क्रीम प्रबंधक प्रकाश जाट, भुराराम, कालुराम चिंतल, चेलाराम काग, मोहनलाल सानपुरा, गणेशराम बर्फा, मोतीलाल काग, गोपाराम मुलैवा, शालु सोलंकी एवं कार्यक्रम मे पधारे विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीयों का शॉल से विशेष सम्मान किया गया। अवसर पर प्रबंधक भंवरलाल (मुलैवा) सीरवी ने पधारे सभी अतिथियों व सम्मानित ग्राहकों का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि एक ही छत के नीचे उच्च क्वालिटी की स्विच इलेक्ट्रिक बाईक, इलेक्ट्रिक साईकिल उचित दाम पर भरोसे के साथ उपलब्ध करायी जाएगी।

सुल्तान बाजार में प्याऊ का शुभारंभ

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैपी क्लब फाउंडेशन और महावीर इंटरनेशनल ने मिलकर हैदराबाद के व्यस्ततम सुल्तान बाजार में प्याऊ का शुभारंभ किया। हैपी क्लब फाउंडेशन के अध्यक्ष सीए मधुसूदन अग्रवाल, महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष अनिल जैन ने प्याऊ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राम अग्रवाल, अरविन्द अग्रवाल, महेश केडिया, योगेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, नेमीचंद जैन, शील जैन, प्रीतेश जैन, विनोद संचेती आदि उपस्थित रहे।

नगर में बढती गर्मी के मद्देनजर मारडपल्ली में जिनेश्वर यंग स्टार्स मंडल ने क्लॉक टावर सर्कल, सिकंदराबाद में छाछ वितरण किया। मंडल के अध्यक्ष रतन गांधी ने सभी का धन्यवाद किया।

दमरे ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने रेल निलयम सभागार में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन थे. आर. धनंजयलु, अतिरिक्त महाप्रबंधक, दमरे और राजीव किशोर, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम में प्रमुख विभागों के प्रमुखों, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के सदस्यों, मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों के वरिष्ठ नेताओं ने भी भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए अरुण कुमार जैन ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर भारतीय इतिहास के सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों में से एक हैं। आज हम एक महान समाज सुधारक, अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ के जीवन और नेतृत्व का उत्सव मना रहे हैं। शिक्षा और इसकी परिवर्तनकारी शक्ति में दृढ़ विश्वास रखने वाले बाबा साहेब ने युवाओं को शिक्षित करने और समाज में भेदभाव की बेड़ियों को तोड़ने के लिए खुद को सशक्त बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। महाप्रबंधक ने कहा कि जाति, पंथ और सांप्रदायिक विभाजन पर काबू पाकर, संविधान की एक छतरी के नीचे राष्ट्र को एकजुट करने के लिए सभी भारतीय उनके आभारी हैं। अरुण कुमार जैन ने कहा कि आज जब हम इस महान नेता के जन्म का जश्न मना रहे हैं तो हमें डॉ. अंबेडकर की विरासत को प्रतिबिंबित करना चाहिए और सामाजिक न्याय और समानता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सही अर्थों में पुनर्विचार करना चाहिए। हमें सभी के लिए समान अवसर प्रदान करने की दिशा में काम करना चाहिए और लोकतंत्र, समानता और मानवता के मूल्यों को कायम रखने वाले अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण की दिशा में प्रयास करना चाहिए। अपर महाप्रबंधक आर. धनंजयलू ने कहा कि बाबा साहब एक योद्धा थे। जिन्होंने अपने जीवन में हर कठिन परिस्थिति का मुकाबला किया। उन्होंने कभी भी अपनी परिस्थितियों को अपने विकास को सीमित करने की अनुमति नहीं दी और परिणामस्वरूप एक महान नेता बने जिनके योगदान को भारत के संविधान के रूप में हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने हमें लंबे समय तक चलने वाला संवैधानिक ढांचा प्रदान किया, जिसने भारत को आज जो है, उसमें प्रगति करने की अनुमति दी। उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर अम्बेडकर प्रत्येक भारतीय के लिए एक प्रेरणा हैं और हमें उनकी शिक्षाओं और विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए।

साहा का कैच पकड़ने में 3 खिलाड़ी टकराए

सैमसन ने राशिद की गेंदों पर लगातार 3 छक्के लगाए; बटलर पहली बार जीरो पर बोल्ड, देखें मोमेंट्स

अहमदाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में रविवार को राजस्थान रॉयल्स ने डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस को 3 विकेट से हरा दिया। गुजरात ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 177 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 19.2 ओवर में 7 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

मैच में राजस्थान के ओपनर जोस बटलर आईपीएल करियर में पहली बार जीरो पर आउट हुए। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने राशिद की तीन गेंदों पर लगातार छक्के जड़े। वहीं गुजरात के बल्लेबाज रिद्धिमान साहा का कैच पकड़ने के दौरान तीन प्लेयर्स आपस में टकरा गए और कैच चौथे प्लेयर ने पकड़ा।

इसके अलावा शुभमन गिल ने राजस्थान के देवदत्त पड्डीकल का कैच छोड़ा। जबकि रन आउट होने से बाल-बाल बचे शिमरन हेटमायर ने राजस्थान को मैच जिताया। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में जानेंगे।

1. कैच लेने के दौरान तीन प्लेयर्स आपस में टकरा गए

गुजरात टाइटंस की पारी के दौरान पहले ही ओवर में ओपनर रिद्धिमान साहा का कैच पकड़ने के दौरान राजस्थान के तीन खिलाड़ी आपस में टकरा गए। दरअसल मैच का पहला ओवर ट्रेंट बोल्ट कर रहे थे। ओवर की तीसरी गेंद उन्होंने मिडिल स्टंप पर फेंकी। स्ट्राइक एंड पर रिद्धिमाना साहा थे।

साहा इसे सीधे खेलना चाहते थे। पर गेंद बल्ले पर सही से नहीं आई और हवा में काफी ऊपर उठ गई। कैच पकड़ने के लिए विकेटकीपर संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल और शिमरन हेटमायर दौड़ पड़े। तीनों ने एक-दूसरे को नहीं देखा और आपस में भिड़ गए। साथ ही ये नीचे जमीन पर गिर गए। गेंद इनके शरीर से लगकर गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के पास चली गई, उन्होंने इसे पकड़ लिया और इस तरह साहा पहले ही ओवर में बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए।

2. शमी ने बटलर को पहला डक दिया

जोस बटलर अपने आईपीएल करियर में पहली बार बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। बटलर 2016 में मुंबई इंडियंस से आईपीएल डेब्यू किया था। दरअसल राजस्थान की पारी के दौरान के तीसरा ओवर मोहम्मद शमी कर रहे थे। इस ओवर की तीसरी गेंद उन्होंने गुड लेंथ पर फेंकी। इस बटलर स्कूप करना चाहते थे, लेकिन गेंद लेग स्टंप पर लग गई। स्टंप बहुत दूर गया और बटलर को बगैर खाता खोले पवेलियन लौटना पड़ा। इस तरह बटलर आईपीएल में पहली बार डक हुए।

बटलर आईपीएल के 84 पारियों के बाद जीरो पर आउट हुए हैं। उनके बाद यह रिकॉर्ड श्रेयस अय्यर (82) और एमएस धोनी (78) के नाम है।

3. गिल ने पड्डीकल का कैच छोड़ा

दूसरी पारी में गुजरात के गेंदबाजों ने नई गेंद से 2 विकेट लेकर राजस्थान को बैकफुट पर धकेल दिया था। गुजरात के पास पांचवें ओवर में पड्डीकल का कैच पकड़ कर उन्हें दबाव लाने का चांस था। पर ऐसा नहीं हो पाया। दरअसल शमी गुजरात के लिए पांचवां ओवर कर रहे थे। ओवर की आखिरी गेंद उन्होंने ऑफ स्टंप पर फेंकी, जो पड्डीकल के बैट से लगकर फर्स्ट स्लिप में चली गई।

फर्स्ट स्लिप में खड़े शुभमन गिल कैच पकड़ नहीं पाए और पड्डीकल 12 रन के स्कोर पर नॉटआउट रहे। उन्होंने आगे पारी में हार्दिक पंड्या की बॉलिंग पर छक्का जड़ने के साथ 26 रन बनाए। गिल ने इससे पहले यशस्वी जायसवाल का शानदार कैच पकड़ा था।

4. सैमसन ने राशिद को 3 लगातार छक्केलगाए

राजस्थान ने 178 रन के चेज में 55 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए थे। यहां से संजू सैमसन ने शिमरन हेटमायर के साथ पार्टनरशिप कर टीम को मैच में बनाए रखा। उन्होंने 13वें ओवर की दूसरी, तीसरी और चौथी गेंद पर राशिद खान को 3 लगातार छक्के भी लगाए। वह इस सीजन में राशिद की गेंद पर ऐसा करने वाले पहले बैटर बने।

राशिद गुजरात के बेस्ट बॉलर हैं। 5 मैचों में 11 विकेट लेकर वह पर्पल कैप की रेस में टॉप पर भी हैं। सैमसन ने अपनी पारी में कुल 6 छक्के लगाए, इनमें से 4 राशिद को ही लगाए। वह अंत में 18 साल के चाइनामैन गेंदबाज नूर अहमद की बॉल पर छक्का मारने की कोशिश में कैच आउट हुए, लेकिन आउट होने से पहले वह 32 गेंदों पर 60 रन बना चुके थे।

5. रनआउट होने से बचे हेटमायर ने मैच जिताया

26 गेंद पर 56 रन की नॉटआउट पारी खेलने वाले राजस्थान के शिमरन हेटमायर प्लेयर ऑफ द मैच बने। उन्होंने अपनी पारी में 2 चौके और 5 छक्के लगाए। उन्होंने ही आखिर में ध्रुव जुरेल और रविचंद्रन अश्विन के साथ पार्टनरशिप कर अपनी टीम को 3 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई।

हेटमायर पारी के 17वें ओवर में दूसरा रन लेने की कोशिश में रन आउट होने से बचे थे। उनका बैट अहम मौके पर क्रीज के अंदर आ गया था। अगर वह रनआउट हो जाते तो मैच का नतीजा कुछ और भी हो सकता था।

रणजी चैंपियन को अब मिलेंगे 5 करोड़

बीसीसीआई ने सभी घरेलू टूर्नामेंट की प्राइज मनी बढ़ाई; महिलाओं को 833% ज्यादा इनाम मिलेगा

खेल डेस्क, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपने घरेलू टूर्नामेंट की प्राइज मनी बढ़ाने की घोषणा की है। रणजी ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी समेत महिलाओं के घरेलू टूर्नामेंट की इनामी राशि भी बढ़ाई गई है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस बात की जानकारी रविवार शाम को सोशल मीडिया पर शेयर की। इसके मुताबिक, रणजी चैंपियन को अब दो करोड़ की जगह 5 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं महिलाओं की सीनियर वनडे ट्रॉफी चैंपियन को अब करीब 833% ज्यादा इनामी राशि मिलेगी। विमेन चैंपियन को पहले 6 लाख रुपए मिलते थे, लेकिन अब उन्हें 833% ज्यादा 50 लाख रुपए मिलेंगे।

क्या कहा जय शाह ने?

जय शाह ने ट्वीट कर कहा, 'मुझे बीसीसीआई के सभी डोमेस्टिक टूर्नामेंट्स की प्राइज मनी बढ़ाने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हम घरेलू क्रिकेट में इन्वेस्ट करने के हमारे प्रयासों को लगातार जारी रखेंगे। घरेलू क्रिकेट ही असल में भारतीय क्रिकेट की रीढ़ है। रणजी चैंपियन को 2 से बढ़ाकर 5 करोड़ और सीनियर विमेंन चैंपियंस को 6 से बढ़ाकर 50 लाख रुपए मिलेंगे।'

महिलाओं के दोनों टूर्नामेंट का इनाम बढ़ा

सीनियर विमेंस वनडे ट्रॉफी विजेता को 6 की जगह 50 लाख और रनर-अप को 3 से बढ़कर 25 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं सीनियर विमेंस टी-20 ट्रॉफी चैंपियन को 5 से बढ़कर 40 लाख रुपए और रनर-अप को 3 से बढ़कर 20 लाख रुपए मिलेंगे।

रेलवे विमेंस ने कर्नाटक को हराकर पिछला वनडे खिताब जीता था। रेलवे ने ही टी-20 चैलेंजर्स ट्रॉफी भी जीती थी।

3 फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट की प्राइज मनी बढ़ाई

बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी समेत कुल 8 सीनियर डोमेस्टिक टूर्नामेंट की प्राइज मनी बढ़ाई। इनमें 6 पुरुष और 2 महिला टूर्नामेंट शामिल हैं। फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट में रणजी ट्रॉफी उप विजेता को एक करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपए और सेमी-फाइनल में हारने वाली टीमों को 50 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ रुपए मिलेंगे। सौराष्ट्र पिछली रणजी चैंपियन है, उन्होंने बंगाल को हराकर खिताब जीता था।

ईरानी कप चैंपियन 50 लाख रुपए मिलेंगे

ईरानी कप चैंपियन को 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपए मिलेंगे। इससे पहले रनर-अप को कुछ नहीं मिलता था, लेकिन अब उन्हें भी 25 लाख रुपए मिलेंगे। ईरानी कप में रणजी ट्रॉफी विजेता और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच 5 दिवसीय मैच होता है। रेस्ट ऑफ इंडिया पिछली ईरानी कप चैंपियन है, उन्होंने मध्य प्रदेश को हराया था।

दलीप ट्रॉफी चैंपियन को एक करोड़ मिलेंगे

दलीप ट्रॉफी चैंपियन को 40 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ मिलेंगे। रनर-अप को 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपए मिलेंगे। दलीप ट्रॉफी 6 जोन के बीच होने वाला फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट है। वेस्ट जोन पिछली चैंपियन है, उन्होंने साउथ जोन को हराकर खिताब जीता था।

दोनों लिस्ट-ए टूर्नामेंट की इनामी राशी बढ़ाई

लिस्ट-ए डोमेस्टिक टूर्नामेंट में विजय हजारे चैंपियन को 30 लाख से बढ़कर एक करोड़ रुपए और रनर-अप को 15 लाख से बढ़कर 50 लाख रुपए मिलेंगे। सौराष्ट्र ने पिछले सीजन महाराष्ट्र को हराकर विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब जीता था।

प्रोफेसर बी देवधर ट्रॉफी चैंपियन को अब 25 लाख से बढ़कर 40 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं रनर-अप को 15 से बढ़कर 20 लाख रुपए मिलेंगे। देवधर ट्रॉफी इंडिया-ए, इंडिया-बी और इंडिया-सी के बीच होने वाला लिस्ट-ए टूर्नामेंट है। कोरोना से पहले 2019-20 में हुई पिछली चैंपियनशिप को इंडिया बी ने जीता था। उन्होंने इंडिया-सी को फाइनल में हराया था।

टी-20 चैंपियन को 80 लाख मिलेंगे

20 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट सैयाद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने वाली टीमों को अब 25 लाख से बढ़कर 80 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं रनर-अप को 10 की बजाय 40 लाख रुपए मिलेंगे। मुंबई ने हिमाचल प्रदेश को हराकर पिछली बार खिताब जीता था। बता दें, 20 ओवर के फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट आईपीएल चैंपियन को 20 करोड़ रुपए मिलते हैं।

28 जून से शुरू होंगे घरेलू टूर्नामेंट

भारतीय घरेलू क्रिकेट के 2023-24 सीजन की शुरुआत दलीप ट्राफी टूर्नामेंट के साथ होगी जो 28 जून से होगी। रणजी ट्राफी इस बार अगले साल 5 जनवरी से खेली जाएगी। दलीप ट्रॉफी छह जोनल टीमों के बीच खेली जाएगी। उसके बाद देवधर ट्रॉफी (लिस्ट ए) 24 जुलाई से 3 अगस्त, ईरानी कप एक से 5 अक्टूबर, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 16 अक्टूबर से 6 नवंबर और विजय हजारे ट्रॉफी 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेली जाएगी।

डायमंड लीग : नीरज चोपड़ा डायमंड लीग के लिए तैयार

90 मीटर की दूरी और स्वर्ण पदक है लक्ष्य

खेल डेस्क, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। नीरज दोहा डायमंड लीग से सत्र की शुरुआत करने जा रहे हैं। उनका लक्ष्य चोट मुक्त रहते हुए 90 मीटर की दूरी और विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना है।

टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा पिछले वर्ष इस समय तक पूरी तरह फिट नहीं थे। जिसके चलते वह दोहा डायमंड लीग में शिरकत नहीं कर पाए, लेकिन नीरज इस वर्ष न सिर्फ पूरी तरह फिट हैं बल्कि दोहा डायमंड लीग से ही सत्र की शुरुआत करने जा रहे हैं। नीरज ने रविवार को कहा कि इस वर्ष उनका लक्ष्य अपने को पूरी तरह फिट रखते हुए विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण जीतना है। वह कोशिश करेंगे कि इस बार 90 मीटर की दूरी को लेकर चर्चाओं को बंद कर दें। हालांकि वह इस बारे में अपने ऊपर कोई ज्यादा दबाव नहीं ले रहे हैं।

पिछली बार नहीं मिला तैयारियों का ज्यादा समय

नीरज कहते हैं कि अगर पिछले वर्ष से तुलना करें तो वह इस साल ज्यादा अच्छी तरह तैयार हैं। पिछले वर्ष उन्होंने जून में फिनलैंड में हुए पावो नूरमी गेम्स से सत्र शुरू किया। फिटनेस, शक्ति और तकनीकि तीनों रूप से वह पिछले वर्ष इस दौरान तैयार नहीं थे। तैयारियों का भी ज्यादा समय नहीं मिला, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। वह न सिर्फ पूरी तरह फिट हैं बल्कि समय से सत्र की शुरुआत करने जा रहे हैं। यही कारण है कि वह 5 मई को होने वाली दोहा डायमंड लीग में खेलेंगे, जहां ट्रिपल जंपर एल्डोस पॉल भी उनके साथ भाग लेंगे।

तकनीकि रूप से करेंगे अपने को दक्ष

ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरीना, अंताल्या (तुर्किये) में तैयारियां कर रहे नीरज कहते हैं कि वह विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण जीतना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए कोई दबाव नहीं है, चाहें वह यह स्वर्ण इस बारे जीतें या बाद में जीतें। यह सत्र उनके लिए लंबा है, इस लिए वह अपने को इस बार तकनीकि रूप से दक्ष करना चाहते हैं।

टोक्यो का स्वर्ण पेरिस में अच्छा करने की देगा प्रेरणा

पेरिस ओलंपिक पर नीरज का कहना है कि उन पर यहां स्वर्ण जीतने का दबाव होगा, इस लिए टोक्यो के मुकाबले उन्हें यहां के लिए ज्यादा तैयार रहना होगा। हालांकि टोक्यो का स्वर्ण पदक उन्हें पेरिस में अच्छा करने की प्रेरणा देगा। नीरज डायमंड लीग के विजेता हैं। इससे पहले उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 2018 में भाग लिया था, जहां वह 87.43 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। नीरज कहते हैं कि पिछले वर्ष उन्होंने विश्व चैंपियनशिप के अनुभव से फैसला लिया है कि अगर उन्हें हल्की चोट लगी है तो वह पांचवीं और छठी थ्रो के लिए प्रयास नहीं करेंगे। विश्व चैंपियनशिप में उन्हें चौथी थ्रो में चोट लगी थी, लेकिन उन्होंने बाद में जांघ पर पट्टी बंधवाकर थ्रो की और चोट गहरा गई, जिससे वह राष्ट्रमंडल खेल में अपने स्वर्ण की रक्षा करने नहीं उतर पाए।

फ्रेंच लीग : पीएसजी ने लेंस को 3-1 से हराया

म्बापे के रिकॉर्ड 139वां गोल दागा, मेसी भी चमके

खेल डेस्क, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएसजी की जीत में कप्तान काइलिन म्बापे ने मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने टीम के लिए पहला गोल किया। यह लीग में क्लब के लिए उनका रिकॉर्ड 139 गोल रहा।

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने पिछले कुछ समय के खराब प्रदर्शन से उबरते हुए दूसरे स्थान पर चल रहे लेंस को 3-1 से हराकर फ्रेंच लीग, लीग-1 में शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त को नौ अंकों का कर लिया। इस जीत में कप्तान काइलिन म्बापे ने मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने टीम के लिए पहला गोल किया। यह लीग में क्लब के लिए उनका रिकॉर्ड 139 गोल रहा। इसके साथ ही वह लीग में पीएसजी के शीर्ष स्कोरर बन गए। उन्होंने क्लब के लिए 138 गोल करने वाले उरुग्वे के एडिंसन कवानी को पीछे छोड़ा। म्बापे का यह क्लब के लिए कुल 203वां गोल रहा। कुछ समय पूर्व ही म्बापे ने क्लब के लिए 200वां गोल किया था और उसके लिए वह सर्वकालिक शीर्ष स्कोर बने थे।

मेसी ने क्लब के लिए सत्र का 15वां गोल किया

सभी प्रतियोगिताओं में आठ मुकाबले हारने वाली पीएसजी के लिए यह मुकाबला अहम था। 25वें मिनट में मिडफील्डर वितिन्हा के पास पर उन्होंने गोल के दाहिने निचले हिस्से में फर्स्ट टाइमर लगाया। यह इस सत्र में क्लब के लिए उनका 20वां गोल रहा। छह मिनट बाद ही 25 मीटर की दूरी से वितिन्हा ने पीएसजी की बढ़त 2-0 कर दी। मेसी भी पीछे नहीं रहने वाले थे। 40वें मिनट में उन्होंने म्बापे से मिले पास को गोल में भेजा। यह इस सत्र में क्लब के लिए उनका 15वां गोल रहा।

10 खिलाडियों से खेली लेंस

लेंस के मिडफील्डर सालिस अब्दुल समद को 19वें में ही लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। हालांकि 10 खिलाड़िओं के बावजूद लेंस ने दूसरा हाफ में अच्छा खेल दिखाया। पीएसजी के फैबियन रुइज ने गेंद को बॉक्स में हाथ से छुआ, जिससे लेंस को पेनाल्टी मिली। पोलैंड के विंगर प्रेजमाइस्लॉव फ्रेंकोवस्की ने 60वें मिनट में इस पर गोल किया।

ला लिगाः रियल मैड्रिड ने कैडिज को 2-0 से हराया

बार्सिलोना। रियल मैड्रिड ने कैडिज पर स्पेनिश लीग ला लिगा में 2-0 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ उसने शीर्ष पर चल रहे बार्सिलोना की बढ़त का अंतर 10 अंक कर दिया गया है। रियल के अगले सप्ताह चैंपियंस लीग के दूसरे चरण का क्वार्टर फाइनल चेल्सी के खिलाफ उसके घर में खेलना है। रियल पहला चरण जीत चुका है। रियल को दोनों गोल दूसरे हाफ में नसीब हुए। 72वें मिनट में नाचो फर्नांडीज ने और 76वें मिनट में मार्को एसेंसियो ने गोल किया।

मोंटे कार्लो मास्टर्स : रूबलेव लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचे

डेन होल्गर से होगा मुकाबला

खेल डेस्क, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। रूबलेव दूसरी बार मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में पहुंच गए हैं। उनकी खिताबी टक्कर छठवीं वरीयता के डेन होल्गर रुने से होगी।

पांचवीं वरीय रूस के आंद्रे रूबलेव दूसरी बार मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने बारिश से बाधित सेमीफाइनल मुकाबले में आठवीं वरीयता के अमेरिकी टेलर फिट्ज को 5-7, 6-1, 6-3 से हराया। दो साल पहले फाइनल में हारने वाले अपने 13वें खिताब के लिए उतरेंगे। उनकी खिताबी टक्कर छठवीं वरीयता के डेन होल्गर रुने से होगी।

रुने ने अन्य मैच में इटली के जैनिक सिनर को 1-6, 7-5, 7-5 से हराया। लगातार तीसरी बार मास्टर्स सेमीफाइनल में खेल रहे इक्कीस साल के सिनर ने दो बार सर्विस ब्रेक कर पहला सेट जीत लिया था। दूसरे सेट में जब रुने 3-0 से बढ़त पर थे तो बारिश ने बाधा डाली। सिनर ने बाद में टक्कर दी लेकिन रुने ने यह सेट जीतकर मैच को निर्णायक सेट की ओर मोड़ दिया।

तीसरे सेट में कड़ी टक्कर हुई लेकिन सिनर का शॉट नेट में उलझते के साथ रुने ने जीत का जश्न शुरू कर दिया। रूबलेव से उनकी कॅरिअर में तीसरी भिड़ंत होगी।

इससे पहले दोनों 1-1 मुकाबला जीतने में सफल रहे। रुने अपने कॅरिअर का चौथा खिताब जीतने उतरेंगे। उन्होंने पिछले साल पेरिस मास्टर्स भी जीता था।

माधवन के बेटे ने फिर देश का नाम रोशन किया

वेदांत ने एक साथ 5 गोल्ड मेडल जीता

खेल डेस्क, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। एक्टर आर माधवन के बेटे वेदांत माधवन ने फिर से देश का नाम रोशन किया है। वेदांत ने मलेशिया इनविटेशनल एज ग्रुप स्विमिंग चैंपियनशिप में पांच गोल्ड मेडल जीते हैं। वेदांत के इस कारनामे से उनके पिता आर माधवन काफी खुश नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए वेदांत को शुभकामनाएं दी है।

वेदांत के गोल्ड जीतने पर कई सेलिब्रिटीज ने आर माधवन के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है। साउथ स्टार सूर्या ने उन्हें बधाई दी है। इसके अलावा अनुष्का शर्मा, शिल्पा शिरोडकर और लारा दत्ता इन सभी ने वेदांत के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

एक साथ पांच प्रतिस्पर्धा में जीता गोल्ड

वेदांत माधवन ने मलेशिया इनविटेशनल एज ग्रुप स्विमिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था। इसमें उन्होंने 100 मीटर, 200 मीटर, 500 मीटर, 400 और 1200 मीटर वाली प्रतिस्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता है। उनकी जीत को पिता आर माधवन ने सभी के साथ शेयर किया।

स्टार किड होने के बावजूद फिल्मों में नहीं एथलेटिक्स में बनाया करियर

हम अक्सर देखते हैं कि स्टारकिड के बच्चे फिल्मों में करियर बनाना चाहते हैं। लोगों का उनको लेकर यही पर्सेप्शन रहता है कि अगर ये एक्टर का बच्चा है तो आगे चलकर एक्टर ही बनेगा। हालांकि आर माधवन के बेटे वेदांत ने कुछ और ही सोचा था। उन्होंने न सिर्फ एथलेटिक्स को चुना बल्कि अब हर रोज देश का नाम भी रोशन कर रहे हैं।

मुंबई में स्विमिंग सेंटर बंद हुए तो बेटे को लेकर दुबई गए माधवन

कोविड की वजह से जब देश में सारे स्विमिंग सेंटर बंद थे, तो आर. माधवन बेटे वेदांत को लेकर दुबई चले गए थे। उस वक्त माधवन ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'मुंबई में बड़े स्विमिंग पूल या तो कोविड की वजह से बंद हैं, या वहां सुविधाएं नहीं हैं। इस वजह से हम वेदांत के साथ दुबई में हैं, जहां वो बड़े पूल में ट्रेनिंग लेता है। वो ओलंपिक के सपने को सच करने में जुटा है। उसकी इस कोशिश में सरिता और मैं हमेशा उसके साथ हैं।

पिता की शैडो में रहना पसंद नहीं, खुद की अलग पहचान बनाना चाहते हैं वेदांत

वेदांत ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वो अपने मां-बाप के बहुत शुक्रगुजार हैं क्योंकि उन लोगों ने उन्हें हर मोमेंट पर सपोर्ट किया। वेदांत ने कहा, 'मैं अपने पापा की शैडो में नहीं रहना चाहता था। मैं खुद से अपना नाम बनाना और कमाना चाहता था। मैं सिर्फ आर माधवन का बेटा नहीं बनना चाहता। मेरे पेरेंट्स ने मेरे लिए काफी एफर्ट्स लगाए हैं। उन्होंने मेरे लिए बहुत ज्यादा त्याग किए हैं, दुबई में शिफ्ट होना उनमें से एक है।'

खेलो इंडिया गेम्स में जीते थे सात मेडल

अभी 2 महीने पहले भोपाल में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2023 में वेदांत ने सात मेडल्स जीते थे। वेदांत ने इस प्रतिस्पर्धा में 5 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल जीता था। इसके अलावा पिछले साल अक्टूबर में हुए नेशनल चैंपियनशिप में महाराष्ट्र के लिए टोटल 7 मेडल अपने नाम किया था।

दमरे का असाधारण प्रदर्शन जारी : अरुण जैन

दमरे ने 18973.14 करोड़ रुपये का उच्चतम सकल मूल राजस्व दर्ज किया

जोन का माल और यात्री खंड दोनों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिम मध्य रेलवे (दमरे) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि दमरे ज़ोन ने अपनी स्थापना के बाद से अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन दर्ज किया है। अपने कार्यक्षेत्र में विविध क्षेत्रों में उसका रिकार्ड प्रदर्शन जारी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जोन ने न केवल रिकॉर्ड बुनियादी ढांचे में वृद्धि हासिल की बल्कि सक्रिय पहलों ने भी एससीआर को यात्री और माल ढुलाई खंड दोनों पर अब तक का सबसे अच्छा राजस्व अर्जित किया है। रेल निलयम, सिकंदराबाद में चुनिंदा संवाददाताओं को ज़ोन की विशिष्ट उपलब्धियों की जानकारी देते हुए महाप्रबंधक ने बताया कि अपने संचालन के सभी क्षेत्रों में टीम एससीआर द्वारा सक्रिय योजना और समर्पित प्रयासों के समर्थन से, जोन ने 2022-23 में 18973.14 करोड़ रुपये की मूल राजस्व में अपनी सर्वश्रेष्ठ कमाई की। वर्ष 2018-19 में 15,708.88 करोड़ और वर्ष 2021-22 में अंचल ने 14,266 रुपए करोड़ रुपये रिकॉर्ड करके अपनी अब तक की सबसे अच्छी कमाई हासिल की थी। महत्वपूर्ण रूप से, ज़ोन का परिचालन अनुपात भी 2021-22 में 98.25 प्रतिशत और 2022-23 में 88.23 प्रतिशत बढ़कर हो गया है। उन्होंने कहा कि जोन ने गुड्स शेड के विकास, टैरिफ और गैर-टैरिफ प्रोत्साहन उपायों के कार्यान्वयन आदि जैसी पहलों के साथ माल ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सक्रिय पहल की, जिसके परिणामस्वरूप नया ट्रैफिक रेलवे की ओर आकर्षित हुआ। इसने क्रमशः 131.854 मिलियन टन, 13,051.10 करोड़ रुपये का सबसे अच्छा मूल माल लदान और राजस्व प्राप्त करने में दमरे को योगदान दिया है। पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2018-19 में हासिल किया गया था, जिसमें मूल माल ढुलाई और राजस्व क्रमशः 122.5 मीट्रिक टन और 10,954.69 करोड़ रुपये था।

यात्री मोर्चे पर, दक्षिण मध्य रेलवे अपने अधिकार क्षेत्र में 100 फीसदी मेल एक्सप्रेस ट्रेनों को फिर से शुरू करने वाला पहला देश था। इसने विशेष ट्रेनों की निरंतर शुरूआत, मांग वाली ट्रेनों में कोचों की अस्थायी और साथ ही स्थायी वृद्धि और दैनिक आधार पर अतिरिक्त कोचों को जोड़ना, जहां भी संभव हो, सभी ने एससीआर को अब तक का सबसे अच्छा प्रारंभिक यात्री राजस्व प्राप्त करने में योगदान दिया है। 2022-23 में 5,140.70 करोड़ (2018-19 में 4089.78 करोड़ रुपये के पिछले सर्वश्रेष्ठ के मुकाबले)। यात्रियों के संदर्भ में, 2021-22 में 127.4 मिलियन की तुलना में 2022-23 में दमरे से 255.59 मिलियन शुरुआती यात्रियों ने यात्रा की। ट्रैक जोड़ने के संदर्भ में, उचित योजना और तेजी से कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप ज़ोन ने अपने रेल नेटवर्क में अब तक का सबसे अच्छा ट्रैक जोड़ दिया है। 2021-22 में 344 किलोमीटर के पिछले सर्वश्रेष्ठ की तुलना में 2022-23 के दौरान रिकॉर्ड 384.42 किलोमीटर जोड़े गए। जबकि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 50.015 किलोमीटर नई लाइनें जोड़ी गईं, रेल नेटवर्क में 151.486 किलोमीटर दोहरी लाइन और 182.915 किलोमीटर तीसरी लाइनें जोड़ी गईं। 2022-23 के दौरान दक्षिण मध्य रेलवे में रिकॉर्ड 1,016.9 आरकेएम विद्युतीकरण के साथ जोन पर विद्युतीकरण पहले कभी नहीं देखा गया। यह न केवल किसी वित्तीय वर्ष में जोन द्वारा हासिल किया गया उच्चतम विद्युतीकरण है, बल्कि पूरे भारतीय रेलवे में पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी जोन द्वारा हासिल किया गया सर्वोच्च भी है। इसके अलावा, जोन पर रिकॉर्ड 1,743.42 किमी रेल ट्रैक को 130 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति तक ट्रेनों को संभालने के लिए अपग्रेड किया गया था। यह भारतीय रेलवे में पिछले वित्तीय वर्ष में किसी भी जोन द्वारा हासिल की गई सर्वाधिक उपलब्धि है। क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ अपने ट्रेन संचालन की सुरक्षा के लिए, दमरे ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 66 इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम भी चालू किए, जो ज़ोन के इतिहास में सबसे अधिक है। पैसेंजर और फ्रेट दोनों सेगमेंट में जोन की उपलब्धि को हमारी वर्कशॉप से मदद मिली, जिसने पिछले वित्त वर्ष में अब तक का सबसे अच्छा पीओएच आउट टर्न दिया। लालागुडा और तिरुपति वर्कशॉप ने जहां 3,046 कोचों का पीओएच आउटटर्न हासिल किया, वहीं 2022-23 के दौरान रायनपाडु वर्कशॉप में 6,300 वैगनों का पीओएच आउटटर्न हासिल किया। 2019-20 में 2,966 कोचों के साथ कोचों का अब तक का सबसे अच्छा आउट टर्न था, जबकि 2018-19 में वैगनों के लिए 6,018 वैगन थे। इस दौरान आर. धनंजयलू, अपर महाप्रबंधक, बी. नग्या, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक, के.आर.के. रेड्डी, प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, नीरज अग्रवाल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, निर्माण, पी.डी. मिश्रा, प्रधान मुख्य विद्युत प्रबंधक उपस्थित रहे।

यूपी, बिहार, राजस्थान के यात्रियों को राहत देने की कोशिश : जीएम

दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने समर सीजन में यूपी, बिहार, राजस्थान के यात्रियों की समस्या के बारे में पूछे गए सवाल के जबाव में कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे सभी यात्रियों को सुविधाजनक और सुरक्षित यात्रा प्रदान करने की कोशिश कर रहा है। कुछ ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची का टिकट भी ना मिलने के प्रश्न के उत्तर में जीएम ने कहा कि दमरे स्थिति पर नजर रखे हुए है। समर सीजन को देखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। आवश्यकता के हिसाब से स्पेशल ट्रेनों को चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दमरे से अधिक संख्या में ट्रेनों को चलाया जा सकता है, लेकिन दूसरे जोनों में रूट के अत्याधिक व्यस्त होने के कारण ऐसा संभव नहीं हो पा रहा है। हालांकि दमरे यात्रियों को सुरक्षित मंजिल पर पहुंचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि किसी के बहकावें में आकर ट्रेनों पर पत्थर बाजी नहीं करनी चाहिए। रेलवे की सपंत्ति राष्ट्र की संपत्ति है। इसके साथ ही यात्रियों को ट्रेन और स्टेशनों पर सही जगह कचरे को डालना चाहिए। महाप्रबंधक ने कहा कि रेल यात्रियों को यात्रा से जुड़ी समस्या के समाधान के लिए 139 नंबर पर कॉल और रेल मदद ऐप की सहायता लेनी चाहिए।

पीएससी पेपर लीक मामले में ईडी ने मुख्य आरोपी से की पूछताछ

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को तेलंगाना राज्य लोक सेवा (टीएसपीएससी) परीक्षा पेपर लीक मामले में दो प्रमुख आरोपियों से पूछताछ शुरू की। ईडी के अधिकारी चंचलगुडा सेंट्रल जेल पहुंचे और टीएसपीएससी के दोनों निलंबित कर्मचारियों प्रवीण कुमार और राजशेखर रेड्डी से पूछताछ शुरू की। मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसी उनसे मामले में कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों की कथित संलिप्तता के बारे में पूछताछ कर सकती है। ईडी की याचिका पर शहर की एक अदालत ने शनिवार को प्रवीण और राजशेखर की दो दिन की हिरासत मंजूर कर ली। माना जा रहा है कि ईडी के अधिकारी टीएसपीएससी में गोपनीय खंड कक्ष के प्रभारी शंकरा लक्ष्मी से मिली जानकारी के आधार पर दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रहे हैं। वह 11 अप्रैल को ईडी के सामने पेश हुई थीं और उनसे 10 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। ईडी, जिसने हैदराबाद पुलिस द्वारा जारी प्राथमिकी के आधार पर जांच की, ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 50 के प्रावधानों के अनुसार लक्ष्मी का बयान दर्ज कियागोपनीय खंड के कंप्यूटर से ही प्रवीण और राजशेखर ने सरकारी विभागों में भर्ती के लिए टीएसपीएससी द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र चुरा लिए थे। एक महीने से अधिक समय पहले प्रश्न पत्र लीक होने के बाद समूह -1 प्रारंभिक परीक्षा सहित कम से कम चार परीक्षाओं को रद्द कर दिया था। ईडी ने 31 मार्च को प्रश्नपत्र लीक मामले में प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की थी। एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच इस आरोप के बाद शुरू की कि प्रश्न पत्र लीक करने वालों ने हवाला चैनलों के माध्यम से विदेशों से पैसा प्राप्त किया। उन्होंने कथित तौर पर 40 लाख रुपये एकत्र किए। पेपर लीक मामले की जांच कर रही हैदराबाद पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने 13 मार्च से इस मामले में 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पिछले हफ्ते इसने तेलंगाना उच्च न्यायालय को बताया कि वह न्यूजीलैंड से एक और आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।सपरीक्षा पेपर लीक मामले ने तेलंगाना में सनसनी पैदा कर दी क्योंकि विपक्षी दलों कांग्रेस और बीजेपी ने राज्य में लाखों बेरोजगारों को प्रभावित करने वाले लीक के लिए बीआरएस सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

राज्य कांग्रेस अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी ने भी ईडी के पास एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच की मांग की गई थी। इससे पहले एसआईटी के नोटिस के जवाब में कांग्रेस नेता अधिकारियों के सामने पेश हुए थे और अपने द्वारा लगाए गए कुछ आरोपों के संबंध में जानकारी साझा की थी। हालांकि एसआईटी ने अपने आरोपों के समर्थन में सबूत देने के लिए राज्य भाजपा प्रमुख बंडी संजय को भी तलब किया था, लेकिन उन्होंने अपने कानूनी प्रतिनिधि को भेजा।

किशोरी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआई हवाई अड्डा पुलिस ने सोमवार को कहा कि उन्होंने एक किशोर लड़की की हत्या के पीछे के रहस्य को सुलझा लिया है, जिसकी शिकायत पिछले सप्ताह शमशाबाद में हुई थी, एक मजदूर को कथित रूप से अपराध करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वनपर्ती जिले का गिरफ्तार व्यक्ति जटपोलू विष्णु (23) पिछले कुछ वर्षों से पीड़िता को जानता था, जिसकी उम्र लगभग 16 वर्ष है। पुलिस ने कहा कि पीड़िता शमशाबाद की रहने वाली थी और वनपर्ती की रहने वाली है।

एसीपी शमशाबाद, वी. भास्कर ने कहा कि विष्णु पीड़िता से मिलने के लिए अक्सर शमशाबाद आता था और कई मौकों पर उसका यौन उत्पीड़न भी किया था। पिछले चार महीनों से, पीड़िता विष्णु से बच रही थी और कुछ अन्य युवकों के साथ दोस्ती करने लगी। इससे विष्णु नाराज हो गए और 11 अप्रैल को उन्होंने पीड़िता को बूढ़ी सागर रेड्डी कॉलोनी के पास मिलने को कहा। पीड़िता के आने पर विष्णु पीड़िता को सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में उसने लड़की के सिर पर बार-बार पत्थर मारकर उसकी हत्या कर दी। बाद में वह शव को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने शव मिलने पर मामला दर्ज कर जांच में लिया है। कुछ संदिग्धों की पहचान करने के बाद पुलिस ने विष्णु को उठाया, जिसने पूछताछ के दौरान पीड़िता की हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने विष्णु को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है।

दलित युवक की हत्या के आरोप में दो नाबालिग समेत नौ गिरफ्तार

नलगोंडा, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के निदामनूर मंडल के गुंटुपल्ली गांव में एक दलित युवक इरगी नवीन की हत्या के मामले में निदामनूर पुलिस ने सोमवार को दो नाबालिगों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में सत्यनारायणपुरम से रामलिंगम, सुरेश और कोटैया, त्रिपुराराम मंडल के अन्नाराम से राजू, शिव प्रसाद, राजेश और मणिदीप और दो नाबालिग लड़के थे। पुलिस अधीक्षक अपूर्व राव ने कहा कि आरोपियों ने पिछले चार साल से प्यार के नाम पर एक नाबालिग लड़की, जो उनकी रिश्तेदार थी, को कथित तौर पर परेशान करने के लिए नवीन को मारने की योजना बनाई थी। युवती ने इसकी शिकायत अपने मौसेरे भाई मणिदीप से की तो उसने नवीन को कई बार चेतावनी दी। इसके बाद मणिदीप ने नवीन को गुंटीपल्ली में चर्चा करने और मामले को निपटाने के लिए आमंत्रित किया, जिसके बाद नवीन अपने दोस्त अनिल के साथ 9 अप्रैल को मोटरसाइकिल पर वहां पहुंचा। नौ आरोपियों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे नवीन की मौके पर ही मौत हो गई और अनिल घायल हो गया। नवीन को नौ बार चाकू मारा गया था, एसपी ने कहा, इसके बाद आरोपी ने आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में शरण ली। पैसे खत्म होने पर वे अन्नाराम के पास लौट आए और पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

युवक का अपहरण करने के बाद हत्या

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बाहरी इलाके में अज्ञात लोगों ने एक पूर्व पत्रकार का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। कुछ अज्ञात लोगों ने रात करीब 2 बजे शहर के गच्चीबोवली इलाके के एक अस्पताल में एक शव को छोड़ दिया। अस्पताल के अधिकारियों द्वारा सूचित किए जाने पर, पुलिस वहां पहुंची और उसकी पहचान मामिदी करुणाकर रेड्डी (29) के रूप में की, जिसे रविवार रात हैदराबाद के पास कोट्टूर से अगवा कर लिया गया था। पुलिस के मुताबिक, करुणाकर अपने दोस्त श्रीधर रेड्डी के साथ एक कार में चेगुरु से तिम्मापुर जा रहे थे। एक वाहन में सवार कुछ अज्ञात लोगों ने उन्हें रोका और रेड्डी की पिटाई करने के बाद करुणाकर को लेकर चले गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने पूर्व पत्रकार को छुड़ाने के लिए छापेमारी शुरू की। अधिकारियों के कोई विवरण मिलने से पहले ही आरोपी अस्पताल में शव को छोड़ दिया और भाग निकले। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल भेज दिया है। वे शव लाने वालों की पहचान करने के लिए अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। रेड्डी ने आरोप लगाया कि कोट्टूर के मंडल स्तर के जनप्रतिनिधि मधुसूहन रेड्डी के रिश्तेदारों ने करुणाकर का अपहरण कर लिया। पुलिस के मुताबिक करुणाकर पूर्व में एक अखबार में काम करता था।

बाद में उन्होंने कोट्टूर तहसीलदार कार्यालय के पास एक दस्तावेज़ लेखक के रूप में काम करना शुरू किया। पीड़ित एमपीपी मधुसूदन रेड्डी और उनके समर्थकों के साथ जमीन के सौदे में काम कर रहा था। हालांकि, हाल ही में उनके साथ उनके मतभेद हो गए थे। करुणाकर के परिवार ने आरोप लगाया कि मधुसूदन ने उसकी हत्या कर दी क्योंकि उसे डर था कि वह जमीन के सौदे में उसकी अनियमितता का खुलासा कर सकता है। करुणाकर के रिश्तेदारों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर कोट्टूर में विरोध प्रदर्शन किया। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने मधुसूदन रेड्डी और चार अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश शुरू कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

केन्द्रीय मंत्री ने बच्चों को पोषण किट वितरित किया

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सिकंदराबाद के श्री सत्य साईं स्कूल, बाग अंबरपेट में आयोजित "हेल्दी बेबी शो" में पोषण किट वितरित किए और स्वस्थ बच्चों और उनके परिवारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम बच्चों के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के "पोषण अभियान" के अनुरूप था और कुपोषण मुक्त देश प्राप्त करने के लिए मंत्री द्वारा शुरू किए गए 'स्वस्थ शिशु अभियान' की निरंतरता थी।

अब तक, सिकंदराबाद के हजारों परिवारों ने अभियान के कई चरणों में भाग लिया और बच्चों के समग्र विकास के लिए स्वस्थ, संतुलित आहार अपनाने का संकल्प लिया।

अमित शाह 23 अप्रैल को तेलंगाना का दौरा करेंगे

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 23 अप्रैल को तेलंगाना राज्य का दौरा करेंगे। वह अपनी यात्रा के दौरान चेवेल्ला में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। पता चला है कि शाह की मौजूदगी में कई लोग पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर सकते है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि अमित शाह जनसभा के मंच से आगामी विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकेंगे। भाजपा की राज्य इकाई ने केंद्रीय गृह मंत्री की जनसभा करने का फैसला किया है। राज्य के पार्टी नेताओं ने जनसभा के लिए लोगों को जुटाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। शाह ने राज्य के पार्टी नेताओं को आश्वासन दिया कि वह महीने में कम से कम एक बार तेलंगाना का दौरा करेंगे। हालांकि, शाह अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण राज्य का दौरा नहीं कर सके। वह 13 मई के बाद पूरी तरह से तेलंगाना राज्य पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

सीएम जगनमोहन ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक की

विवेकानंद हत्याकांड को लेकर चर्चा

अमरावती, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने सोमवार को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के कुछ प्रमुख नेताओं के साथ अपने चाचा वाई.एस. विवेकानंद रेड्डी की हत्या मामले पर चर्चा की। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा वाई.एस. चार साल पुराने हत्या के मामले में भास्कर रेड्डी और उनके बेटे और कडप्पा के सांसद वाई.एस. अविनाश रेड्डी, सोमवार को पूछताछ के लिए, जगन मोहन रेड्डी ने स्थिति और परिवार और पार्टी पर इसके संभावित प्रभाव पर चर्चा करने के लिए एक बैठक बुलाई। जगन के मामा और तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष वाई. वी. सुब्बा रेड्डी, वाईएसआरसीपी के महासचिव और राजनीतिक मामलों के सरकारी सलाहकार सज्जला रामकृष्ण रेड्डी, विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी और अन्य लोगों ने जगन के आधिकारिक आवास पर आयोजित बैठक में भाग लिया।

हत्याकांड में रविवार के घटनाक्रम को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सोमवार को अनंतपुर जिले का अपना दौरा रद्द कर दिया। विधायक भास्कर रेड्डी, अविनाश रेड्डी के साथ थे, जब अविनाश रेड्डी सीबीआई के सामने पेश होने के लिए पुलिवेंदुला से हैदराबाद के लिए रवाना हुए थे, माना जाता है कि उन्होंने कडप्पा सांसद के साथ हुई बातचीत के बारे में जगन को जानकारी दी थी। अविनाश रेड्डी को मामले में गिरफ्तारी की आशंका है और उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सांसद, जगन मोहन रेड्डी के चचेरे भाई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी मामले में महत्वपूर्ण तथ्यों की अनदेखी कर रही है और उन्हें आरोपी मान रही है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव से कुछ दिन पहले 15 मार्च, 2019 को कडप्पा जिले के पुलिवेंदुला स्थित उनके आवास पर जगन मोहन रेड्डी के चाचा विवेकानंद रेड्डी की हत्या कर दी गई थी।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि वाई.एस. भास्कर रेड्डी और उनके बेटे अविनाश रेड्डी ने विवेकानंद रेड्डी को मारने की साजिश रची थी।

पवन कल्याण ने विरोधी टिप्पणी के लिए वाईएसआरसीपी से माफी की मांग की

अमरावती, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण ने सोमवार को आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) से अपने नेताओं द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों के लिए तेलंगाना के लोगों से बिना शर्त माफी की मांग की। जन सेना पार्टी के नेता ने तेलंगाना के एक मंत्री के बयान पर वाईएसआरसीपी नेताओं की टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह से वाईएसआरसीपी के नेताओं और मंत्रियों ने तेलंगाना के लोगों को दोषी ठहराया, तेलंगाना क्षेत्र की आलोचना की और तेलंगाना के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया, उससे उन्हें व्यक्तिगत रूप से बुरा लगा है। उन्होंने वाईएसआरसीपी नेताओं को सोच-समझकर बोलने की सलाह दी।

जेएसपी नेता ने कहा कि उन्होंने हमेशा कहा है कि शासक और लोग अलग-अलग होते हैं। उन्होंने वाईएसआरसीपी नेताओं से कहा, अगर तेलंगाना के मंत्री ने कोई ऐसी टिप्पणी की है जो आंध्र प्रदेश के लिए अपमानजनक है तो उसकी आलोचना करें, लेकिन तेलंगाना के लोगों को किसी विवाद में न घसीटें। अभिनेता-राजनेता ने मांग की कि वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेतृत्व को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि तेलंगाना में उनके घर और व्यवसाय हैं। पवन कल्याण ने कहा कि आंध्र प्रदेश के शिक्षा मंत्री बोत्सा सत्यनारायण, जिन्होंने तेलंगाना के वित्त मंत्री हरीश राव के बयान की प्रतिक्रिया में कुछ टिप्पणी की थी, का तेलंगाना में कारोबार था। जेएसपी नेता ने कहा कि बोत्सा के परिवार का तेलंगाना में केबल का कारोबार है। उन्होंने कहा कि अगर कोई मंत्री कुछ गलत कहता है, तो दूसरे मंत्रियों और मुख्यमंत्री को ऐसी टिप्पणियों की निंदा करनी चाहिए। दोनों राज्यों के नेताओं को एक-दूसरे राज्य के लोगों के खिलाफ कोई टिप्पणी करने से बचना चाहिए

2018 में जगन पर हुए चाकू से हमले की सुनवाई टली

विजयवाड़ा, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एनआईए अदालत ने सोमवार को विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर 2018 में चाकू से हमला करने के मामले में सुनवाई 20 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। राष्ट्रीय जांच (एनआईए) ने गहन जांच की मांग करने वाली मुख्यमंत्री की ओर से दायर याचिका पर अपनी दलीलें पेश करने के लिए समय मांगा। पिछले हफ्ते, एनआईए ने जगन मोहन रेड्डी द्वारा दायर एक याचिका के जवाबी हलफनामे में कहा था कि हमले के पीछे कोई साजिश नहीं थी। इसने अदालत से याचिका खारिज करने का आग्रह किया। एजेंसी ने अदालत को बताया कि हवाई अड्डे के रेस्तरां के मालिक हर्षवर्धन हमले में शामिल नहीं थे। 25 अक्टूबर, 2018 को विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पर रेस्तरां के एक वर्कर जे श्रीनिवास राव ने मुर्गे की लड़ाई में इस्तेमाल किए जाने वाले छोटे चाकू से जगन मोहन रेड्डी पर हमला किया था। उस समय विपक्ष के नेता जगन के हाथ में चोट लगी थी। अदालत को यह भी बताया गया कि आरोपी श्रीनिवास तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) या किसी अन्य पार्टी से जुड़ा हुआ नहीं था।

एजेंसी ने तर्क दिया कि चूंकि अदालत में मुकदमा शुरू हो चुका है, इसलिए मामले में एक और जांच की जरूरत नहीं है। जैसा कि जगन मोहन रेड्डी के वकील ने अपनी दलीलें पेश करने के लिए समय मांगा, अदालत ने सुनवाई 1% अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। मुख्यमंत्री के वकील वेंकटेश्वरलू ने सोमवार को अपनी दलीलें पेश कीं कि मामले में विस्तृत जांच की आवश्यकता क्यों है। अदालत को बताया गया कि तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के शासन के दौरान जन्मभूमि समिति द्वारा आरोपी को घर की मंजूरी दी गई थी। वह जानना चाहते थे कि कैसे एक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले और टीडीपी से संबंध रखने वाले शख्स को एयरपोर्ट पर नौकरी दे दी गई। यह कहते हुए कि इसने कई संदेह पैदा किए हैं, वकील ने विस्तृत जांच की मांग की। हमले के बाद, तत्कालीन टीडीपी सरकार ने इस मामले को राज्य पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंप दिया था, लेकिन जगन मोहन रेड्डी ने यह कहते हुए अपना बयान दर्ज करने से इनकार कर दिया था कि उन्हें राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित एजेंसियों पर भरोसा नहीं है। टीडीपी द्वारा साजिश का संदेह करते हुए, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने मामले की केंद्रीय एजेंसी द्वारा जांच की मांग करते हुए राज्य उच्च न्यायालय का रुख किया था।

बाइक चोरी करने वाला गिरोह गिरफ्तार, 19 मोटरसाइकिलें जब्त

आदिलाबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर जिला बाइक लिफ्टिंग गिरोह के चार सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके पास से 19 मोटरसाइकिल और सोने के आभूषण बरामद किये हैं। गिरोह के दो सदस्य फरार हैं। पुलिस अधीक्षक डी. उदय कुमार रेड्डी ने कहा कि आरोपियों में ताटीगुडा के एक राजमिस्त्री सैयद फारूक, आदिलाबाद जिला केंद्र में वड्डेरा कॉलोनी के एक ऑटो-रिक्शा चालक टेंपू सुरेश, मनचेरियल के दैनिक वेतन भोगी शैक अकबर और एक व्यवसायी बालाजी अभिमन शामिल हैं। आरोपी महाराष्ट्र के किनवट से ताल्लुक रखते हैं। आदिलाबाद में केआरके कॉलोनी के एम रतन और किनवट के आदिल अभी भी फरार हैं।

कस्बे के दसनापुर मोहल्ले में संदिग्ध रूप से घूमते हुए फारूक और सुरेश को हिरासत में लिया गया। एसपी ने कहा कि फारूक और सुरेश ने कबूल किया कि हाल ही में शेख अकबर से मिलने के बाद मोटरसाइकिल चोरी करना शुरू किया। पिछले तीन महीनों में आदिलाबाद और निर्मल जिले के विभिन्न हिस्सों में बंद घरों से रात में 20 दोपहिया वाहन चुराए। वे बालाजी और आदिल को सस्ती दरों पर बाइक बेच रहे थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.